

सं_ट ९]

1

न**ई** बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 4,1982 (भांद्रपद 13,1904) T

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1982 (BHADRA 13, 1904)

भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

श्रायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Acations issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 16 ज्लाई 1982

सं० पी०/1782-प्रणा० 2--इस कार्यालय की श्रिध्सूचना सं० पी०/1782-प्रणा० 2 दिनांक 3 मई 1982 के अनुक्रम में श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्द्वारा महालेखा-कार, हरियाणा चंडीगढ़ के कार्यालय के लेखा श्रिधकारी श्री एल० श्रार० सरीन को 1-7-1982 से 31-5-1983 तक की अग्रेतर श्रवधि के लिए श्रथवा श्रायामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में बिन्त एवं बजट श्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री सरीन इस श्रिध्सूचना के श्रंतर्गत श्रामें वाली श्रवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

2. इसे कार्मिक श्रौर प्रणासनिक मुधार विभाग के श्रनुमोदन से, देखिए उनका पत्र मं० 39017/2/81 स्था० (ख) दिनांक 2-6-1982 तथा महालेखाकार, हरियाणा

की सहमित में; वेखिए उनका पत्र स० प्राण्ञा० 1/ जी० भ्रो०/पी० एफ०/एल० भ्रार० एस०/2626 दिनांक 13-7-1982, जारी किया जा रहा है।

दिनांक 6 ग्रगस्त 1982

सन ए०/12019/3/80-प्रणा० II—इस कार्यालय की समसख्यक प्रधिसूचना दिनांक 22-4-1982 के प्रनुक्रम में सचिव, सघ लोक नेवा ग्रायोग एनद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग एनद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी श्रनुसंधान सहायको (भाषाए) को श्रायोग के कार्यालय में 5-8-1982 से 4-11-1982 की तीन मास की श्रग्रेतर श्रवधि के लिए ग्रथवा श्रगले श्रादेशो तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ श्रनुसंधान ग्रिधकारी (भाषाएं) के संवर्ग वाह्य पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

- कुमारी के० बन्धोपाध्याय
- 2. श्री म० ल० वारादपाडे

(12253)

- 3. श्री बी० घोष
- 4. श्री एस० बी० कोइड
- 5. श्री ए० एन० सर्मा

उपर्युक्त व्यक्तियो को यह जान लेना चाहिए कि उनकी कनिष्ठ श्रनुसधान श्रधिकारी (भाषाए) के पद पर नियक्ति बिल्कुल नदर्थ श्राधार पर है श्रौर इससे उन्ह कनिष्ठ श्रनुसधान श्रधिकारी (भाषाएं) के ग्रेड मे श्रामेलन श्रथवा तरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

> कुलदीप कुमार श्रनभाग श्रधिकारी कृते सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक श्रोर प्रशासनिक मुधार विभाग लाल बहाद्र शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी मसूरी, दिनाक 22 जुलाई 1982

स० 2/6/81-स्थापना—गृह मत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली की ग्रधिसूचना म० 13019/9/81-प्रशिक्षण-II दिदाक 17 मार्च, 1982 को जारी रखते हुए. श्रीमती मजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक श्राचार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनाक 4 श्रगस्त. 1982 से श्रागमी छ: मास के लिये या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढाई जाती है।

एस० एस० रिजवी उप निदेशक (वरिष्ठ)

केन्द्रीय न्याय वैदयक विद्यानप्रयोगणाला केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनाक 10 श्रगस्त 1982

सं० 1-24/82-सी० एफ० एस० एल०—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली मे श्री हरदान सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) को 21-7-1982 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला, मद्रास में वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (प्रेलख) के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करने है

भ्रार० एस० नागपाल प्रणासकीय श्रधिकारी के० भ्र० च्यू०

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

सं० स्रो० टी० 1235/75 स्थापना—-राष्ट्रपति, श्री मान सिंह, के० रि० पु० बल के उप-पुलिस स्रधीक्षक के स्वेच्छा पर्वक रावा-नियृत होने भी कि रिं पुरु बा में स्व 43 (डी) में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को स्वेच्छिक रूप से सेबा-निवृत्ति भेजने की श्रन्तर्गत मंजरी देते हैं।

2 श्री मान सिंह ने उप-पृत्तिस श्रधीक्षक, 55 वाहिनी, के० रि० प्० वल के पद का कार्यभार दिनाक 30-6-82 (श्रपराह्म) को त्याग दिया ।

> ए० के० भूरी सहायक निदेणक (स्थापना)

भारत के महापजीकार का कार्यालय वई दिल्ली-110011, दिनाक 17 श्रमस्त 1982

स० 11/91/79-प्रणा०-१—राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासिनक सेवा के सघ राज्यक्षेत्र सवर्ग के प्रधिकारी ग्रौर इस समय संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप मे प्रणासक के पद पर कार्यरत श्री ग्रोमेण सैगल को जनगणना कार्यालय, लक्षद्वीप ग्रनिकुलम, कोचीन मे तारीख 21 जुलाई 1982 के ग्रपराह्न से भ्रगले श्रादेणो तक पहेन क्षमता में निदेणक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रोमेण सैंगल का मुख्यालय कोचीन में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त प्रायोग

नई दिल्ली, दिनाक 30 जुलाई 1982

सं० 8 एफ० सी० 2 (6)-ए)/82—व्यय विभाग (सिविल), नई दिल्ली स स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय सचिवालय आणु-लिपिक सवा के ग्रेड "मी" आणुलिपिक तथा केन्द्रीय सचिवालय आणु-लिपिक सवा के ग्रेड "बी" स्थानापन्न प्राणुलिपिक श्री बी० एम० नेदी को प्राठवे वित्त भ्रायोग में पहली जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म में भ्रमला श्रादेण होने तक 650~1040 रुपये के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के भ्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहयक नियुक्त किया गया है।

दिनाक 31 जुलाई 1982

स० 8 एफ० मी० 2 (7)-ए०/82—व्यय विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर, श्री जी० पी० साहनी, श्रनुसधान श्रधिकारी को आठवे वित्त श्रायोग में पहली जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक 700-1300 रुपये के वेतनमान में अनुसधान श्रधिकारी नियुक्त किया गया है।

स० 8 एफ० सी० 2 (8)-ए/82—व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग). नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० एन० गर्मा, वरिष्ठ वैयवितक सहायक, को श्राठवें वित्त आयोग में 29 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म में श्रगला श्रादेश होने तक 1100-1600 रुपय के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

सं० 8 एफ० सी० 2(9) ए/82--राजस्य विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर, श्री पी० एल गम्भीर, अनुसंधान अधिकारी को प्राठव विक्त आयोग से 21 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म से अगला आदेश जारी होने तक 700-1300 रुपये के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एन० बी० कृष्णन सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियत्नक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 ग्रगस्त 1982

सं 15 4 वा ले पा [/75-73--महालेखाकार जयपुर के कार्यालय के कार्यरत श्री एम एन श्रीवास्तव लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वाणिज्यिक) श्रपनी श्रीधविषत श्रायु प्राप्त करते पर दिनाक 31-5-1982 में सरकारी सेवा से मेवा-निवत्त हो गये।

> एम० ए० सोमेश्वर राव सयक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कःपालिय निरोणक लोगापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

म० प्रशासन- 1 /कार्यालय प्रावेश संख्या 223—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा ग्रधिकारी श्री वृहम दत्त सहगल वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वस्प 31 श्रगस्त 1982 (श्रपराह्न) को भारत सरकार की सेवा में सेवा-निवन हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 1 सितम्बर 1924 है।

श्च० सि० मोहिन्द्रा मयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार, केरल का कार्यालय विवेदसम दिनाक 10 प्रगस्त 1982

म० स्थापना /ए/7/9-86/जिल्द-II—इम कार्यालय के स्थायी श्रनुभाग श्रिष्ठकारी श्री टी० सी० जोर्ज (लेखापरीक्षा एवं लेखा) को 3-8-82 (पूर्वाह्मन) से श्रगले श्रादेणो तक लेखा श्रिष्ठकारी के पद में स्थानापन्न होने हेतृ नियुक्त करने को महालेखाकार केरल संयुष्ट हुए है।

एस० गोपालकृष्णन उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रयम, मध्यप्रदेश ग्वालियर, दिनाक 2 अगस्त 1982

मं० प्रणासन-एक/ने० ग्र० पदोर्झान/173— महालेखाकार, भध्य प्रदेण ने निम्नलिखित स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रीधकारी का स्थानापन्न लेखा श्रीधकारी के पद पर वेतनमान रू० 840-401000 रो०-40-1200 में उनके नाम के भ्रागे दशिये जिल्ला पदोन्नित किया है:---

新山	नाम	स्था यी	कार्यभार	श्राबंटन
मं०		क्रमांक	दिनांक	ऋ भांक

1. श्री पालीराम पुत्र श्री 02/1596 2-8-1982 म० ले०11 भोजराज (पूर्वाह्म)

(प्रधिकार ---महालेखाकार-प्रथम एवं महालेखाकार-द्वितीय के ग्रादेण दिनांक 2-8-1982)

> बी० के० राय वस्ष्ठि उप, महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, राजस्थान जयपुर, दिनांक 10 श्रगस्त 1982

सं प्रशा ०-1/राजपल्ल, [अधिसूचना/400---महालेखाकार राजस्थान ने श्री चेतराम शर्मा प्रयर अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनाक 19-7-82 (पूर्वाह्न) मे अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मदन सिह वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रणा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1982

म० 2342/ए० प्रशासन/130/82—निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा भेवाएं, निम्निलिखन स्थायी श्रनुभाग ग्रिधकारियों को, उनके मामने ग्रंकित निथि मे, लेखापरीक्षा श्रिधकारी के स्थानापन्न रूप में, श्रागामी श्रादेश तक, महर्ष नियुक्त करते

ऋम० मं०	नाम	कार्यालय जहा नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
। सर्वश्री	2	3	4
	वी०एन०चुघ	सयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाए, वायुसेना, देहराद्न ।	1 4-7-8 2

1	2		
2. 2	ग्री एस०पी० ग	नाथुर संयुक्त निदेश लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, मध्य कमार मेरठ कैन्ट।	₹,
			राधेश्याम गुप्त

राधेश्याम गुप्त सयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाए

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियत्नक नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 श्रगस्त 1982

स० प्रणा०/1/1681/5/जिल्द-I—श्री सी० वी० के० रेड्डी, श्राई० डी० ए० एस० को दिनाक 16-10-1982 को 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्मतिथि दिनांक 17-10-1924 होने के कारण), दिनाक 31-10-82 (श्रपराह्न) से पेशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जाएगा श्रोर तदनुसार वे मूल नियमायली के नियम 56 (ए०) की शतीं के अनुसार दिनाक 31-10-1982 (श्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहेंगे।

श्चार० के० माथुर रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा महालय भारतीय भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता दिनाक 12 ग्रगस्त 1982

स० 39/82/जी०—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० जी० नायर, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनाक 31 जुलाई, 1982 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता निदेशक

कलकत्ता दिनाक 4 ग्रगस्त 1982

सं० 10/82/ए०/ई-1—वार्धनय निवृत्ति ग्रायु प्राप्तकर श्री गोवर्धन लाल मौलिक एव स्थायी सहायक, स्थानापन्न सहायक स्टाफ ग्रफसर दिनाक 31, जुलाई 1982 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० ग्रार० ग्रय्यर डी० डी० जी०, ग्रो० एफ० कार्मिक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्नक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

एस० कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे श्री एम० एफ० श्रार० विजली, को केन्द्रीय मचिवालय मेवा (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 48 की गर्ती के श्रनुसार 16 जुलाई 1982 के दोपहर पूर्व से स्वैच्छिक रूप से सरकारी सेवा से निवृत होने की श्रनुसति दी जाती है।

वी० सैशन् सयुक्त मुख्य नियन्नक, श्रायात-निर्यात कृषे मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

म० 1/2/82-प्रणासन (राज०):—राष्ट्रपति, श्रनुभाग श्रिधिशारी वर्ग के वर्ग-1 के श्रिधिशारी श्रीप केन्द्रीय सिववालय सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री जे० पा० सिवल को श्रगला श्रादेश होने तक 1 सितस्थर, 1981 से मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में (केन्द्राय सिवबालय सेवा के) उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के रूप में काम करते रहने के लिये नियुक्त करते हैं।

ए० एस**० कौल** उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं नियति **कृते** मुख्य नियत्नक, श्रायात एव निर्यात

नई दिल्लो, दिनाक 19 जून 1982

सं० 6/1103/75-प्रशासन राज०/3741.—सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर, श्री के० सी० बर्मन जो संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक श्रायात निर्यात के पद पर कार्य कर रहे थे, उन्हें 30 श्रप्रैल, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई है।

विनांक 11 ग्रगस्त, 1982

स० 6/492/58-प्रशासन राज/4567.—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के कार्यालय, बस्बई में स्थानापक्ष रूप से कार्य कर रहे श्री ग्रार० मी० एस० मेनन, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात की 31 जुलाई, 1982 के दोपहर वाद से सप्कार) सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई है।

> जे० के० माथुर, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात एव नियात इते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं नियति

उद्योग मंत्रालय

(श्रीबोगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाक 31 जुलाई 1982

मं० ए० 31013/1/82-प्रगासन (४८ न०):—-राष्ट्रपति, निम्त्रलिखित अधिकारियों को लघु उद्योग विकास संगठन में प्रत्येक के नाम के प्रागे तिखी गई तारीख से सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रमायन) के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं० ग्रिधिकारं। का नाम	स्थाई क्षमता मे नियुक्त किये जाने की तारीख
म र्वर्था	
1. डा०एन ० को ल	23-1-66
2 एस० एन० धार	1-4-67
3. एन० के० गुहा	17-5-68
 बसन्त कुमार 	9-5-69
5. बर्० एन० बह्ल	1-4-72
 जे० सेनगुष्ता 	1-4-72
7. डा० बी० प्रमार्थी	1-4-72
8. प⊹० एम० राभ्रोल	27-4-74
9. शेयोराज सिंह	1-2-75
10. एस० एल० एन० राव	1-2-75
11. मधुरा प्रमाद	4-1-76
12. भ्रार० पिचुकर्ना	25-7-76
13. ऋ।र.० श्रार० देशपांडे	18-8-77
14. ऋष्टि एन० शर्मा	4-3-78

सी० सी० पाय, उप निदेशक (प्रणासन)

पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग)

नई दिल्ली, 9 ग्रगस्त 1982

मं० ए०-1/1/(985) —-राष्ट्रपति सहायक निवेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह के ग्रेड-III) श्रं। रिव गुप्ता को दिनांक 12-7-82 के पूर्वाह्म से दिनो मास के लिये उप निवेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह ए० के ग्रेड II) के रूप मे पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ ग्राधारिन पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री रिव गुप्ता की उप निदेशक के रूप में तदर्थ नियुक्ति में उन्हें नियमित नियुक्ति के दावे का हर नहीं होगा और तदर्थ श्राधार पर की गई मेवा ग्रेड में वरीयता श्रौर पदोन्निः तथा स्थार्थाक्षरण की पान्नता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

> एस एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पान ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता, दिनांक, 5 ग्रगस्त 1982

सं० 8603/2181(एम०एम०ए०)/19 बी० →-भार-तीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एस०एम० श्रजहर 30-4-1981 (श्रपराहन) से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त हो गये।

> जे०स्वामी नाथ, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

मं० ए०-19011(226)/78-स्था० ए० --राष्ट्रपति मंघ लोक सेवा आयोग की निफारिश पर श्री ए०टी० सुतोणे, महायक अयस्क प्रमाधन श्रिधकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 24 जुलाई 1982 (श्रपराह्म) में स्थानापन्न कृप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 श्रगस्त 1982

सं० ए०-19012(151)/82 स्था० ए० →-विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर श्री सी०एम० मगोला, श्रधीक्षक की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापक सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 21 जुलाई 1982 के पूर्वीह्न से पदोन्नत किया गया हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1982

मं० ए०-19011(234)/82-स्था० ए० :—-राष्ट्रपति संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिण पर श्रा एम०एन० माकोडे, सहायक भ्रयस्क प्रसाधन भ्रधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप भ्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी के पद पर स्थानापन रूप में दिनांक 6 मई 1982 की भ्रपराह्म से महर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011 (307) / 82-स्था० ए०: -- राष्ट्रपति संघ लोक मेवा श्रायोग की मिफारिण पर श्री एम०वी० गायधर्ना, सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रधकारी, को भारतीय खान ब्यूरो में उप श्रयस्क प्रसाधन श्रधकारी के पद पर स्थान। पक्ष क्य में दि० 24 जुलाई 1982 (श्रपराह्न) से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 ग्रगस्त, 1982

मं० ए.०-19011(296)/81-म्था० ए.० --राष्ट्रपति मंघ लोक सेवा श्रायोग की मिफारिण पर श्री एरि०एन० मेश्राम, कनिष्ठ जनभूविज्ञाना, केन्द्रीय भू-जल बोर्ड को भारतीय खान ब्यूरों में सहायक खनिज प्रयंशास्त्रा (श्रा-सूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनाक 12 जुलाई 1982 के पूर्वीहन से सहपे नियुक्त करते हैं।

दिनाक 16 ग्रगम्ब 1982

संव ए०-19012(139)/80-म्था ए० ---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री बीवएसव मोरोने, सहायक रमायनविद को भारताय खान ब्यूरो मे रसायनिषद् के पद पर स्थानापन्न रूप मे दिनाक 20 मई 1982 के पूर्वाक्क से सहर्प नियुक्त करते हैं।

स० ए०-19011 (305) / 82-स्था० ए० — राष्ट्रपति सघ लांक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री एम० सैयद रियाज उलात, महायक प्रमुसधान श्रिधकारो (श्रयम्क प्रमाधन) को भारतीय खान ब्यूरों में महायक श्रयस्क प्रमाधन श्रिधकारों के पर पर स्थानापन्न रूप में दिनाअ 14 जून 1982 के पूर्वान्न में महर्ष नियुक्त करते हैं।

> व०च० मिश्र कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

मह। सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

सं० सः०-5851/594:—-श्रां भगवान मिह, तक्षनीकैः महायक (मले० ग्रेंड) को, जिन्हें इस कार्यालय की दिनाक 20 क्सिम्बर, 1981 की प्रधिसूचना सं०सी०-5779/594 के अन्तर्गत महायक प्रबंधक, मानचित्र पुनरूत्पादन (ग्रुप "बा" पद), भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया गया था, तत्काल उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

जी ०सी ० ग्रग्रवाल मेजर-जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 7 भ्रगस्त 1982

स० ए०-39012/1/82-प्रशासन-1 —स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने डा० (श्रीमती) अविनाश तलवार दंत सर्जन, केन्द्रीय सरवार स्वास्थ्य याजना, का 27 मार्च, 1982 (अपराह्म) से त्याग पत्न मंजूर कर लिया है।

दिनांक 10 ग्रगस्त, 1992

स० ए०-31013/1/81-प्रकालन-1 — प्राष्ट्रपति ने निम्निलिखित अधिवारियों को कन्द्राय परकार स्वास्थ्य योजना के प्रन्तर्गत उनके नाम के सामने दा गई ताराख स प्राफ्त गर्जन (दन्त (चिकिल्पा) ह एद प स्थाय। रूप से नियुक्त किया है:—

ङा० बलराज सूर—एवः जनवरो, 1978 से। डा० जी०एल० सभरवाल—–5 ग्रक्तूबर, 1981 स

> त्रिलोक चन्द्र जैन उपनिदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास मन्नालय विषणन एव निरक्षिण निदेशालय

फरीधाबाब, दिनाक 7 श्रगस्त, 1982

सं० ए०-19023/24/78-प्र०-III —-इस निदेशालय के अधीन फरीहाबाद में श्री जें० के० भट्टाचार्य, विपणत विकास अधिकार। की सेवाओं को दिनाक 30-11-81 (अप०) से 30-11-82 (अप०) तक विदेश सेवा शतौं पर भारत से बाहुर स्थानातरण के रूप में लीविया सरकार के अधीन प्रशातन इजानियर के रूप में सीपा गया है।

गोपाल शरण **गु**क्ल इपि विपणन सलाहकार

भाभा प्रमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बर्ड, 6, ग्रगस्त 1982

सं० पा०ए०/79(4)/80 आप III — नियन्नक, भाभा परमाणु अनुसधान केंद्र, श्रो गोविंद विष्णु माडके, स्थानापन्न महायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 24-5-1982 (पूर्वाहन) से 25-6-1982 तक का समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनाक 7 ग्रगस्त 1980

म० पा०ए. / 79(4) / 20 श्रार० 111 — नियत्नक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्रा अब्दुल करं। म मोहिएई। न नाइक, नाइक, महायक लेखाकार को सहायक लेखाश्रधिकार। (क्पये 659-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1-7-82 (पूर्वाह्न) से 31-7-82 (अपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० पी०ए०/79(4)/80-म्रार 111 — नियवक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र, श्री गोपालन कृष्णमूर्ति, श्राणुलिपिक (एस० जी०) को सहायक कार्मिक ग्रधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस म्रनुसंधान कंद्र मे 11-6-82 (पूर्वाहन/ से 20-12-82 (म्रपराहन) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी०मी० पाल उप स्थापना श्रधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग रिजस्ट्री (संपदा प्रबंध निदेशालय) पावनी बंबर्ड, दिनांक 5 जुलाई 1982 भ्रादेण

मं० 10/340/73-प्रशा० — श्री जे० एस० लोध, हैल्पर 'ए' (सफाईवाला) — जो कि मंपदा प्रबध निदेशालय के कार्यप्रभारित स्थापना में नियोजित है, दि० 17-8-81 में श्रपने कार्य में श्रनधिकृत रूप से श्रनुपस्थित हैं।

श्री लोध को वर्तमान जानकारी के श्रमुसार बंबई तथा हरियाणा स्थित उनके निवासीय पते पर रजिट्री-पावती द्वारा निम्नलिखित ज्ञापन भेजे गये थे, जा कि पत्नालय प्राधिकारियों द्वारा इस निदेणालय को इस टिप्पणी के साथ लौटा दिए गए कि ''प्राप्तकर्ता'' उपलब्ध नही है:

- दि० 17-10-81 का जापन—श्री लोध को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के लिए निदेणित करते हुए।
- 2. दि० 20-11-81 का ज्ञापन—श्री लोध से प्रस्ताव करते हुए कि उनके विरुद्ध यथोचित कार्यवाही की जारोगी तथा उन्हें इस ज्ञापन की प्राप्ति से 10 दिन के श्रंदर उक्त प्रस्ताव के विरुद्ध प्रतिवेदन करने का, यदि वे चाहें, श्रवसर दिया जायेगा।

तथापि श्री लोध श्रपने कार्य में निरन्तर रूप से श्रनु-पस्थित रह रहे हैं श्रौर उन्होंने इस निदेशालय की श्रभी तक श्रपना वर्तमान पता भी सूचित नहीं किया है।

भ्रतः श्री लोध सरकारी कार्य से श्रनुपस्थित रहने तथा स्वेच्छा से श्रपनी संघाश्रो का परित्याग करने के दोषी हैं।

चृकि श्री लोध ने इस निदेशालय को श्रपना वर्तमान पना सूचिन किए बिना श्रपनी सेवाग्रों का स्थेण्छा से परि-त्याग किया है, श्रनः श्रधोहस्ताक्षरी श्राश्वस्त होकर यह श्रनुभव करता है कि श्री लोध के विम्त्र कार्यालयी जांच कराने का व्यवहारिक रूप से कोई श्रौचित्य नहीं है।

न्नप्रतः भ्रधोहस्तारी श्री लोध को इस निदेणालय से तत्काल पदच्युत करता ई ।

प्रतिलिपि: --श्री जे. बी. लाध, चाल न. 16, कमरा नं. 236, भारत नग्र, बाद्रा, (पूर्व) बंबई 51 : श्री जे. बी. लोध, ग्राम व पत्रालय सांघी, जनपद रोहतक, हरियाणा

बम्बई दिनांक 6 श्रगस्त, 1982 श्रादेश

सं० 2/603/77-प्रशा० — श्री डी० वी० राजापकर, हैस्पर, 'ए', संपदा प्रबंध निदेशालय, दिनांक 12-4-1982मे श्रपने कार्य में विना श्रन्मति के श्रन्पस्थित है।

श्री राजापकर को प्रन्तिम जानकारी के श्रनुसार बंबर्ड तथा रतनागिरि स्थित उनके पते पर रजिस्ट्री पावती द्वारा दि० 7-7-1982 का जापन क्ष्मांक 2/603/77-प्रशा० भेजा गया था. जिमे पत्रालय ग्रिधिकारियों ने इस टिप्पणी के साथ इस कार्यालय को लौटा दिया कि ''पता ज्ञात नहीं''।

श्री राजापकर प्रशी तक न तो श्रथने कार्यपर उपस्थित हुए हैं और नहीं उन्होंने इस निदेणालय को श्रपने बर्तमान निवास के बारे में सचित किया है।

ग्रतः श्री राजापकार ग्रपने कार्य मे ग्रनुपस्थित रहने तथा ग्रपनी सेवायो का स्वैच्छा से परित्याग करने के दोषी हैं।

चूकि श्री राजापकर ने डर्ड विदेशालय को श्रपना वर्तमान निवास वताये वर्गेर अपनी केशाश्रो का परित्याग किया है; श्रतः अधोहस्ताक्षरी इस बात में श्राण्यस्त है कि केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियमावली 1965 में किए गए शावधान के अनुसार श्री राजापकर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करना व्यवहारिक नहीं होगा।

श्रतः भ्रधोहस्ताक्षरी परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7 जुलाई 1979 के पृष्ठांकन कमांक 22(1)/68-प्रणा० (द्वितीय) तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियमावली 1965 के नियम 19 (द्वितीय) द्वारा प्रदत्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राजापकर को तत्काल पदच्युत करता है। हरिनारायण स्वक्सैना

प्रशासन अधिकारी प्रतिलिप :--।. श्री डी. वी. राजापकर, भागय शिव जादव चाल नं. 0208/34, उनदराष्ट्र रोड,

> श्री डी. वी. राजापकर, पत्रालय गिर रंडेबंद, वाया विजय दुर्ग, तालुक देवगढ़, जनपद रतनगिरि।

राइपाड़ा, मलाड (परिचम), बंबई 64

कय श्रीर भंडार निदेशालय बम्बई, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

मं० ऋ० भ० नि० 123/4/82-स्थापना/17300--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के
निदेशक ने सहायक ऋय प्रधिकारी श्री एस० शिवराम् की
छुट्टी मंजूर किये जाने पर ग्रस्थायी ऋय सहायक श्री पी०
एच० सावन को क्पये 650-30-740-35-810-द० रो०-35880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतन ऋम में इसी
निदेशालय में नदर्थ श्राधार पर तारीख 10 मई, 1982
(पूर्वाह्र) में 19 जून, 1982 (पपराह्र) तक के लिए
स्थानापन्न रूप में सहायक ऋय भ्रधिकारी नियुक्त किया है।
के०पी० जोसफ

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद, दिनांक 10 श्रगस्त, 1982

म० ता०ई०स०/का०प्र०भ०/0704/3023 — नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी, उच्च श्रेणी लिपिक श्री पी०वेंकट रात्र को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में श्रवकाण रिक्ति पर स्थानापन्न सहायक कार्गिकाधिकारी के पद पर दिनांक 10-8-1982 में 11-9-1982 पर्यंत तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

परमाण् खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1982

सं० प०ख० प्र०-1/4/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री पार्थसारथी चट्टोपाघ्याय को परमाणु खनिज प्रभाग में 4 श्रगस्त, 1982 के पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेण होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिधिकारी/श्रभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

सं० प०ख०प्र०-1/1/81-भर्ती ।—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एनद्द्वारा श्री एस० थान-गावेल को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 जुलाई, 1982 के अपराह्म मे श्रगले ब्रादेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक ब्रधिकारी/ब्रभियन्ता ग्रेड "एस०बी०" नियुक्त करते हैं।

टी०डी० धाडगे वरिष्ठ प्रणासन व लेखा ग्रधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

स० ए०-38013/1/82-ई०ए० — क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री एस०एस० बेवली, उप-निदेशक निर्वतन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30-6-1982 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

दिनाक 5 श्रगस्त 1982

मं०ए०-35014/1/81-ई०-ी----इस कार्यालय की दिनांक 5-3-82 की श्रिष्टिस्चना सं० ए०-35014/1/81-ई०-ी के ग्रिष्ठिक्रमण में महानिदेशक नागर विमानन ने लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्य, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री बी०ए० शर्मा, लेखापरीक्षा ग्रिष्ठकारी को 26-2-1982 (पूर्वाह्म) से तीन वर्ष की श्रविध के बजाए दिनांक 26-2-1982 (पूर्वाह्न) से 29-2-1984 तक दो वर्ष की ग्रविध के लिए नई दिल्ली स्थित मुख्यालय कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर लेखा श्रिष्ठकारी के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 अगस्त 1982

मं ० ए०-32013/1/81-ई०-ए० — राष्ट्रपति ने निम्त-लिखित श्रिधकारियों की वरिष्ठ विमानकोत श्रिधकारों के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के मामने दी गई श्रविध के लिए जारी रखने को मं जूरो दी हैं:—

क्रम सं० नाम	स्टेशन	प्रवधि
1 2	3	4
1. श्री एम०एम०मैनी	डी०जी० सी०ए०	14-2-82
	मुख्यालय	

1	2	3	· · · ·
2	श्रीएचं०एस०		
	चावला	दिल्ली	14-2-82
3	श्री ग्रार०एल० बर्मा	र्ड।०र्जा०मी०ए०	
		मुख्यालय	14-2-82
4.	श्री ए० के० यसु	र्डा०जा०मी०ए०	
_		मुख्यालय 	31-5-82

सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1982 '

मं० ए०-31013/1/82-ई०डब्ल्यू० — राष्ट्रपति ने श्री डी० पण्मुखम को नागर विमानन विभाग में दिनांक 21 जुलाई, 1979 से स्थायो रूप में ग्राग्निणमन ग्राधिकारों के पद पर नियुक्त किया है।

> ई०एल० ट्रेसलर . महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

मं० ए०-38013/6/82-ई०सी ० --- त्रैमानिक संधार संग-ठन के निम्तलिखित श्राठ अधिकारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त-कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :---

क्रम नाम ग्रीर सं० पदनाम	स्टेणन	भेवा निवृत्ति को तारोख
1. एस०एन०भेन,	वै०सं०स्टेशन कल-	30-4-82
सहायक संचार स्रधिकारी	कसा	(भ्रपराह्म)
2. के॰जी॰नायर	वै०सं०स्टेशन मद्राम	31-5-82
सहा० संचा र अधिकारी		(भ्रपराह्म)
3 ए० एन०कुट्टी	्रवै०सं०स्टेशन व्रिवेन्द्रा	31-5-82
महा० संचार ग्रधिकार	Ť	(ग्रयराह्न)
4 ए०के० चौधरी	वै०सं०स्टेशन कल-	31-5-82
सहा० संचार ग्रधिकारी	ो कम्ता	(अपराह्न)
 पी०एम०जार्ज 	वै०स०स्टेशन स्रिवेन्द्रम	30-6-82
सहा० संचार श्रधिकारी	ì	(भ्रपरा ह्न)
6 वी०के०ई०मर्मा	वै०सं०स्टेशन बम्बई	30-6-82
सहा० संचार श्रधिकारी	Ť	(ऋपराह्म)
7. जी०एस०गुप्ता	वै०सं०स्टेशन बम्बई	30-6-82
सहा० संचार श्रधिकारी	r	(अपराह्न)
8. पी० एम० पिल्लै	वै०स०स्टेशन मद्रास	30-4-82
सहा० संचार श्रधिकारी	·	(म्रपराह्म)
		प्रमिभन्द

सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार मेव।

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1982

स० 1/342/82-स्था० --विदेश संचार भेत्र। के महा-निदेशक ए.द्हारा मद्रास के पर्यवेक्षक श्रं। ए० श्रार० श्राति-वासन को स्थानीय व्यवस्था के रूप में नदर्थ श्राधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थानी पर 15-3-82 रे 3-4-82 तक श्रीर 5-4-82 से 15-5-82 तक क श्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन रूप स उप परियाल प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं०-1/520/82-स्था० — विदेण सचार 'सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई के पर्यवेक्षक श्री डी०श्रे० सल-ढाना को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ श्राधार पर श्रह्मकालिक रिक्त स्थानों पर 19-2-82 से 12-3-82 तक श्रीर 15-3-82 से 31-3-82 तक की श्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियान प्रबंधक नियुक्त करते है।

> पा० गि० गोविन्द नायर निदेशक (प्रशा०) **कृते** महानिदेशक

नौबहन भ्रौर परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिदेशालय

बम्बई, दिनाक 3 ग्रगम्ह 1982

सं० 3(1)-सी०श्रार०धी०/82 — संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्रो बा०श्रार०सा० प्रसाद को 22 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेशों त'क श्रस्थायी रूप में प्रधान नाविक क'ल्याण श्राधिकारी, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

> भा० **झ**० पवार नौवहन, उपमहानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

सं० ए०-19012/987/82-स्था०पाय— विभागीय पदोस्ति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, एसद्द्वारा, श्री एस०के० मेहता, म्नानक पर्यवेक्षक को, जो कि राष्ट्रीय जल-विद्युत् परियोजना निगम लि० नई दिल्लो के प्रबंध के प्रधान देवी घाट जल विद्युत् परियोजना काठमन्डू (नेपाल) मे प्रतिनियुक्ति पर है, तथा जो असंवर्ग पर पर प्रतिनियुक्ति/ब्राह्य सेवा पर रहने हुए अगले नियले नियम का सभी भर्ती को पूरा करते हैं, क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे उनकी प्रनुपस्थिति मे, 29 जुलाई, 1981 की पूर्वाह्न से, श्रीतिन्वन सहायव निदेशका/सहायक इन्जीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता मे, नियुक्त करते हैं।

2--226GI/82

2 श्रो मेहता, ग्रितिश्कित सहायतः निदेणक/सह।यव इंजी-नियर के ग्रेड में 29 जुलाई, 1981 से दो वर्ष की अविधि तक पश्चिक्षा पर रहेगे।

मं० ए-19012/994/82-स्था० पाच—ग्रध्यक्ष. केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री स्वदेण रंजन दास, पर्यवेक्षक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में श्रतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 19 जुलाई, 1982 की पूर्वाह्र में छः महीने की श्रविध के लिए श्रथवा पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य श्रवर सणिव केन्द्रीय जल श्रायोग

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, विनांक 10 सितम्बर 1982

सं० 82/म्रार० ई०/161/6—मध्य रेलवे के सम्पूर्ण म० रा० वि० बो० साइडिंग खंड पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगताओं की सामान्य सूचना के लिए यह प्रधिसूचित किया जाता है कि एकल द्वारा (जरीब 8221) से म्रोढा (198/307 कि० मी०) तक 25000 बोल्ट, 50 साइकिल, ए० सी० शिरोपरि कर्षण तारों में 1 म्रगस्त, 1982 मे या उसके पश्चात बिजली चालू कर दी जाएगी । उस तारीख को भ्रौर उसके बाद इन शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय 'बिजलीयुक्त' माना जाएगा तथा किसी भी भ्रनधिकृत व्यक्ति को इन शिरोपरि लाइनों के पास भ्राने या उनके सिन्नकट काम करने की सर्वथा मनाही रहेगी ।

हिम्मत सिंह सचिव, रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्टार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर करनाठक कालस्वियम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बंगलौर, दिनाक 9 श्रगस्न 1982

सं० 3025/560/82-83—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ध्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर करनाठक कालसियम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह्० अपठ न[्]य कम्पनियों के रजिस्ट्रार कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स गांधी डावर एशियन वाल्क्स लिमिटेड के त्रिषय में ग्वालियर, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

सं० 1294/मी० पी०/1367—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण मे एनद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि मै० गाधी डावर एणियन वाल्व्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स संचय फाइनेन्स (एम० पी०) प्राक्ष्मेट लिमिटेड के विषय में स्वालियर, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

मं० 1307/बी० एस० वाय०/81/1369—कम्पनी श्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह भूचना दी जाती है कि मै० मंचय फाइनन्स (एम० पी०) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में जाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्म श्री नर्मद। केमिकल्स एण्ड फटलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

सं 1328/सी । पी । / 1387 --- कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैं । श्री नर्मदा केमिकल्स एण्ड फर्टी - लाइजर्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्म ब्रिजसन्स एम्पलायमेन्ट एण्ड कामशियल सर्विसेज श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनाक 11 श्रगस्त 1982

सं० 1344/सी० पी०/1368---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनसरण में एनदृढ़ारा यह सूचना दी जाती है कि मै० ब्रिजसन्स एम्पलायमेन्ट एण्ड कामिशियल सिंबसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के मामसे में एवं मैसर्म सेन्द्रित ६ण्डिया डवलपमेन्ट एण्ड कन्सट्रम्शन्स प्राप्टवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 11 भ्रगस्त 1982

मं 352 /मी \circ पी \circ / 1388 — कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 की भाग 560 की उपधारा (3) के श्रन्तर्गत एतदृद्वारा सुचित

किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं के मेस्ट्रल इण्डिया इवचयमेस्ट एण्ड कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट निमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण दर्शाया गया तो, रिजिस्टर से छाट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रांट मैसमें ट्रस्ट एमोसिएशन श्राफ दी इण्डिया चर्च कॉन्सिल ग्राफ दी०डिमिपल्स ग्राफ काइस्ट के विषय में

ग्वालियर, दिनाक 11 श्रगस्त 1982

मं० 1025/मी० पी०/1391—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा यह मूचना दी जाती है कि मैं० ट्रस्ट एसोसिएशन आफ दी इण्डिया चर्च कॉन्सिल आफ दी डिमीपल्स आफ काइस्ट का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उस्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 के मामले में एवं मै० रानी दुर्गावती चिट फण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनाक 12 श्रगस्त 1982

सं० 1272/सी० पी०/1392—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रन्तर्गत एतद्द्वारा सूचित किया जात। है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनाक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० रानी इर्णावती चिट फण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्णाया गया नो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्म दी रायपुर इण्डस्ट्रीज (श्राइवेट) लिमिटेड के त्रिषय में

ग्वालियर, दिनाक 12 श्रगस्त 1982

मं० 845/मी० पी/1414— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि मै० दी रायपुर टण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विद्यास्त हो गई है।

स्रेन्द्र बुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर प्रकार आहे ही एन एस----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्यीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्० 1/एस०-श्रार०-3/12-81/490--श्रनः मुझे, एस० श्रार० गृप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिंम इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी स० कृपि भूमि है तथा जा ग्राम करावल नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक, दिसम्बर, 1981।

को पृवािकत सपिति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृवािकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नालिक उत्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित म प्रानिक रूप स किन्ति नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितां द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निजियन व्योक्तियो, अर्थात--- (1) श्री पृथ्वी राज भूटानी सुपुत्र श्री गोबिन्द राम, निवासी 8574/3 बस्ती श्रारक्षण पहाष्ट्र गंज, नर्षे दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बुधन राम मुपुत श्री खिलारी, निवासी ग्राम-मादातपुर शाहदरा, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्र । आरो करक पूर्वीका सम्पत्ति के प्रश्नेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाझेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी भविष बाव में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सुनना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनख किमी श्रास्य क्यकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्वब्दोक्तरण !—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधितयम के श्रद्ध्याय 20-कं में परिभाषित है, बही श्रर्थ हगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भूमि खण्ड 13 बीघे 10 बिक्ष्ये, खसरा नं ० 387/2, 389/1, 390, 391/1, ग्राम करावल नगर, दिल्ली

एस० श्रार० गुप्ताः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31~7-1982

क्रिय शक्षे हो एस एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982 निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/12-81/1499—ग्रत. मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्लाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला बाजार मूल्य 25,000/-रन में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी म० एस-129, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981।

को पूर्व कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अध्ययक वें हुई कियी नाव की बाबस, उनस् अधिकित को अधीन कर दोने के कृत्यक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; अधि मा
- (ज) एसी किसी बाब वा किसी प्रवास बाब कास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र आंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के निया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा १६९-ग के अनसरण माँ, मौँ उक्त अधिनियम की रास १६६-स की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सतीम लाल (2) जगदीम लाल (3) रिवण लाल,
 (4) मनोहर लाल (5) जतीन्द्र लाल, निवामी 5-सी/88
 - (4) मनाहर लाल (5) जतान्द्र लाल, निवासी 5-सी/88 न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 मैं० मोहन बिल्डर्स द्वारा भागीदार एस० मोहन सिह, निवामी 52/42 पंजाबी बाग नई दिल्ली (अन्तरिनी)

का यह मुचना जारी करकं पृवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वतंत्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट न० एस०—129, क्षेत्रफल 300 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

> एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेज-I, नई दिल्ली-110002

विभाक 28-7-1982 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रगस्त 1982

निर्वेश म० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/एम० ग्रार० III/12/ 81/1500--- ग्रत मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) / जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धःरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विज्याय भरन का कारण है कि स्थावर संतिन, जिसका उचित बाजार मत्य 2.5.000/- प्रश्ले अधि ह है श्रौर जिसकी स० ई-501, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-U, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981। पूर्वी कत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दुश्यमान प्रतिक व के किए धन्तरित की गई हे भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ/पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) मौर भ्रन्तरिती (भन्तरिसियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल - निम्नलिखित उद्देश्य ग उसा अन्तरण लिखिंग में वास्तविक रूप म कथि। नहा ∫ या ग्रम है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्नियम के भ्रधीन कर बेने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियो को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थं अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकत व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--

(1) श्री ग्रनील कृमार महगल मन/ग्राफ श्री एम० ग्रार० सहगल और श्रीमती कृष्णा नहना पत्नी श्री जे० सी० नहला द्वारा ग्राटारनी श्री एम० ग्रार० सहगल मन/ग्राफ श्री एच० ग्रार० सहगल दोनो निवामी डी-289, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुलशन कुमार ध्रौर श्री गोपाल सपुत्र गण श्री चन्द्र भान निवामी 18/1 पंत नगर, नई विल्ली (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद मे समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतरा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के धीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेये।

स्पष्टिकरणः—इसमं प्रपुक्त इब्बों और पदों का, जो उक्त यिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

दो मजिला मकान नं० ई-501, क्षेत्रफल 248, स्केयर यार्ड जो कि ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-¹, नई दिल्ली-110002

विमाक: 4-8-1982

प्ररूप मार्च. टी. एन्. एस.----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू० 1/एस० श्रार०-3/12-81/1504—श्रतः मुझे. एस० श्रार० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रः. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर ६ससे उपाबंध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981।

क्षे प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य स उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उन्नर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिनम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) कुमारी रंजू जैन सुपुत्नी श्री एम० के० जैन, निवासी-डी-1/ए. ग्रीन पार्क नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर मार्क चौधरी (माध्नर) सृपुत्र श्री सुनील कुमार चौधरी हारा उसकी मा श्रीमती टाटीयाना चौधरी, श्रीमती टाटीयाना चौधरी पत्नी श्री एम० के० चौधरी, श्री श्रनुज चौधरी सुपुत्र श्री शिव कृष्ण चौधरी, निवासी ए-1/12, पचशील इनक्लेब, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे ग्रीर 8 बिग्वे, खसरा नंज 261, मिन, ग्राम खानपुर, नई दिल्ली

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज - १, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 जुलाई 1982 निर्देश म० ग्रार्ड० ए० मी०/एक्यू०/ 1/एम० ग्रार-3/12-81/ 1505--श्रत. मुझे, एम० ग्रार० ग्प्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक दिसस्वर, 1981।

को पूर्वा वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो वत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य में उद्देश भन्नरण लिखित में बाम्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट रही किया रिया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सर्विधा के लिए;

उतः अबः, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण मो, मो, पक्त अधिनियम की भार 269-व की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलियिस व्यक्तियों अर्थातः :--

(1) कुमारी रंजू जैन, सुपुत्री श्री एम० के० जैन, निवासी-डी-1/ए, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर मार्क चौधरी (नावालिंग) सुपुत्र श्री सुनील कुमार चौधरी, द्वारा उसके मा श्रीमनी टाटीयाना चौधरी, श्रीमनी टाटीयाना चौधरी पत्नी श्री एस० के० चौधरी, श्री श्रमुज चौधरी सपुत्र श्री एरा० के० चौधरी निवासी ए-1/12, पंचणील इन्कलेव, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषा क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे और 8 बिख्वे, खसरा नं० 261 मिन, ग्राम खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली

> ण्म० श्रार० गृप्ता, सक्षम प्रःधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I. नई दिल्ली—110002

दिनांक : 31-7-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-ा, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1982

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-प्रार-3/12-81/1508--यतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० 2/19, है तथा जो शांति निकेतन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ली है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, नई विज्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक, दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- (1) श्री जसबीर सिंह मुपुक्ष स्वर्गीय एस० प्रीतम सिंह, निवासी ए-107, सरोजनी नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) डा० बैंग्णव प्रकाण सङ्तर सुपृत स्वर्गीय श्री दीलत राम सङ्चर, निवागी 2/19, शान्ती निकृतन, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन की अमिप था तरसमधा व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रो० प्लाट नं० 19, सेकन्ड स्ट्रीट, शान्ती निकेतन, नई दिल्ली ।

> ण्म० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राध्यिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली—110002

दिनांक 3-8-1982

प्रमूप आई. टी. एन एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?60-घ (1) को अधीन गूचना

भारत सरकार

ृकार्यालय , स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजीन रेज-1. नर्ष्ट दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 ज्लाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० 3/12-81/1510—ग्रत मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० बी० 231 (डी) है तथा जो तल मजिल, ग्रेटर कैलाण−1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम.

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या बिस्सी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अस, उक्त सिधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डि—
3—226G1/82

- (1) श्री सत्य नारायण गुप्ता, सतीश कुमार गुप्ता ग्रौर ज्ञान चन्द गुप्ता सुपुत्रगण श्री बनारमी दास गुप्ता निवासी एम-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली प्र (अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्र मोहन मेहरा मृष्ट्रव श्री प्राण नाथ, निवासी ई० 140 ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष्म व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमसर्ची

प्रो० न० बी०—231 (डी०) ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली ।

> गस० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

' - all

दिनाक 28-7-1982 मोहर

प्रक्ष भार्ष. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

e y

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०—3/12— 81/1511—अत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 1348-52, ब्लाक है तथा जो नाईबाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति- किस रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कं लिए;

अत तक्क, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) श्री कंषर बलबीर सिंह (रीटायई पी० मी० एस०) सुपुत स्वर्गीय श्री आर० एस० सी० एव० बलदेव सिंह, निवासी 4216 मोहल्ला अहीरन पहारी धीरज सदर बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमर कौर चावला पत्नी स्वर्गीय श्री तरलोक चन्द चावला, निवासी 20/22, पंजाबी बाग, दिल्ली

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति कं अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति वृद्यागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्याक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

प्रो० नं० 1348-52 बना हुआ प्लाट/आसरा नं० 814, एरीया 222 बर्गगज, ब्लाक 'डी' गली नं० 20-19, एक मंजिला (पुराना कन्सटुक्शन) छपर वाला कुंग्रा, नार्डवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

> ाग्स० ग्रार० गुप्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली—110002

विनाक: 3-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनाक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार० 3/12-81/1514—श्रत: मुने, एस० श्रार० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दोजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 16/10159, है तथा जो ब्लाक-टी, नाईबाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वो कत मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में स्विभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्रीमती सुदर्शन कुमार पत्नी श्री तिलक राज झौर सत श्रकाश मुपुन्न श्री जगदीश लाल, निजासी— 16/10159, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली-5, (अन्तरक)
- (2) मैं० पूर्ण एण्ड सन्म, 174-डी, कमला नगर, दिल्ली (अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अससची

म्युनिसीपल नं० 16/10159, ब्लाक टी, खसरा नं० 1471/1158 भ्रौर 1472/1158, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली ।

एस० म्रार० गुण्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 28-7-1982

प्रूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/12-81/1576---श्रतः मृक्षे, एस० श्रार० गृप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० एच/343, है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (ग्रन्तरक)

(2) श्री विनय लम्बा ग्रीर श्री ग्रम्लण लम्बा मुपुत्रगण श्री देव राज, निवासी 27/53 राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारा करक पृत्रांकित सम्पन्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे '

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अतमची

सरकार द्वारा निर्मित मकान नं एच/343 न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली भूमि का क्षेत्रफल 200 वर्गगत,

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 3-8-1982

मोहरः

प्ररूप आई टी. एन. एस. ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 ग्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०—3/12— 81/1517—स्त्रत मुझे एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी में डी-31, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण क्ष्प में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करन को कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतरितो (अंतरिनियो) के बीच एसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दर्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

- (1) श्री एस० एस० स्रवरोटा सुपुत्र श्री जे० एस० स्रवरोरा, निवासी के-46, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० के० शर्मा सृपुत्र श्री मशा राम, निवासी के-46 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मजिला मकान न० डी०-31, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली एरीया 333 वर्ग गज, (1/2 भाग हस्तातरण का क्षेत्र 166 वर्गगज)

एम० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-1, नई दिल्ली-110002

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

दिनाक 3-8-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1982 निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/12-81/1518—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिषत बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

ग्रोर जिसकी म० एस० 139 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित या गार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर या
- (ख) ऐमो किना आय ग किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ज्ञायकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनिम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निश्नलिकिकेत व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्रीमती अमृत कौर, भार्फत एस प्रेम सिंह नियासी एस-291, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रमन श्रानन्द, निवासी डी--289, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर खन्न स्थायर मन्परित में हितबद्ध किसी अन्य अपकित द्वारा अधीद्दस्ताकारी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्विधीकरण :---इसमें प्रयुक्त णव्यों और पदों का, जो उन्त ग्रिक्षिम के ग्रह्माय 20-क में परिभाधिन है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

वम्सूची

प्लाट नं० एस०-139, ब्लाक-एस० ग्रेटर कैला $\mathbf{v}-2$, न \mathbf{t} दिल्ली !

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली--110002

दिनांक: 3-8-1982

प्रक्रम आहूर .टी एन एस ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-I, नई दिस्ली

नर्थ दिल्ली, दिनाक 31 जुलाई 1982 निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०—3/12— 81/1521—श्रत मुझे, एस० श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी में रिथत है (श्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्मा ग्रिक्षिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पल्झ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्निलिसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से ही यत नहां किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन निम्नलिखिन न्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रीमती हरवींन्व कीर पत्नी श्री रघबीर्रासह, निवासी बी-382, न्य फेंड्ग कालोनी, नर्र दिल्ली

(ग्रन्त रक)

(2) मैं० कम्पीटेट बिल्डर्स, 6-जतर मतर रोड, नर्ड दिस्सी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता ह्या।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिस्यों में में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्णी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20 क मे परिमाणित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

संसम्ब

कृषि भूमि नादादी 4 बिथे 16 बिथ्वे, मुस्तातील नं० 37, किला न० 15(0-11), मुस्तातील न० 38, किला न० 11(4-05), ग्राम डेरा मडी, नहसील, महरौली, नई दिल्ली ।

एम० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज !, नई दिल्ली-110002

दिनाक 31-7-1982 मोहर

प्रकप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-ा. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 जलाई 1982

निर्देश स० श्राष्ट्री ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०—3/12—81/1523—श्रत मुझे, एस० श्रार० गुप्ना

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक दिसम्बंर 1981

को पृशेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल निम्नीलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कि थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सृविधा के लिये; शौर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्ही भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) वा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण को, मो, उक्त अधिनियभ की धारा 269-भ की उपधारा ()) के अधीन, निक्रालिसित व्यक्तियों अधीत:——

(1) श्री झुथर सृपुत्र श्री रिखीया सम्पा, राम चन्द, कार-काली रिष्ठपाल सुपुत्रगण श्री गगा सहाय खजान सुपुत्र श्री बुध, रामभेजी, पत्नी श्री घुवा, निवासी ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डान सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र सिंह निवासी 28 सुन्दर, नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिनी)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप</mark>ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भिम तादादी 4 विषे श्रौर 16 बिण्वे, एम न० 29 किला न० 25, (4-16) स्थापित-ग्राम जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली

ण्स० म्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- नई दिल्ली-110002

दिनाक 28-7-1982 मोहर

प्रकप बाई० टी० एन० एस०-----

म्रामकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के म्रशीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 ज्लाई 1982

निर्देश सं अाई० ए० मी०/एस्यू०/1/एस० आर्० 3/12-81/1524—-श्रत. मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षन अधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर पर्मान्ति, जित्रहा अविन बाजार सत्य 25,000/-क्यमें संअधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वीकत समानि क उचित वाजार सूत्य सकत क दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार सूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) गीर होने अन्तरक (जन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) गीर होने अन्तरण विष्य पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखिन में वाम्नविक कर से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) ग्रस्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त भ्राधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कम करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ण) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जन, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थान :--4--226GI/82

(1) सुथर मुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, रामचन्द, करकाली, रीछपाल सुपुत्रगण श्री गगा सहाय, खजान सुपुत्र श्री बुधु, राम भेजी पत्नी श्री घृषा, निवासी ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डान सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र सिंह, निवासी 28-सुन्दर नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन र निए कार्यवाहियां करता है।

उत्तर सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (ज) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील प 30 दिन की अवधि, जा भा अवधि बाद में समान्त होती हो, क मीतर पूर्वोकता व्यक्तियों में से किसी उपिता द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दा ग्रीर पदों का, जा उक्त क्षि विषय, क श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगत्तवी

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे ग्रौर 16 बिग्ये, एम० न० 28. फिला नं० 22, स्थापित ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली।

> एस० म्रार० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली--110002

दिनाक 31-7-1982 मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू० 1/एस० श्रार-3/12—81/1525—श्रत: मृक्षे, एस० श्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह व्हिक्बास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भॄमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई विल्ली मे स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्व श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्स मम्पित्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्मितियों उद्देश्य स उवत अन्तरण निम्मित म यास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कारत, की स्वाप्त की स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भै, उद्भाव अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री शुथर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, राम चन्द, रीख्रपाल ग्रीर करकली सुपुत्र श्री गंगा सहाय, खजान सुपृत्र श्री बुध, श्रीमती राम भेजी, पत्नी श्री बुधा, निवासी-ग्राम जीनापुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा देशी पत्नी श्री हरमहेन्द्र सिंह, निवासी 28-मुन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृथांकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे तिस व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

कृषि भृमि तादादी 4 बिधे श्रौर 16 बिध्वे मुस्तातील नं० 33, किला नं० 1, श्राम-जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> एस० भ्रार० गृप्ता, सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J. नर्ड दिल्ली-110002

दिनांक . 31-7-1982

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 जुलाई 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०3/12 81/1526—ग्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जा ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है). रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निल्हित में वास्तिवक रूप में काश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री झुत्तर सुपुत श्री रिखीया, सरूपा, रामचन्द, करकाली, रिछपाल सुपुत्रमण श्री गंगा सहाय, खजान सुपुत्र श्री बुधु, रामभेजी जी पत्नी श्री घुघा, निवासी ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र सिंह, निवासी 28 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहम्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 4 बिघे ग्रीर 16 बिश्वे, एम० नं० 28 किला नं० 21, स्थापित ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली ।

ण्स० म्रार० गुप्ता, मक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 28-7-1982

प्ररूप भाई० टी० एन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-81/1527--श्रतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समान प्रधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/= हपये से ग्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के। पन्द्र प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्श्य में उका जन्मरण लिखन में वास्तिविक हुए से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत **एक्त भ्र**धि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अव; उक्त अधिनियम की घारा 269-व के यनुवरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उक्तारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ज्ञुथर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, राम चन्द, रिश्रपाल, करकाली सुपुत्रगण श्री गगा सहाय, खजान सिंह सुपुत्र श्री बुधु, राम-भंजी पत्नी श्री घृघा, निवासी ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उथा देवी पत्नो श्री हरमहेन्द्र सिंह, निवासी 28 सुन्दरनगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारोख से 4 के दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (व) इस मुचना क राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया। ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रवीहस्ताक्षरी के पान निखान में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जा उस्त ग्राध्य नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथे होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिधे श्रौर 10 बिश्वे, मुस्तातील नं 33, किला नं 2, स्थापित-ग्राम जोनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

विनोक 31-7-1982

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

श्रायकर अधिनियम, 19**61 (1961 का 43) की** घारा **269-भ (1) के भन्नीन सूचना**

पारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत, (निरीक्षण)
भूजेन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०+3/12 81/1542—स्त्रतः मुसे, एस० आर० गुप्ता,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्तम श्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ में श्रीष्टक है

श्रौर जिसकी सं० बी-55, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृष्यमान प्रांतफन के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का क(रण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से भिक्षक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) भीर अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्यों से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त व्यक्ति किया के प्रश्नीन कर देने के प्रमारक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के, अनुसरण में ,मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री डी॰ पी॰ मेहता मुपुत्र श्री जे॰ पी॰ मेहता, तिवासी ई०-६६ येटर कैलाश-1 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० मोहन एक्सपोर्टस इंडिया प्रा० लि० 7-जामरूदपुर कम्युनीटी सेन्टर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली एम० इंडिनेक्टर श्री ए० के० पुरी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भाक्कोप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की सबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी उर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य अपनित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पन्दीकरण।—इसर्ने प्रयुक्त शब्दों बोर पवों का, जो उक्त अधि-निवस के बद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिला मकान नं० बी०-55, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली तादादी 1000 वर्ग गज,

> एस० आर० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-8-1982

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 स्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस० श्रार० 111/12— 81/1547—श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर श्रिव्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिविनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिविक है

और जिसकी सं० बी०-83 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे ठह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाता गा। प्रतिकत्र, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित मंत्रास्तिक का से कथा नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या बचत में सुविधा के लिए; और या
 - ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थीत् :--- (1) हेमुकुंट केमीकल्स (प्रा॰) लि॰ 810, मेघदूस, नेहरू प्लेस नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रमृत प्लास्टिक (प्रा०) लि० 70, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गव्दां प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

धनुसूची

बी $\circ/83$, ग्रेटर कैलाभ-1, नई दिल्ली-110048

एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस० श्रार०-111/12-81/1552--श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फलैंट नं० 2 (जी० एफ०) एफ०-3 है तथा जो एन० डी० एस० ई०→11, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैसर्स राजीय प्रो० प्रा० लि० 37-पूसा रोष्ट्र, नई विल्ली द्वारा डारेक्टर किष्ण कुमार चोपड़ा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दीपा श्रवल पत्नी श्री ग्रणोक कुमार श्रवल निवासी डी-7/4, वसन्त विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं० 2, पो० नं० एफ०-3, का भाग ग्राऊंड फ्लोर सामने का हिस्सा क्षेत्रफल 1005 स्केयर फीट जो कि एन० डी० एस० डी०-2 में स्थित है।

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली—110002

दिनांक · 4-8-1982

269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सर हार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एनयु०/1/एस० श्रार०-3/12-81/1553—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका ___25,000/- घाने से अधिक है उचित बाजार मृत्य श्रीर जिसकी सं० (जी० एफ०) एफ०-3, है तथा जो एन० बी॰ एस॰ ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के झधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रसिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रीर म्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधिम कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमें सचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निर्म;

अतः अत्र, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुमरण म, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के सभीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं॰ राजीय प्रोपर्टीज प्रा० लि॰ 37 पुसा रोड, नई दिल्ली द्वारा उसके डाइरेक्टर श्री कृरण कुमार चोपडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कला ग्राहमा पत्नी श्री धर्मपाल श्राहमा, निवासी 1407, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त समानि के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्वों और पक्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

पर्लैट नं 1, प्रो० का हिस्सा नं एफ 3, ग्राउन्ड प्लोर सामने का पूर्वी भाग, एन० की एम ० ई० – 2, मई दिल्ली, एरिया 1005 वर्ग फीट,

> एस० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 1, नई दिल्ली—110002

दिनाक 3-8-1982 मोहर: प्रस्प प्राई० टा ० एन० एन०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/12-81-1567--श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० में श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज वर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्की रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक म्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिक्नित उद्देश्य से उका अन्तरण निखित में वास्तविक कष से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बजने में सूविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसा श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, वा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा ते लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अधीत्:—— 5—226G1/82

- (1) श्री विजय मोहन शर्मा सुपुत श्री किशन चन्द शर्मा,निवासी 436-बी, महरौली, नई दिल्ली
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री हुकम चन्द, निवासी 706 एफ/6, महरौली, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

जनत सम्पत्ति क प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेत ---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन को नाराख में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामों ने से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फ़ुषि भूमि तावादी 17 बीधे भ्रौर 5 विष्ये, मुस्तातील नं० 56 किला नं० 8/2(0-18), 12/2(1-16), 13(4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), ग्राम महरौली, तहमील महरौली, नई दिल्ली

एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली–110002

दिनांक: 31-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—3/12—81/1568—अत: मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नर्छ दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री विजय मोहन शर्मा सुपुत्र श्री किशन चन्द शर्मा, निवासी 436 बी, महरौली, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री हुकम चन्द गृप्ता निवासी 705 एफ/6 महरौली, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- हं संस्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि तादादी 17 बिखे 5 बिखे, मुस्सा-तील नं० 56, किला नं० 8/2(0-18), 12/2(1-16), 13(4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), स्थापित—ग्राम महरौली, नई दिल्ली

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ॉ, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 31-7-1982

प्ररूप आई. टी. एच. एस.-----

पायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर० 11/12/-81/1583--भ्रतः मुझे, एम० भ्रार० गुप्ता, भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहुा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 28,000/- र∙ से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० के प्रो० नं०-4 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक, दिसम्बर, 1981। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कियथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, जिसके दृश्यमान प्रांतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत प्रन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप संकथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पछि। नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री श्रजत मत्नु महगल सपुत्र स्व० राज वेद्ध धर्म चंद निवासी 3114, सेक्टर 24-डी, चंडीगढ़ 2. श्री रजत सहगल सपुत्र स्व० डा० श्रगोक कुमार 3. डा० शोभा महगल पत्नी डा० व्व० श्रगोक कुमार सहगल 4. मा० मनु महगल (माईनर) सपुत्र स्व० डा० श्रगोक कुमार सहगल निवासी, 64, सैक्टर 24-ए चंडीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगीरथ कालरा सपुत्र स्व०श्री राजा राम निवासी यू०-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---६समें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याग 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस नं० 4, ब्लाक न० के, क्षेत्र फल 311 एसक्यरियार्ड जो कि ग्रीन पार्क में स्थित है।

> एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 28-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्णन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्वेष सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/12-81/1593—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम० नं० 1855, है तथा जो वजीर सिंह स्ट्रीट, पहाइगज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इमने उपाध्य श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिमम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण , गो, मी, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अ्धीत् :— (1) श्री राजेन्द्र कुमार, निवासी 1-पंजकुंया रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीता सुरी, निवासी 102 मीनाक्षी गार्डेन, नई दिल्ली, (2) श्रीमती लीला श्रानन्द, । निवासी-17/5 बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं० 1855, खमरा नं० 461, वजीर सिह स्ट्रीट, पहाड़ गंज, नई दिल्ली

> एस० म्रार० गुप्ता, सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-8-1982

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त, (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० ग्रार० 3/12-81/1606—ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000.

ग्रौर जिसकी सं० (जी० एफ०) एम-85, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) डा॰ धर्म पाल लुम्बा सुपुत्र श्री नानक चन्द लुम्बा, निवासी ई-309, ईस्ट कैलाण नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी खेमका पत्नी स्वर्गीय श्री सेवक राम खेमका, निवासी ई→609 ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पधो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सामने का भाग ग्राउन्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० एम० 85. ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली-48,

> एस० ग्रार० गुप्ता, मक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकत ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

अत. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भागः 269-च की उपभागः (1) के अधीन, निम्नलिक्सिस व्यक्तियों, अर्थीत् :—

दिनांक: 3-8-1982

मोह्नर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

ब्ययकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांभ 3 मगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-भ्रार०-3/ 12-81/1607--भ्रतः मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० (जी०-एफ०) एम० -85 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली मे स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सो, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्थ से उक्त अन्तरण सिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त कि अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कि . दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के . के लिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अवृत्ति :---

(1) डा० धरम पाल लूम्बा सुपुत्र श्री नानक चन्द लुम्बा, निवासी——निकल्सन रोड, श्रम्बाला केंट, वर्तमान पता——ई०-309 ईस्ट ग्राफ कैलाण, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमा श्रग्नवाल पत्नी श्री राम प्रकाश श्रग्नवाल निवासी—ई०:-609 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टोकरण:---६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट श्रौर पिछे का भाग ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० एम०-85 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48 ।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 3-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/।/एस०--भ्रार०-3/ 12-81/1610---भ्रतः मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० 96 ग्राउण्ड फ्लोर है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री हरबंग लाल कैंथ सुपुत्त स्वर्गीय श्री ग्रमरनाथ कैंथ, निवासी—ई०-128 मोहम्मदपुर, नियर ग्रार० के० पुरम्, सैक्टर-1, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० राज खोसला फिल्मस प्रा० लि० 100 जैन चेम्बर्स एस० वी० रोड, बांद्रा बम्बर्द ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

ग्राज्ञ प्लोर प्रो० नं० एस०-296, ग्रेटर कैंसाश-2, नई दिल्सी क्षेत्रफल-308 वर्गगज ।

> एस० म्रार० गृप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 28-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भवीत सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-1/ 12-81/8722—श्रतः मृत्ते, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20 यू० बी०, है तथा जो नर्दर्ग सिटी एक्स० सब्जी मण्डी, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पति के अचित बाजार मूल्य से क्रम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भौर धम्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न धन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनयम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा क्रियाने में सविधा के सिए;

धतः सबः, उश्त अधिनियम की धारा 269-य के बनुसरण में, भें, छश्त अधिनियम की धारा 2**69-य की** उपधारा (1) के अधीन, निष्निलिखन व्यक्तियों, भर्यात्:—— (1) श्री जवाला सिंह सुपुत्र श्री वतन सिंह निवासी—20-यू०बी०-जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृणन लाल मेहना सुपुत्र श्री हरबण लाल मेहना निवासी——डी-5/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकेंग।

स्पट्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त घछि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं; वही प्रश्नं,होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग प्रो० नं० 20—यू०बी०, क्षेत्रफल-274.4 वर्गगज, स्थापित नर्दर्न सिटी एक्स० स्कीम नं 1, सब्जी मण्डी, जवाहर नगर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11

दिनाक : 27-7-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन स्चना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-1/ 12-81/8634---म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 19/29-ए०, है तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सिषधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिये था, दिशाहों में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थातः—— 6—226G1/82

- (1) श्री चन्दर प्रकाश भाटिया सुपुत श्री खैरानी साल भाटिया, निवासी—ए०-2/20 मोती नगर, नई दिल्ली द्वारा जी० ए० श्री चमन लाल सुपुत्र श्री दिवान चन्द निवासी-—10/29ए० मोती नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी भान्ती देवी पत्नी श्री किशन लाल भाटिया एलियम खैराती लाल भाटिया निवामी---19/29 ए०, मोती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीकत सम्परित को अर्जन को कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सरकार द्वारा निर्मित क्याटर नं० 19/29 ए०, मोती नगर, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र 2, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक : 27-7-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-1/ 12-81/8691--श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 5, रोड सं० 8, है तथा जो पंजाबी बाग, नर्छ दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मिषिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) श्री भगवान दास सुपुत्र श्री गनपत राथ, निवासी--मकान नं० 5, रोड नं० 8, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंधु में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त श्ब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

एक मंजिला मकान का एरिया 1500 वर्ग फिट. 1971-72 साल में बना हुन्ना है, मकान नं० 5, रोड नं० 8. पंजाबी बाग, नई विरुली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक . 27-7-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश स० प्रार्ड० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०-ग्रार०-2/ 12-81/6432--श्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमः इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुडका, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर 1981

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और उन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आँधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूर्विधा के लिए;
- अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रेम कुमार सुपुत श्री राम नरायण निवामी——डब्ल्यू०—जेड—1159 रानी वाग. शकुरबस्ती, दिल्ली—34 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री देवी दिता राम और राज कुमार सुपुत्र श्री राम नरायण निवामी—उद्युज्नजेड-1159 रानी बाग, णकुरबस्ती, दिल्ली-34 ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्त्री

कृषि भूमि त।दादी 3 बिघे 4 विष्ये, स्थापित—ग्राम→ मृडका, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 4-8-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 1629-30 पुराना न० है, तथा जो न्यू० न० 1586 से 1601, वार्ड न० 7, मोहल्ला रोडगारन स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बाजार लाल कुन्ना, दिल्ली नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक हम से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

अत अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शिवन दिनी मुपुती स्वर्गीय एल० सालीग राम, निवासी-2853 गली भीस्तीयन, कुचा चेलन दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) माहम्मद श्रहमद सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद इक्षाहीम 5504, गली मटके वाली, सदर बाजार, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाड़िया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकारन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁵., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

7/32 म्रविभाजित हिस्से प्रो० म्युनिसिपल न० 1629-30 (पुराना) नया न० 1586 में 1601, वार्ड नं० 7, स्थापित मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कृष्रा , दिल्ली-110006।

> नरेन्द्र सिह्, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1100

दिनांक 1-8-1982 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 श्चरस्त 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2//एस०-ग्रार०--1/ 12-81/8674---ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० डी०-45 है, नथा जो सत्यवती नगर, सघोरा कलांन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी कारने या उत्तसों बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) हरी सिंह चौहान सुपुत्र श्री बंसी लाल चौहान निवासी-राजपुरा ग्राम, गुड़ मण्डी, दिल्ली-7 (श्रन्तरक)
- (2) श्री गंगा धर शर्मा सुपुत्र श्री रघु नाथ प्रसाद, निवासी—ए०-3, श्रशोक विहार, फेस-1, दिल्ली—32 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट न० 45 ब्लोक डी०, म्थापित सत्यवती नगर, भघोरा कलांन, दिल्ली खसरा नं० 86, 88, 89, 92 से 107 भूमि का माप—-150 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

प्ररूप आइ. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश स० म्राष्ट्रं० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०-म्रार०-1/12-81/8686—म्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 1629-30 पुराना है, तथा जो नया न० 1586 से 1601, बार्ड नं० 7. मोहल्ला-रोडगारन-बाजार लाल कुश्रा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर,

का पूर्वोक्त संपरित के उचिर बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एप स कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमें अधने में मृतिधा के लिए; झौर/या
- (स) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे म्विथा के लिए।

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिम्बित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) श्री सन्त राम डन्डोना मुपुत्र स्वर्गीय एल व सालिग राम, 2853 गली भस्तीयन, जूचा चेलन, दिंग्या गज, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद सहमद सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद इक्नाहिम निवासी-5504 गली मटके वाली सदर बाजार दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अजंह के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो को ही भी आक्षेप .---

- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक्ष म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधाहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अभूस्यो

15/32 श्रविभाजित हिस्स प्रा० म्युनिसोपल न० 1629— 1630 (पुराना) 1586 से 1601 (न्य्०) वार्ड न० 7. मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कुँग्रा दिल्ली एरिया 211 7/8 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नईदिल्ली-110002

दिनोक : 4-8-1982 मोहर प्ररूप आध्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/ 12-81/6514-श्रतः मुझे, नरेन्द्रं सिह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विज्वास करने का ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो ग्राम-प्रह्लादपुर, बंजर दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड ग्रनुभूची में पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितेयों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य में उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण ने हुई िहमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए। और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसिव्त व्यक्तित्यों, अभृति :---

- (1) श्रीमती नन्हेरी विश्ववा पत्नी श्री हरके श्री तारा चन्द धौर राकेश सुपुत्र श्री राजीन्दर सुपुत्र श्री हरके, श्रीमती शान्ती, धोमवती श्रौर चन्दरवती सुपुत्री हरके श्री घीसा सुपुत्र श्री मौजी ग्रौर श्रीमती धरम बीर सुपुत्री श्री राजरूप निनामी----ग्राम- प्रहःनादपुर, बंचर बिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० डी० विपाठी मुपुत्री श्री राम लखन मनी, निवासी----एल०-30 ग्राउण्ड फ्लोर साउथ एक्स० नई दिल्ली ।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत क्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतमधी

कृषि भूमि तादादी 1 बिघे यानी (1000 वर्ग गज, खसरा नं० 38/23/1, श्रौर 23/3 स्थापित—ग्राम—प्रहलादपुर—अंजर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 4-8-1982

प्रकप बाई . टी . एन् . एस . ------

थ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982 निर्देश म० ग्राई० ए० मी० /एक्यू०/2/णम०-न्रार०-2/

12-81/6497--- प्रत मुझे, नरेन्द्र सिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसवा उचित बाजार मृत्य

25,000 / रा. से अधिक **ह**ै।

श्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबंड श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए;

नतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिमित्र व्यक्तियों अर्थात् ---- (1) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री बिशन सिंह निवासी-भाम-नजफगढ, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्का सुपुक्ष श्री रोजान लाल निवासी—बी०-53 कृष्णा पार्क, दिल्ली और श्री भेहर सिंह सुपुक्ष श्री कमाल निवासी—ग्राम-नजफगढ दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघ्वे, स्थापित-ग्राम-नजफगढ, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंअ-2 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 4-8-1982

मे प्रक्षिक है

भक्ष श्राई० ही० एन० एस •---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधान मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-प्रार०-2/12-81/6511---प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह, प्रायकर मिलियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इ०

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम प्रहलादपुर बंजर, दिल्ली—42, में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य में कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिये अंतरित की गई है और मूफ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (प्रगतितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकल निम्नलिशित छहेशा में उना अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रन्न अधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7--226GI-82

- (1) श्रीमती तन्हेरी विधवा पत्नी श्री तार चन्द ग्रौर राजिन्दर मुपुत्र श्री हरके, श्रीमती शान्ती ग्रीमवती, चदर वती मुगुत्री श्री हरके, श्री घीमा सुपुत्र श्री मौजी ग्रौर श्री धरमवीर सुपुत्र श्री राजरूप, निवासी—-ग्राम-प्रहलादपुर बजर, दिल्ली ।
- (2) श्री जे॰ पी॰ त्रिपाठी सुपुत श्री वी॰ पी॰ त्रिपाठी निवासी--एन॰-30, साउथ एक्स॰, ग्राउण्ड फ्लोर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पति के म्रार्चन के लिए वार्यशिक्षियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हा, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस स्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तास विश्वित में किए जा सकरो।

स्थ्य्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिये ख्रमरा न० 38/23/1(4-12), स्रौर 23/2(1-0), स्राम-प्रहलादपुर बंगर, दिल्ली-42

नरेन्द्र सिह् सक्षम ग्रिधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 4-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०-श्रार०-2/ 12-81/6505—श्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- क्ष्म से श्रीक है

ग्रौर जिसकी स० 7 -रोड न० 48, है तथा जो क्लाण-डी०, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री श्रमर सिंह बिन्द्रा सुपुत श्री जोध सिंह बिन्द्रा, निवासी—नं० 7, रोड नं० 48, पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दर पाल कौर पत्नी श्री मुरीन्दर सिंह कोहली, निवासी---37/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करिक पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 श्रविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, क्लाश-डी०, पंजाबी बाग, दिल्ली, भूमि का माप-279 55 वर्गगज।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर .

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-----

मायकर भीर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के भीषीन सूचना

भारत सरकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० (7) रोड नं० -48, क्लाश-डी० है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनृसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है छौर शन्तरक (अन्तरकों) छौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित कहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्स जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिश्तित व्यक्तियों, वर्धात्:--

- (1) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री श्रमर सिंह बिन्द्रा, निवासी—-7823-रोशन ग्रारा रोड, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्दर पाल कौर पत्नी श्री सुरीन्दर सिंह कोहली, निवासी---37/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके नूर्वोक्त स्थानि के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/ म्राविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, क्लाम-डी०, स्थापित-पंजाबी बाग, दिल्ली, भूमि का माप---279. 55 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली:110002

दिनाक : 4-8-1982

प्ररूप आइ². टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 4 प्रागस्त, 1982

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०-श्रार०-2/ 12-81/6463----श्रत मुझे, नरेन्द्र मिह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० डी०-51 तथा जो अजय इनकलेच नजफगढ़ रोड़, दिल्ली में स्थित है

(श्रीर इसन उपाबज अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण णश्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इस से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्दा किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असेस्तयों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रयट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बनार्सी दास सुपुत्र श्री बसन्त राम निवासी---डी०--51, श्रजय इनक्लेब, नजफगढ़ रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमर सुपुत्र श्री बनार्सी दास, निवासी—डी०-51, अजय इन्क्लेव, नजफगढ़ रोड, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में क्ये इंभी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्रची

मकान /प्लाट न० डी०-51 ग्रजय इनक्लेव, नजफगढ़ रोड, दिल्ली खसरा नं० 286, भूमि का माप-200 वर्गगज, एरिया ग्राम--तिहार, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 4-8-1982

मोहर .

प्रक्ष्य बार्ड्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक . 4 ग्रगस्त, 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--आर०-2/12-81/6457----श्रत मुझे, नरेन्द्र सिह.

नायकर निष्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निषित्यम्' कहा गया हैं), की नारा 269-च के नवीन सक्षम् प्राप्तिकारी को यह हिषदास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से निषक हैं

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम— साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनभूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिचित में वास्त-विक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा भा वा का वाना चाहिए था छिपाने में सुदेशा के लिए।

अत अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित त्यिक्तयों, अर्थात् ——

- (1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रिजल सिंह निवासी---ग्राम-साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरीन्दर पाल सिह नम्ला सुपुत्र एस० सुरीन्दर सिह नम्ल्ला । निवासी—3486 निकलशन रोड, मोरी गेट, दिल्ली को० पार्टनर एस० सुरीन्दर सिह एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०)

(श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप्र--

- (क) इस् सूचना के डाजपन में प्रकासन की तार्रींच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मींच से 30 दिन की जनभि , जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हों, जो भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्य किसी बन्य व्यक्ति इवारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

मन्स्ची

भूमि तदादी 4 बिषे श्रीर 16 बिण्ने, खसरा नं० 38/8. ग्राम \rightarrow माहिबाधाद दौलतपुर, दिल्ली

ं नरेन्द्र सिह ्रें सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक 4-8-1982 मोहर : प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/ 12-81/6462—भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

श्रायकर श्रिष्टिम्म, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्टिम्म' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन वाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी०-217 है तथा जो हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल सिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृष् से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत, खनत जाँध-नियम के सजीन कर देने के सन्तरक के वासिस्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए। धोर/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित स्पक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी ग्रशवानी कुमार शर्मा, निवासी—-सी०-152 हरी नगर, घंटाघर नई दिल्लो द्वारा श्री सुखबीर सिंह जैन सुपुत्र श्री राजा जैन, निवासी---सी०-152 हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं पदम ट्रेंडर्स, ब्रारा भागीदार श्री जसबीर सिंह, श्ररुवर सिंह, सम्बजीत कौर, परविन्दर कौर श्रौर देवीन्दर कौर निवासी—सी०—217 हरी नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा श्राग्रेहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रक्षाय 20-- क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी०-217, क्षेत्रफल-220 वर्गगज, खसरा नं० 2056, स्थापित-हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 4-8-1982

प्रम्प आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 ग्रगस्त 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु में अधिक है

श्रीर जिसकी स० 5, ब्लौक '0' है तथा जो आबादी शकर गार्डेन, पासगीपुर नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए,

अत अब, उक्त अधिनयम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् —

(1) श्री ग्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री खुशल सिंह निवासी—2613/4 बीडनपुरा करौल बाग नर्ड विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल गर्मा सुपुत्र श्री लाला दुगरमल निवासी—न० 1349 नाईवाला, गली न० 19, करोल बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत त्यिकतयों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थलशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 5, ऋतौक ए०' खसरा न० 9/13, 14, एरिया— 444-44, वर्गगज, श्राबादी णकर गार्डेन ग्राम—पोमगीपुर, नजफगढ़ रोड नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2 दिल्ली नई दिल्ली—110002

दिनाक 4-8-1982 मोहर प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी संव 37-ब्लोक बीव, है तथा जो जीव टीव करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया चिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व स्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पित के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उिमत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्री काका सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री कल्यान सिंह, निवासी—टी०-1092 गक्ति नगर, दिल्ली श्रौर श्रीमती करतार कौर पत्नी स्वर्गीय श्री कल्यान सिंह, निवासी—टी०-1092 गक्ति नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरदर्शन सिंह ग्रौर श्री कुलजीन सिंह सुपुन्न स्वर्गीय श्री कल्यान सिंह निवासी—सी०-32 श्रादर्श नगर, दिल्ली श्रौर टी०-1092 शक्ति नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 37, ब्लोक 'बी०' स्थापित-जी० टी० करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, माप-427.50 वर्ग गुगज, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह्, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक : 4-8-1982

त्रकप धाई० टी० एन० एस०--

भाग्यकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा ४७९-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रगस्त 1982

श्रायकर श्रिष्ठित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थायर सम्पतिः, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,0 101- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सीं०-6, है तथा जो श्रिधिकृत कालोती भगवान दास नगर, श्रोल्ड रोहतक में स्थित है रोड दिल्ली में स्थित है श्रौ इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पृथोंकत संपरित के जीचत बाजार मूल्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृ प्रतिगत से प्रधिक है और भन्तरक (भग्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल, निश्वितियां उद्देश्य से बन्त भन्तरण निखित में वास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से दुई किसी साथ की शावत जकत अपि-नियम के संबीत कर देने के अस्तरक के दायित्व से कमी करन या उससे बचने स सुविता क (बण) भीर मा
- (ख) ऐसी किसी बाय था किसी धन या अन्य शस्तियों की, जिस्हें भारतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें भिन्नियम, या धनकर अधिनियम, शिश्वर पित्रियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्ञार प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चारिए था कियाने में खिल्डा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपप्रशा (1) के अधीन निम्निखीखत व्यक्षिणों, अर्थातः ---- 8—226GI/82

- (1) श्री वजीर शिह मुपुत श्री सुखा सिह नियासी—सी०-- G, भगत्रान द्वाप नगर, श्रोत्द रोहनक रोड, दिल्ली ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पदम सिंह मुभुत श्री सुखा सिंह निवासी—सी०-6, भगवान दास नगर, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

ता यह मूत्रा उति करते । श्रीवर संपत्ति । पश्च क लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जक्त सम्पति हे अर्जन के संबंध पं कोई है। आक्षेप

- (स) इस स्चना के राज्यम के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद से समान होती हो, के भीतर पूर्वों कर न्यदितसा में न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूबना के गलाक में प्रकाशन की तारीस के 45 हिए के भीतर जक्त रधावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिगिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अपिनियम, की शब्दाय 20 - में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उभ अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 प्रविभाजित हिस्से बना हुआ प्रो॰ नं० सी॰-6, प्रिधकृत कालोनी भगवानदाय नगर, श्रोल्ड रोह्नक रोड, दिल्ली, भूमि का माप-220 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक 4-8-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनॉंक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/ 12-81/6503--श्रतः मुसे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स्व धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत् व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रिजल सिंह सुपुत्र श्री नेकी राम, निवासी—ग्राम-सिरसपुर, विल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सनदीप घई सुपुत श्री सैन दास घई निवासी---ए०-31, वजीरपुर ग्रुप इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे 16 बिष्वे, स्थापित--ग्राम-सिरसपुर, विल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली--110002

दिनांक: 4-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)

श्रर्जन ्रेंज-2, नई दिल्ली

नई षिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०। 2/एस०-ग्रार०-2/12-81/6501--ग्रतः मृझे, नरेन्द्र सिंह, ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के

प्रश्नीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रिक्षिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—ग्रालीपुर, िष्टल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धार्तित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिविक खा से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनभर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिक्षा के खिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, सूर्थास्:--

- (1) श्री लतीका प्रसाद सुपुत्र श्री तीरय राम **भौर** श्री मनोहर लाल सुपुत्र श्री श्रनन्त राम निवासी—25/94, शक्ती नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री लतीका प्रसाद निवासी——103—ए॰, शक्ती नगर, विरुली । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, औ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजाब में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के मीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्रशिश्वरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त अभितयम के प्रध्याय 20-क में परिमास्ति हैं, वहां धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में वियागया है

अनुसूची

कृषि भूमि 2 विषे $14\frac{1}{2}$ विश्वे, स्थापित—ग्राम ग्रलीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहरः

भक्ष आहु^र.टं(एन.एस.- -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीर मुख्या

भारत सुरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयवत (निरक्षिण) प्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी० /एक्यू०-2/एस०-न्नार०-2/ 12-81/6435--न्नार मुझे, नरेन्द्र शिह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान भरणिता जिनका उत्तिन वाजार मूख्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० छिप भूमि है तथा जो ग्राम- हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद स्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्ता से बिणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन. दिनांक दिसम्बर, 1981

को प्वेविय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एरेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उयत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण शं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा जी लिए:

अतः अवः उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री यादराम सुपुत्र श्री बुधा, निवासी—ग्राम- हस्तद्माल, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार तनेजा मुपुत्न श्री गनेश दास, निवासी—सी०-3, नजदीक कृष्णा पार्क, नजफगढ़, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघा 14 बिग्न्वे, स्थापित—ग्राम हस्तसाल, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक: 4-8-1982

प्र**कप** आईं • टी • एव • एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां 5 4 स्रगम्न 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एस्यू०/2/एस०-न्नार०-2/ 12-81/6458---श्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा विस्या जाना चाहिए था, छिपान से सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मं, मं, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रिजल सिंह निवासी—-ग्राम-साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरीन्द्र सिंह नरूला मुपुत्र एस० सेवा सिंह, निवासी---3486 निकलसन राड, मोरी गेट, दिल्ली कर्ता एस० मुरीन्दर सिंह एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षम ----

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तलाम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस गूबना के राजप्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जना स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध विजयी अना व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पान ग्लीयन में दिए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के बध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

भूमि तादादी 7 बिघे 4 बिग्ने, खसरा न० 38/18 श्रौर 23, ग्राम--साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, दल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 प्रगस्त, 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०/-2 12-81/6439---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री होणियार सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल नियासी—-ग्राम-साहिशाबाद दौलतपुर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रजय कंसल भ्रौर श्रीसजय कंसल सुपुत्र श्री किशन चन्द गुप्ता निवासी—40/1, गक्ति नगर, दिल्ली श्रौर श्री होगियर सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल निवासी—-ग्राम-साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अभूस्ची

भूमि तादाधी 36 विषये, (खसरा नं० 454, 18 विषये ग्रीर खसरा नं० 456-18 विषये), ग्राम—साहिवाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-8-1982

प्ररूप भाई • टी • एन ० एस • ----

भाषा प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 प्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/12-81/6456--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),

इसक पश्चात् उक्त माधानयम कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से मधिक है, और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—साहिशाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक विसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त भ्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (भ) ध्रम्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 🖫—

- (1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत श्री रिजल सिंह, निवासी—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) एस० अरिवन्दर पाल मिह नरूला सुपुत्र एस० सुरीन्दर सिंह, निवासी—3486 निकलशन रोड, मोरी गेट, विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्थक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वीका कार्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः → इसमें प्रयुवन शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 विघे ग्रीर 5 विघवे, खसरा नं 38/3/1, ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

षिनांक : 4-8-1982

प्रस्प बाइ², टी. एन. एस.-----

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 4 प्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी । एत्यू । 2 एस० - श्रार० - 2 । 12-81 / 6455 -- प्रतः मुझे, नरेन्द्र भिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० भूमि है तथा जो गाप साहियाबाद, दौलतपुर, दिल्ला में स्थित है (श्रौ" इससे उपाबद्ध मनुभूचा में पूर्व रूप से यणित है), राजस्ट्रीकर्ता सधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उिवत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिंगितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय था किसी थन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, सक्त अधिनियमं की धारा २६९-ग के अन्सरण मो, मी, जबत अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रा मुन्दर्भ सिंह मुपुत्र श्रा भिज्ञत सिंह निवास।—-ग्राम -साहित्राबाद, दौलतपुर, दिल्ली (ग्रन्तरस)
- (2) श्रामना तेर्जान्दर काँग नष्यना पत्ना श्रा सुरान्दर सिंह नष्यना, निनासी---3486 निक्तनशन रोड, मोरा गेट, दिल्ला को०-पार्टनर एप० सुरान्दर सिंह एण्ड (सन्स (एच०-यू०-एफ०)

(ग्रन्तिरतं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जां उक्त जिंधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि तादादी 4 बिघे ग्रौर 16 बिघ्वे, खसरा नं० 38/13, ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रिधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

धिनांक : 4-8-1982

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रार्णन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सि:०/एम्यू०/2/एस०-श्रार०-2/12-81/6491--श्रतः सुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-सिरमपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नतिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सिद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- 9—226 GI/82

- (1) श्री श्यामनाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाध निवासी:—विश्व-1751 णास्त्री नगर, दिल्ली ग्रीर गोरधन दास मुपुत्र श्री बास्त राम, निवासी:—-णास्त्री नगर, दिल्ला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सर्ताण कुमार मुपुत्र श्री हरवंग लाल मेहता निवासी:--ए०-16 श्रारं पी० वाग, दिल्ली । (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 15 विश्वे, स्थापित—ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

भोहर 🛭

प्ररूप आहूर.टी एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० डब्स्यू०-जेड-1(3-बी०/211, जो है तथा जो घरीन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूच। से पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में याम्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः--- (1) श्रामता जोगिन्दर कौर पत्नी स्वर्गीय एस० श्र**रजु**न सिंह जो कुलदीप सिंह सुपुत्त स्वर्गीय एस० श्रर्जुन सिंह निवासी---डब्ल्यू०--जेड-1, वर्रान्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमर्ता राजरानी पत्नी श्री राजीन्दर नाथ निवासी:--3488 ग्रायी पुरा सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुस्ची

मकान नं० डब्ल्यू०-जेड---1 (5-बी०/211) एरिया 200 वर्ग गज, खसरा नं० 810 वरीन्दर नगर, नई दिल्ली ग्राम---तिहार ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर: ं

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 ग्रगस्त, 1982

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--ग्रार०-2/ 12-81/6442---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से जिथक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की दाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिये, जीर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी पन या जन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः **बंब, उक्त अधिनियम की धारा** 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निभनित्सित व्यक्तियों वर्धात

- (1) श्री नक्षमी नरायण गर्मा सुपुत श्रो रामजी लाल निवासी--ए०-229 गास्त्री नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा प्रेम प्रकाण मुपुत्र श्री मोहन लाल श्रीर श्री यस पाल सपरा श्रीर श्री भरत भूषण सुपुत्रगण श्री मुलवान चन्द निवासी—सो०-3/17 राणा प्रताप वाग, दिल्ली । (श्र-वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 19 बिश्वे, यानी 950 वर्गगज, खसरा नं० 39, ग्राम—सिरमपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-8-1982

प्रकृप आहू .टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2 12-81/6500---भ्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० डी/16 है तथा जो प्रजय इनक्लेब कालोती, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतिरती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ——

- (1) श्री छोटु भाई नायक, सुपुत्र श्री हरी भाई नायक, निवासी—डी-16 ग्राजय इनक्लेव, नई दिल्ली। (प्रान्तरक)
- (2) श्री विक्य नाथ अरोडा सुपुत्र श्री डी० एन० अरोडा, निवासी-ची-13/8 एम० आइ० जी० फ्लेट, मायापुरी, नई दिल्ली।

(ग्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हो।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० डी-16, स्थापित श्रजय इनक्लेय कालोनी, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक 4-8-1982 मोहर .

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस●----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० भी०/एक्यू०/2/एम०-श्वार०-2/ 12-81/6513-श्वतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-पहलादपुर बंगर, दिल्ली-42 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिधिनियम के घिधीन कर देने के घम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित कावितयों, भ्रथीत :--

- (1) श्रीमती नन्हेरी विधवा पत्नी श्री हरके, तारा चन्द श्रीर राजीन्दर सुपुत्र श्री हरके श्रीमती शान्ती, ग्रोम वती श्रीर चन्दर वती सुपुत्री श्री हरके, श्री घीसा सुपुत्र श्री मौजी, ग्रौर धरमबीर सुपुत्र श्री राज रूप, निवासी—ग्राम—पहलादपुर बंगर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) डा॰ विभा सुपुत्री श्री जे॰ पी॰ द्विपाठी निवासी—एल-30 ग्राउण्ड फ्लोर साउथ एम्म॰ नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रिंध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्ठिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

भूमि ताषावी 1 बिघे यानी 1000 वर्गगज, खसरा नं० 38 23/1(4-12) और 23/2(1-0), स्थापित—ग्राम—पहलादपुर, बंगर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिस्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए 7 ० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/12-81/6502—श्रातः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्दि तय पाया गया प्रतिक का सिंग निम्निचित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की शावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नतीका प्रसाद सुपुत्र श्री तीरथ राम ग्रौर मनोहर नाल सुपुत्र श्री श्रन्तत राम निवासी---25/94, शक्ति नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्दर सुपुत्र श्री मनोहर लाल निवासी—8471 जयना बिल्डिंग, रोशनपुरा रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शतसर्ची

भूमि तदादी 2 विघे $14\frac{1}{2}$ विघ्वे, ग्राम-ग्रलीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन-रज, 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 4-8-1982

मोहर 🖟

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/12-81/6499---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, बिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री सूरज प्रसाद मुपुत श्री रघबीर सिंह निधासी—नजफगढ, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार सुपुत्र श्री रोणन लाल निवासी—ची०-53, कृष्णा पार्क, दिल्ली, मोहर सिंह सुपुत्र श्री कमालु निवासी—नजफगढ़, दिल्ली ।

श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी न्यिक्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिग्वे, ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन-रेंज- 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 29-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2 नई, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्वोश सं० धाई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस०-धार०-2/ 12-81/6498--धतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सुक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निजफ-गहः दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंब श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीक्तां श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सूरज प्रसाद सुपुत्र श्री रघवीर मिह निवासी—ग्राम-नजफगढ, दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्खा मुपुत्र श्री रोशन लाल जुल्खा निवासी—बी०-53, कृष्णा पार्क, दिल्ली । मोहर सिंह मुपुत्र श्री कमालु निवासी—ग्राम—नजफगढ, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्ची

कृषि भूमि नादादी 4 बिघे 16 विश्वे, ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 29-7-1982

(धन्म(रती)

प्रकृष धाई० टी॰ एन० एम॰--

मारहर ध्यानिवद्द. १६६६ (१७५४ कि ६४) की राह्य ३७००च (१) हे अधीर सूचका प्राप्त स्थल

कार्यालय, सहायक शासकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/ए क्यू०2/एस०-श्रार०-2/12-81/6453--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1901 का 48) (जिमे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कह एया है), की धारा १६९०व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, एउ विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाकार मूमा 25,000 को यो ये अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मधनपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त प्रध्यति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है पीर मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्विक सम्पत्ति का उनित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान इतिफल का पन्तर प्रतिफत से मिक्क है और अन्तर्ज (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पासा गया प्रतिन्तल, निम्नलिखित उद्देश्य क उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक अप ने कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उकत अक्षितियम के अधीत कर के के अन्तरत के रायिश्य में क्रमी करन के उत्तर बचने में सुविधा के जिल, और/या
- (स्र) ऐसी किसी अप या किसी धन या प्रन्य आसित्यों की जिले परितीय अस्यकर प्रिक्षित्रम्, १५७२ (१९२३ को ११) था उनत अधिनयम, या क्षत्र कर अधिनयम, १९५७ (१९५७ वर १८) अ प्रयोजनार्थ सन्दर्शि द्वारा एकट प्रती किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त आंधनियन को जारा 269-ग के अनुसरूण में, में उक्त बांधनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नविक्षित्र कारितामें अर्थात्।—— 10—226GI/82

- (1) श्री प्रभु राम ग्रीर छोटू राम मुपुत श्री ग्रभय राम, (नेपामी --प्राम-प्रौण पो० गदनपुर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ललींत देवी भागरीया पत्नी श्री राम किशन भागरिया निवासी---167-ई०-कमला नगर, दिल्ली ।

को प्रकृत्यका जार्ग अरह एक्संकर अर्थाल के स्रार्थन के विक् रावेकाहिला शुक्त करता है।

मा पर्वात के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्कव :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यम्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त क्ष्यविक्यों में से निशी क्यक्ति उत्ता;
- (ख। इस मुर्ग्स के न्याक्ष को ताराख सं 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्बंदि में हिन्-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति आण, अभोद्रुब्नाअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरमः -----इसम प्रयुक्त सन्दों और पदा का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारमाधित तें बही शर्य हीगा तो उस लक्ष्यार में दिया गया ।

भ्रन्यूची

भूमि तादादी 16 विघे 1 विश्वे ग्राम---मदनपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

प्रहण ब्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 26% मा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज 2 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:——

- (क) यस्तरण म हुई िहमी आय का अवत उक्त अधि-त्रियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अवने में स्विधा के लिए: मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को, किसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुजिसित अधितयों, अधीत्।:—

(1) श्री देई राम सुपुत्न श्री नन्द लाल निवासी—ग्राम-पो० सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० अग्रवाल सुपुत्र श्री गोपी नाथ अग्रवाल निवासी—6164 पक्की गली, बारा हिन्दु राव, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की ध्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वृंकित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसं। श्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोडस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है '

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 4 बिश्वे, खसरा नं० 574, ग्राम— सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 29-7-1982

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • -----

ग्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार**। **269-व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 1 अगस्त 1982

निर्देण म० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/ 12-81/6437—श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सभाम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाहर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूहर 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी में अब्बन्धूं के उन्हें -63 एं /1, है तथा जो श्यामा प्रसाद मुकर्जी पार्क दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुम्मी में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक दिसम्बर 1981

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में अम्तिक है किया गया है ---

- (क) अन्तरण से दुराकमा आय की बाबा, उप अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मं कभी कराया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसा किसी धाय या किसी धन या यस्य शास्तिया को जिन्हें भारतीय धायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सृविधा के लिए;

श्रत: सब, उन्त सीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री जदुनन्दन सिंह सुपुत्र श्री शिव बालक सिंह निवासी—मकान न० जी०-99(2389) नेताजी नगर नई दिल्ली बारा जी० ए० श्री जोगिन्दर कुमार मुपुत्र श्री हरी राम निवासी—-126 श्यामा प्रसाद मुकर्जी पार्क वेस्ट विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमल प्रभा पत्नी श्री जोगेन्दर कुमार निवासी—126 श्यामा प्रसाद मुकर्जी पार्क वेस्ट दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

हा पह पुरास जारा करत पुर्वाक्त सम्पत्ति के धार्जन के लिए हार्यवादिया करता हु ।

उन्त सम्पत्ति के जनत के सम्बन्ध में कोई भी जाबीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियां द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० डब्ल्यू०-जेड-63 -ए०/1 एरिया 233.1/3 वगगज खसरा न० 16/2 स्थापित--ण्यामा प्रसाद मुकर्जी पर्क दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 विल्ली नई विल्ली-110002

दिनाक 4-8-1982 मोहर

प्रकप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4 प्रगस्त 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/ 12-81/6476—श्रत मुझे नरेन्द्र सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सी०-6 है तथा जो भगवान दास नगर श्रोल्ड रोहतक रोड दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1968 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वीवत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यम्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसचे ब्चने में सुविभा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए और/या

अतः शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन निकासितिक व्यक्तियों, अधितुः— (1) श्री वजीर सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह निवासी—सी०-6 भगवान दास नगर श्रोल्ड रोहनक रोड दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पदम सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह निवासी—सी०-6, भगवान दास नगर, श्रील्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रों कत सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की लारीय म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हे पास लिखित को किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:--असमं प्याप्तत सब्दों और पदा ना, जा नार अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 श्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० सी०-6 श्रधिकृत कालोनी, भगवान दास नगर, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, भूमि की माप-220 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक : 4-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वन (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 1 ग्रगस्त, 1982

निर्देश म० ग्राई० ए.० मी०/ए.स्यू०/2/ए.स०-ग्रार०-1/12-81-8699-ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथा। स्वतिहास , िसका उचित बाजार मूल्य

श्रौर जिसकी स०—XII/9707, है तथा जो गली मेमवाली, नवाब गज, दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रोक्तरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

∠5,000 /- ग स अधिक है

को पर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ग कम के दश्यमान प्रांतकल के तिए अन्तरित की गई है और मुफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, पक्ते के के प्रांतमान में, एक दश्मान प्रतिफल का पर्याप्र प्रतिकार के प्रतिकार है। प्रेर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिते (अन्तरितियों। के बोच एमे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकार, निश्तिकितित उद्योश्य भ उचन अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उत्तस बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्ञा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः यवं, उत्वतं अधिनियमं कौ धारा 269-गं के अनुस्रण के, भी, भी भी भी भी भी पार्च 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री मनोहर लाल निवासी— /9707-8, मेमवाली गती, नवात्र गज, दिल्ली । श्रीमती सुणीला कुमारी, श्रीमती लीला देवी, सतीश कुमार चावला, सुरेन्दर कुमार , सतीन्दर कुमार चावला, सुभाष कुमार चावला इत्यादि । निवासी— मकान नं० 300-गौतम नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शेर सिंह भौर श्रार० के० गुप्ता निवासी—4240 गली बाहुजी पहाड गज, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्याक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यवितयो मं से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इरा मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हितबस्थ किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास जिसिन मा थिए जा सकागे।

स्थष्ट्रीकरण: --इसम् प्रय्कत रुद्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

न्यू---डाई मजिला मकान न०--XII/9707, भूमि का माप-182.5 वर्गगज, गली भेमवाली, नवाब गंज, विस्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

दिनाक : 4-8-1982 मोहर: प्रारुप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/12-81/ 6495—श्रत भृक्षे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ई०एफ-7 है, तथा जो नरायणा आबादी इन्दरपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मं ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी क कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिशत से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्रित व्यक्तियों, अर्थात् --- श्रीमती शिलावती विधवा पत्नी श्री सत्यापाल भाला, निवासी ई-एफ-7, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री दीपचन्द सुपुत्र श्री साधुराम मित्तल, निवासी श्रार-ए-42, इन्दरपुरी, नई विल्ली-12 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

मकान न० ई एफ-7, खसरा न० 1610, स्थापित ग्राम: नरायणा, श्राबादी इन्वरपुरी, श्रिधिकृत कालोनी, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 4-8-1982

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रगस्त 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/12-81/6512——यत. मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पहलादपुर, बंगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे स्थने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— श्रीमतो नन्हे्री विधवा पत्नी श्री हरके, श्री ताराचन्द, राजिन्दर सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरके, श्रीर श्रीमती शाती, श्रोमवती सुपुत्री स्वर्गीय श्री हरके, श्री घीसा, सुपुत्र श्री मोजी, श्रौर धरमबीर सुपुत्र श्री राजक्प, सभी निवासी—-ग्राम—-प्रहलादपुर बगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 2 बीघे खसरा न० 38/23/1(4-12) श्रौर 23/2(1-0), ग्राम——प्रहलादपुर वंगर, दिल्ली-42।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002 ।

तारी**ख** 4-8-1982 मोहर प्रसाय अर्ज्ज हो 🗀 🙃

ग्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (*) र भ्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्वायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू-2/एम-श्रार-1/12-81 8704 — श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

श्रौर जिसकी स० जैड-45-66, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

25,000/- रा में अधिक है[®]

को पर्योक्त सम्पत्ति के उच्ति बाजार मृल्य में कम के क्रम्भान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्र मिश्वान से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- शी वार्यामिसिट सुपुत शी गत्तर सिंह शौर श्री ग्रमरजीत सिंह सुपुत श्री प्रतर सिंह तिवासी 45/3, ईस्ट पटेल नगर, गई दिल्ली हार। एम० एस० ग्रानन्द सुपुत श्री बीट सिंह निवासी 3044 गर्ला २० 1 पहाइ गंज नई दिल्ली जनरत श्रेटार्नी।

(अन्तरक)

2 श्री अजीत सिह् श्रानन्द गुगुत्र श्री बी-र विक्ति निवासी-जेड/45-46 बेस्ट पटेल नगर, श्रीमती हरजीन्दिर कौर पन्ती श्री प्रजीत सिह क् निवासी उपरोक्त, नई दिल्ली!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वातन सम्पत्ति के अर्जन के जिल कार्यवा**हिया करता ह**ै।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 तिम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अर्वीच, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीनर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्रो० न० जैंड/45-46 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली भूमि का माप 123 66 वर्ग गज, ।

नरेन्द्र सिंह सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) क्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 4-8-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-1/12-81/8672—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 8571 से 8573 श्रौर 8575 से 8576 है तथा जो बस्ती श्रराकाणम पहाड़, गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक नप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

- श्री केवल कृष्ण सुपुत्र श्री मोहन लाल,
 नं० 8, रेड क्रास फ्लेट्टस, काका नगर, नई दिल्ली।
 (अन्तर्क)
- मैं० एग ट्रेडर्स,
 11186-87, मंदिर मार्ग, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

8571, 8572, 8573, 8575 श्रौर 8576, स्थापित बस्ती श्रराकाणन, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

सारीख: ४ भ्रगस्त, 1982

(अन्तरक)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-1/12-81/8718— श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14/31 है, तथा जो शक्ति नगर. दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उन्वरिय से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिवक हुए से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निम्न्लिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. पारवती देवी नागपाल, पत्नी स्वर्गीय, श्री थ्रेम चन्द नागपाल, निवासी 1.4/31, शक्ति नगर, दिल्ली।

2. श्रीमती शांती देवी दागा पन्नी श्री रतन लाल दागा शान्ती सोमानी, पन्नी श्री श्याम सुन्दर सोमानी, राधा किणन सोमानी, निवासी 26न/2, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्सरिती)

न्ये यह सूचना चारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना कर राजपत्र में प्रकाशन की शारी आह सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਲਰਸਵੀ

मकान नं० 14/31, शक्ति नगर, दिल्ली एरिया, 195.98 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: ४ श्रगस्त, 1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सर्वत्म सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 4 श्रास्त 1982

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०घार०-1/12-81/ 8636— ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह ग्रायकर प्रक्षिनियम' 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की घारा

आयम र आवानयम 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० डब्ल्यू जैंड-174 श्रीर 175 (श्रोल्ड) बी-91-92 (न्यु) शारदापुर ग्राम बसई दारापुर दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दारापुर दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (६) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या विस्ती घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

क्रमः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नेलिकित व्यक्तियों, नर्धात् :--- श्री जसवन्त राय गौरी सुपुत्र श्री राम लाल निवासी सी-पी- 49 प्रीतम पुरा नई विल्ली। मैं० हिन्द प्लानिग एण्ड क० नई दिल्ली

(भन्तरक)

2. श्री तुलसी राम सुपुत्र श्री सोमाई निवासी बी-91 ग्रौर 92 शारदापुर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी से 45 विन की श्रविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी श्रविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रपृक्ष्त गब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्दी अर्थ होगा, जो उन अध्यान में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि का एक खण्ड तादादी 450 वर्ग गज, प्लाट नं डब्ल्यू-जैड-174 श्रीर 175 (श्रोल्ड) तथा बी-91 एण्ड 93 (न्यू), स्थापित कालोनी, शारदापुर, एरिया ग्राम बसइंदारामपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

भारीख: 4 श्रगस्त 1982

प्रक्ष भाई । टी । एत । एस । --

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/ एस०आर०-1/12-81/8687—आतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजन गांधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्गत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से धिषक है

ग्रीर जिसकी सं० 1629-1630 (श्रोल्ड), 1586 से 1601 (न्यु), वार्ड नं० 7 है, तथा जो मोहल्ला, रोडगारन, बाजार लाल कुंग्रा दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिवांक दिसम्बर 1981

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रीर मुझे गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का छाचा बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐम दृश्यमान प्रतिफत का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और पन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम ो लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि। अहेश्य से उका प्रन्तरम निवित में बास्तविक हरा से कथित नही किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ थन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, में ,उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कैलाश चन्दर डन्डोना सुपुत्र श्री सन्त राम डन्डोना, द्वारा जनरल पावर श्रटार्नी श्री सन्तराम डन्डोना, निवासी 2853 गली गली भिस्तीयन कुंचा चेलन दरिया गंज दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद ग्रहमद सुपुत्र श्री हजी मोहम्मद इब्राहीम, 5504, गली मटके वाली, सदर वाजार, दिल्ली-

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में होई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गप्त लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन शब्दाप में दिया गया है।

घनुसूची

10/32, श्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० म्युनिसिपल नं० 1629-1630 (पुराना) 1586 से 1601 (न्यु) वार्ड नं० 7, मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कुंश्रा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4 ग्रगस्त 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-1/12-81/8717—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मी-22 है, तथा जो 16-श्रलीपुर रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए नय पाए गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्रीमती कविता धवन पत्नी श्री रणजो धवन, ग्रौर श्रीमती नीता वाहरा पत्नी श्री संजीत वोहरा, दोनों निवासी सी-19, फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. डा० सीताब चन्द परख सुपुत्र स्वर्गीय श्री रतन ालल परखा श्रीर श्रीमती सरोज परख निवासी 1042, मालीवारा, गली हीरा नन्द दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना ज राजाय म प्रकाशन को लारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवित, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की शारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

श्रधूरा बिना संजाया हुन्ना दो मंजिला प्रत्येक मंजिल 1085 वर्ग फिट, 392 वर्ग गज (327 वर्ग मीटर) ब्लाक र्रे नं० सी-22, 6 श्रलीपुर रोड, दिल्ली-54 ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4 ग्रगस्त, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/ एस०श्रार०-1/12-81/8647—श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ए-2/132, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई में दिल्ली भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उधित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप गोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृष्यि। के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मुरिन्दर नाथ डोगरा, सुपुत्र श्री काली दास डोगरा, निवासी सी-151, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली। (श्रन्सरक)
- 2. श्री गंकर कुमार (माइनर) द्वारा उसके पिता श्रौर सही श्रिभावक, श्री जगदीश कुमार वर्मा, निवासी ए-2/132, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्धना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/6, श्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, भूमि की तादावी 262-1/2, वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज 2, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6 ग्रगस्त, 1982

मोहर 🖟

प्रक्प बाह. दी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० -2/2-एख० श्रार०-1/ 12-81/8649, —श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिनांक दिसम्बर, 1981—

को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिधिक क्ष्य में किथा गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत': अब, अक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात—— श्रीमती निर्मल डोगरा, निवासी -143, थामसन रोड, दिल्ली।

(अन्सरक)

2. णंकर कुमार वर्मा (माइनर), ब्रारा उसके पिता भ्रौर सही ग्रभिभावक श्री जगदीश कुमार वर्मा, निवासी ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भ्रत्रिभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी गार्जेन नई दिल्ली भूमि का माप 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली- 110002

विनांक : 6 ग्रगस्त, 1982

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६५-घ (1) के अधीर संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2

नई दिल्ली दिनांक 6 प्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एत्यू०-2/एस० श्रार०-1/ 12-81/8650—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. ते अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर इजो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकिण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिविक रूप में बिध्तत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अा की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करन या उससे बचने में सूमिधा के लिए, आरि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें शास्तीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविका के लिए;

 महिन्दर नाथ डोगरा मुपुत श्री पंडित काली दास डोगरा निवासी 143 थामसन रोड दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

श्री शंकर कुमार वर्मा (माइनर) द्वारा उसके पिता स्त्रीर सही अभिभावक श्री जगदीण कुमार वर्मा निवासी ए-2/132 राजोरी गाउँन नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त राज्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 स्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी गार्डन नई दिल्ली भूमि की नादादी 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थातः --

दिनांक 6 : भ्रगस्त 1982

प्रकाष आहे. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 श्रगस्त 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०भ्रार०-1/ 12-81/8645----श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डेन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंगे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण मं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की पृष्णारा (1) कं अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थान--12 226G1/82

। क्षा प्रानिल कुमार क्षीगरा, श्रक्त कुमार डीगरा, अणिश कुमार डोगरा, श्रौर श्रीमती प्रोमिला शर्मा, स्पुत्र श्री बी० एन० शर्मा, द्वारा श्री अनिल कुमार डोगरा, नियामी २ बी. / 17, पूसा इल्टीटयूट, दिल्ली । (अन्सरक)

2. श्री गंकर कुभार वर्मा, (माइनर) द्वारा उसके सही श्रभिभात्रक श्रौर पिता श्री जगदीश कुमार वर्मा, निवासी ए-2/132, राजोरी गार्डेन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

1/6 श्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए, 2/132, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली भिम का माप 262-1/2 वर्ग गज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज 2, नई मिल्ली-11000

दिनांक 6 श्रगस्त, 1982 सोहर :

प्रक्य नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनाक 6 ग्रगस्त 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-3/एम०ग्रार०-1/ 12-81/8648—-श्रत मुझे नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क में अधिक है

श्रीर जिसकी म० ए-2/152 है, तथा जो राजोरी गार्डेन, नर्ड दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण में हार्ड किसी अगय की बावन तकन अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- श्री देवकीनन्दन डोगरा,
 ज-5/137, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- १ शी शकर कुमार वर्मा (माध्नर), द्वारा सही श्रवि-भावक और गिना श्री जगदीण कुमार वर्गा तिवासी ए-2/132, राजोरी गार्डन नर्ड दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए ता सकोगे।

स्पद्धीकरण :---इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/6 श्रविभाजित हिस्से प्रो न० ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । भूमि का माप 262-1/2 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी मह।यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज 2 नई दिल्ली-110002

नॉर्श**ख** 6-9-1982 मोहर श्ररूप आहे. दी. एन. एम.------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1992

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्०-2/एस्०ग्रार०-1/12-81/8646—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-भ को अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विकास करने का कारण हैं कि म्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूठ से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन नर्ड दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसने उपायद्ध स्रन्भूची में स्रौर जा पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नर्ड दिल्ली मं भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रविनियम 1908 (1908 जा 16) के स्रधीन दिसाक दिसम्बर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिति (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किना निम्निकां उद्देश्य से उच्त अन्तरण निश्चित में वाग्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमो करने या उसस ब्चने मो सृष्टिशा के लिए और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के जिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ज्वन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात — श्री विश्वनाथ डोगरा सुपुन्न काली दास डोगरा निवासी ए/एम/125, जनकपुरी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

थी शकर कुमार वर्मा (माइनर) द्वारा उसके पिता ग्रीर सहो ग्रिनिगक श्री जगदीश कुमार वर्मा निवामी ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अवत सम्परित के अजन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स' 45 दिन की अमिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (म) इस सूचना के राजप्त्र मो प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिंत-बद्ध किसी अन्य ब्येक्टि क्यास अविह्मनाक्षरी के पास लिखित मो जिए जा सकोंगे।

रपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अधीय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय है।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। भूमि की तादादी 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6 धगरत 1982

प्ररूप आर्ड.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-1/12-81/8747—न्य्रतः मुझे, नरेन्द्रसिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. स अधिक है

श्रौर जिसकी सं० के-1 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में जो पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक दिसम्बर, 1981

कां प्यांकित सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजांकर सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित मा बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सिविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मो, में उद्युत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री जोगिन्दर सिंह मल्होत्रा सृपृत्र श्री गुरदीत सिंह, निवासी डी-135 विवेक विहार, शाहदरा दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री वलबीर सिंह मलहोत्रा मुपुत श्री गुरदीत सिंह निवासी के-4, माङल टाउन दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से

 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

1/3 भाग प्रा० न० क-4 का एरोया 92.1/3 वर्ग गज, सम्पूर्ण भूमि की तादादी 277 वर्ग गज, स्थापित माडल टाउन, दिल्ली एरिया ग्राम मलीकपुर छावनी दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई बिस्ली-110002

दिनाक : 1 ग्र**ग**स्त, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II

नई दिल्ला, दिनांक 4 भगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मा०/एक्यू०-2/एम०ग्रा४०-1/12-81/8739--श्रतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

यौर जिसकी सं० 51, ब्लाक एफ. है तथा जो बालीनगर, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूर्च। में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्राकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थातः— 1. श्री हंस राज चावला, सुपुत्र श्री णामदास चावला, निवासा-279, कचे तिहाइ, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रजैंन सिंह ग्रारोड़ा, सुपुत्र श्री खेम सिंह, निवासी जी/51, बार्ली नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपस्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह1

ग्रनुस्ची

्नाट नं० 51, ब्राक्ष 'एफ', क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, स्थापित कालीनगर, एरिया, ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिहं
सक्षम प्राधिकारेः
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण)
ग्रजन रेंज-॥, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4 अगस्त, 1982

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्तः (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 4 ध्रमस्त 1982

निर्देश स० ब्राई० ए० मा०/एक्यू०- ३/एग०आ४०- १/12-81/8701—अतः मुझे, भरेन्द्र शिहः.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम-इसके परचात 'उकट अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने वा कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिचित बाजार मृल्य 25,000'- में. से अधिक हो

ग्रीप जिसकी सं० ई-2/16 है, तथा जो दिण्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रा) इससे उपाबक्क अनुसूची में जो पूर्ण कप से किंगी है) जिस्ट्रीशर्मा अधिकार। के कार्यालय नई दिल्ली में पिजस्ट्राकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रायीन दिसाक दिस्थवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का पद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देवश्य स उत्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक हम में किया नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनररण म, भी, उक्त अधिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् — मैं० विश्वासमा हाटला लिए, ई-2/16, दिल्या गज, नई दिल्ला द्वारा डाइरक्टर श्रा डा० के० प्रग्रवाल, 61-ब्राबर रोड, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

2 मैं० प्रमोग। इनवेस्टमेट प्रा० लि० 4/5, कालका जा, नई दिल्ला द्वारा डाईरेक्टर श्रीमती अमलेण कुमारी गप्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त रापरित के अर्जन सबंध मो कोई भी आक्षर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म'
 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मी हित्बद्ध किसी अन्या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मी किए जा सकरेंगे।

स्पर्स्टीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

पनगुचा

प्रा० नं० ई-2/13, सीमागंत्र, हिस्तिली एनाया 1000 वर्ग फीट, प्राप्तन्द फ्लोर ।

> नरन्द्र सिह नदाम पाधिकारी राहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (जिराक्षण) प्रजैन रेंज-2, गई दिल्लो-110002

जारी**ज : ४ अगर**ज, 1982 माहर : प्ररूप जाहाँ, टी एन. एस. - --- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-च (1) के अपीन मन्तना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-2, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनाकः 4 ग्रगस्त 1982

निर्वेश मं० श्राई० ए० सं10/एक्यू०-2/एम०ग्रार०-1/12-81/8627----श्रतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्के इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं० ई-2/16 है, तथा जो दिण्यागंत्र, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीण जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधात दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन म वास्तिवक स्प से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व मों कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्तिलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—— मैं० विश्वयामा होटल्स, लिंग निवासा ई-2/16, दिख्यागंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मैं । अयोगी इनवेस्टमेट प्रा० लि०,
 मैं ऽ, असामा अस्मर्देशन, गई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सपरित के अर्जन सबध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस भूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ग्जा की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त हाती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्परित में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंग।

स्पस्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

श्रनुसूची

प्राठ नंठ ई-2/16, दिया गंग, नई दिल्ली ग्राउन्ड फ्लोर, एपिया 1000 वर्ग फीट।

> नरेन्द्र मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) फ्रजेंग रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 4 भ्रगस्त, 1982

माहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-प (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 ग्रगस्त 1982

मि० श्रार० नं० 62/33772/81-82/एक्यू०/बें०---श्रतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- मः. से अधिक ही

श्रीए जिसकी सं० 6, श्रन्ता स्वामी मुद्दालयार रोड, है तथा जो बेंगलूर-42 (ग्रजंता टार्काज) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिर्द्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय भिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एमें ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हर्इ किसी आय की बाबस, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित:—— श्रा ए० जे० पद्यताभन् लेफ्टि० ए० जि० जानिकराम मुद्दालियार के पुत्र नं० 40, में फ्ट्, जान्म रोड, बेंगलर।

(मन्तरकः)

- (1) मैसर्स गोल्डी ट्रस्ट,
 21/14, एम० जी० रोड बेंगलूर-1
 जिसके मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती रूपा एम० पटेल,
 - (2) श्याम सुन्दर श्राप्त वातिजा, 46, फेरफील्ड, लेश्राउट, श्राप्त सी० रोड, बेंगलूर-1
 - (3) श्रामतो ज्योति नारायण दाम,
 1 काम, श्रा कान्तय्या लेग्राउट,
 क्रेमण्ट्रोड, बेंगलूर

(भ्रन्तरिर्तः)

 मैंसर्म ग्रजंता थियेटर, नं० 6, श्रन्ता स्वामी मुद्दिलयार रोड, वेंगलूर-42

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पन्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3321 ता० 16-12-81) भूमि और घर का नं० 6, श्रन्ना स्वामी मुद्दलियार रोड, बेंगलूर-560042 (श्रजन्ता टाकिज)।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगसुर

दिनांक: 2-8-1982

प्ररूप आहू". टी. एन. एस. ------

अधिकर घितियम; 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जुलाई. 1982

सि॰ भ्रार॰ नं॰ 62/32995/81-82/एक्बी०/बें०—-श्रतः मुझे, मंजू माधवन,

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अग्रोत संभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए में श्रीविक है

श्रीर जिसकी सं० 31 ए श्रीर 32 है, तथा जो बैरसंद्रा, बन्नगृंहा मेन रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जय नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरिंस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्भह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांचा गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से स्वत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप में क्षात नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के धधीन कर देने के धक्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (भ) ऐसी किमी भाग या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चोहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 13—226GI/82

श्री पी० बी० टोल
नं० 42, 11 मेन रोड,
16 ग्रौर 17 कास के बीच में है।
मललेक्वरम्, बेंगलूर,
जी० पी० एण्टरप्राइसेस

(ग्रन्तरक)

श्री जी० पी० हमीरवासिया,
 के० एच० रोड,
 बेंगलूर-560027

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त समात्ति के प्रहेन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त मन्यति के ग्रर्जन के मन्त्रत्य में कोई भी भाक्षेप।-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किएजा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रश्याय में विया गया है।

वन्स्ची

(दस्ताबेज सं० 4119, दिनांक विसम्बर 1981) घर का नं० 31 ए ध्रीर 32 बैरसंद्रा, बन्तर्गट्टा, मेन रोड, बेंगलूर।

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 28 जुलाई 1982

साक्षर:

प्रकप आई॰ टी॰ एन० एस॰---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 24 जुलाई 1982

सि० **भा**र० नं० 62/33373/81-82/एक्बी०/बें०— यतः मुझे मंजू माघवन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

22 है जो I कास मल्लेश्वरम, श्रीर जिसकी सं० बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय गांधी नगर, बेंगलूर, में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-82 को प्रवर्षेक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंन्यह प्रिक्षित से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हाई किसी आगकी बाबत, उद्यत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धि। के लिए;

अतः अब, अतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

- 1. (1) एतः चन्द्रभौलि अलियास सि० एलः नरसीपुरः।
 - (2) एन० एल० पम्पती, भ्रलियास पि० एल० नरसीपुर ।
 - (3) एन० एल० सुरेश,
 - (4) एन० एल० भागीरथी
 - (5) एन० एल० मुख्या लक्ष्मी,
 - (6) एन० एल० श्रन्नापूरना,मं० 7, सान क्राम, मल्लेख्वरम,बेंगलूर-3

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सी० बाबू श्रलियाम अन्नापूरनी, पत्नी ए० भन्नियप्पन, सं० 197, संपिंग रोड, मल्लेश्वरम, वेंगलुर-3

(भ्रन्तरिती)

जैसाकि अपर नं० 1 पर है
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3734/81-82, दिनांक 27-1-82) संपत्ति जिसकी सं० 22 फर्म्ट कास मल्लेश्वरम, वेंगसूर-31

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 24-7-1982

प्रकप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाक 27 जुलाई 1982

स० सी० ग्रार० नं० 62/438/81-82/ एक्वी \circ/\overline{a} ं०— यत: मुझे मंजू माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुक से अधिक है

25,000/ रह. स का बक ह मौर जिसकी से 116/ए/134 मौर चालता से 1 है, तथा जो बैना, वार्ड सं 10, तालुका म्राफ मरमा गोवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी के कार्यालय मरमागोवा में रिजस्ट्रीकरण मिर्मियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनांक 7-12-81 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; बौदु/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जोवानिवम, मसेवियर लेस्ली लोबो मौर श्रीमती न्युमिलियाना जासिमना ईसा गोंसलवेश ईलोबो केमोरलिम्. बारकेज--गोवा ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स सी ब्यू कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी प्रतिनिधि करने वाले चेयरमैन:
श्री जोबाक्यिन सेवासिटियो एडिवन डिसोजा श्रीर सेकेटरी जोझो ग्रेगोरियों राङ्ग्यूस श्राफ कोसांबी, बिल्डिंग, ब्लाक सी-5, वासकोडगामा गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाइत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनसची

(वस्तावेज सं० 182/81-82, दिनांक 7-12-81) संपत्ति जिसका जाना हुन्या यथा "सैम डेनामिनाकाम्रो स्पेशल भौर सं० $116\,\mathrm{U}/134$ भौर चलता सं० 1 बैना, वार्ड सं० 10 तालुका श्राफ मरमागोवा में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्स, ग्रर्जन रेंज, वेंगलूर

ता**रीच**: 27-7-1982

मोहरः

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० सी० ग्रार० 62/33871/81-82—यतः मुझे मंजू भाष्यन

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ठ० से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 268-1 है, तथा जो कार्दी विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-12-1981

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार पूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य । उवन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्यिन नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत श्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उससे बचने में सुविद्या के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा क लिए;

अतः अब्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) को बुधीन, निस्निलि<u>बित व्यक्तिस्यों,</u> वर्षात्:—— श्री जोवाचिन सन्थान श्रलवेरेस सुपुत पौल श्रलवेरेस बजाय मंगलूर-575004

(श्रन्तरक)

2. रिचर्ड 'द' कास्टा सुपुत्र जोसेफ ड कास्टा जि० पी०ए० होल्डर जोसेफ ड कास्टा सुपुत्र सौधान उ कास्टा कोप्पलकाड आफ पाडाबु, विलेज, मंगलूर-575008

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2304/81-82 दिनांक 16-12-81) सपत्ति जिसका सं० भ्रार० एस० 268-1, कर्दी विलेज, मंगलूर, तालुक में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

विनांक: 28-7-1982

प्ररूप आ६ . टो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन स्<u>म</u>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 28 जुलाई 1982

सं० सी० प्रार० नं० 62/33874/81-82/एक्वी०/बे०--यतः मुझे मंजु माधवन माधवन

भागकर अग्रैभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं श्रार एस । सं 94/29, टी । एस । सं 663/29, है तथा जो बोलूर विलेज, मन्नागुङ्डे वार्ड, मंगलूर टाउन में स्थित है (स्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण स्प से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 24-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की क्यधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री यू० सुरेश मलया, सुपुत उल्लाल नारायण मलया दि० स० 6-7-140, गांधी नगर, मंगलूर-3

(ग्रन्तरक)

2 श्री यू० पुरुषोत्तम मलया सुपुत्र उल्लाल नारायण मलया डि० स० 6-7-140, गांधी नगर, मंगलूर-575003

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक (जैसा कि ऊपर नं० एक पर है) (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना नारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

(वस्ताबेज मं० 1334/81-82 दिनांक 24-12-81)

संपत्ति जिसका मं० श्रार० एस० 94/29, टी० एस० नं० 663/29 श्रौर निवास सम्बन्धी घर का पुराना नं० 6-96, श्रौर 97 नया नं० 6-7-140 श्रौर 140 बि०; बोलूर, विलेज, मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 28-7-1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.----

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० सी० ग्रार० नं० 62 / 33670/81-82/एक्बी०/बें०—-ग्रतः मुझे मंजु माधवन

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 17/1 ए है, तथा जो मुधानिदम्बूर विलेज, उडुपी, विक्ष णा कन्नड डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उडुपी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 25-1-82

(डाकुमेंट सं० 980/81-81)

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (भ) ऐसी किसी आम या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जय्, उन्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री के० प्रकाश नायक, ग्राफिसर सिंडीकेट बैंक, काडेकर क्रांच, उडुपी टाउन, पोस्ट उडुपी।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रबटुस समद, सुपुत श्री मोइदीन साहेब कल्लाकाम्बा बैलूर विलेज, कारकल तालुक, पोस्ट बैलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शर्मध जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपत्ति जिसका सं० 17/1ए , मुधानिदम्बूर विलेज उडुपी तालुक वक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 15 जुलाई, 1982

अरूप बार्ड .टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० सी० म्नार० नं० 33684/81-82/एक्वी०/बें०----यतः भृक्षे मंजुमाधवन

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के मिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० 753टी० एस० 216 है, तथा जो श्रद्धावर विलेज, श्रद्धावर वाई, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 18-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण हो कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है और श्रश्तरक (धन्तरकों) श्रोर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छंदेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उपत श्रीवित्यम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (4) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्यांचा या किया जाना काहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

 डा० (श्रीमती) श्रनस्या थी० सालियन श्रीर कुछ लोग ।

(प्रन्तरक)

- (1) श्री धनंजया पालके सुपुत्र श्री पी०बी० श्राचार जुऍलर, मारनामिकट्टा, मंगलूर-575001
 - (2) श्री रत्नाकर ग्रध्यन्तप्या, दुरगांभा, एस्टेट, श्री वासा, चिक्कामगलर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना बारी सरके पूर्वोश्त मम्पति के अर्बन के लिए कार्य**वाहियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जनत क्यावर सम्पत्ति में दितवब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त प्रिविनयम के अध्याय 20-क में विशासित है, वही अर्थ होगा, जो उस सन्याय में दिया गया है।

ग्र**न्स्च**ी

(दस्तावेज सं० 1311/81-82, दिनाक 18-12-81) संपत्ति जिसका मं० श्रार० एस० 753, टी० एस० 217 श्रष्टावर विलेज, श्रट्टावर वार्ड मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, बेंगलूर

नारीख: 21 जुलाई, 1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसूर

बेंगलूर, दिनांक 14 जुलाई, 1982

सं० सी० ग्रार० नं० 62/33681/81-82/एक्वी०/बें०—
यत: मुझे, मंजु माध्रवन
आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के
ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

ह० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर०एस० 77-1 ए है, तथा जो मिडल वेस्टर्न पोरशन, मंगलूर टाउन कार्दी वार्ड, कार्दी विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-12-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अत: अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री डी० रामचन्द्रा, सुपुत्र श्री कृष्णप्पा मिस्त्री, कार्वी मन्विर रोड, मंगलूर-2

(श्रन्तरक)

 श्री के० गोपाला क्रष्णा सुपुत्र श्री शंकरनारायण राव करन्गलपाडी, मंगलूर-3

(ग्रन्तरिती)

3. म्रन्तरक (जैसा कि ऊपर नं० 1 पर है) (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्टीकरण '-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं हो गा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

(वस्तावेज सं॰ 1240/81-82 दिनांक 1-12-1981)

संपत्ति है जिसका सं० झार०एस० 77-1ए मिडल वेस्टर्न पोरणन, भंगलूर टाउन कार्दी वार्ड, कार्दी विलेज में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुत्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 14 जुलाई, 1982

प्रक्य आ<u>र्च दी एव एक -----</u>----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

प्राप्त चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगल्र

वंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० मी० ग्रार्० न० 62/33861/81-82/एक्वा०-बे०---यतः मुझे, मजु, माधवन

बायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम्' कहा गया है'), की भारा 269-च के वधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रन. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 38/2250 श्रीर सं० 2699 ग्रीर नया मं० 2684 है, तथा जो रेलवे स्टेशन एक्सटेन्सन, गांधा नगर, तुमकुर, में स्थित है (ग्रीर उसमें उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय तूमकर मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन दिनांक 10-12-81

का पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के शब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उवदंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में. में , उक्त अधिनियम की धार 267-ध की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित क्यन्तियों अर्थातः--

14---22 6GT/82

- 1 श्रा बी० एत० श्रीनिवासा गेट्टी, मुपुत्र श्रो बी० एस० लक्ष्मीकान्ता शेट्टी के० स्नार० एक्सटेशन, तुगक्र
- 🤈 श्री एन० एस० नारासण मेट्टी सीर एन० एस० नरसिम्हा, मि० एस० ए० ले ग्राउट तूमकुर ।

(ग्रन्तरिती)

(श्रन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृतता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम,, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

(दस्शावेज मं० 2718/81-82 दिनाक 10-12-81) संपत्ति है जिसका मं० 38/2250 ग्रीर मं० 2699 ग्रीर नय। मु० 2684, रेलवे स्टेशन, एक्सटेशन, गाधीनगर, तूमकुर में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, बेंगलर

नारीख: 9-7-1982

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के अधीन सन्दा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलर, दिनाँक 8 ज्लाई 1982

यतः मुझे, श्रीमितः मंजु माधवन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० 3439/1, 3439/2, है तथा जा कालेज रोड, बेलगाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में ग्रीर जा पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, बेलगाव में रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान दिनाक 24-12-1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल में, एमें द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के जल्लाक के दायित्व में कभी करने या उसम बचन में भृतिथा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्रिपान में सनिधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जुपभारा (1) को अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान :--- श्री गंगाराम लक्ष्मनाराय जाधन,
 बिजग्राम बेलगान ।

(भन्तरक)

 श्री मान्ता राग श्रीनिवास राज वेसले "(पणु निवास", नेहरू नगर बेलगांव।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्ची

(दस्तावे सं० 2620, दिनीक 24 दिसम्बर, 1981) प्रापर्टी नं० 3439/1, श्रौर 3439/2, कोलेज रोड, बेलगांव ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर **प्रायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

तारोख: 8 जुलाई 1982

प्रस्प भाई • टी • एन • एस • ---

भ्रायकर भ्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

बेंग्लूर, दिनाक 22 जुलाई 1982

म० सी० अ170 न० 62/33802/81-82/एत्र्ब्री०/बे०--- यतः मुझे, मंज् माध्यतः,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भिधिक है,

श्राँर जिसकी मं० 21, (पुराना न० 1-ए) है तथा जो एम० नं० 6 स्ट्रीट, धर्मराजा कोधिल स्ट्रीट श्राँर एल० न० 4, स्ट्रीट के० पी० एच० रोड काम बेगलूर-1 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से बिणा है), राजिस्ट्रीकरनी अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनाक 31-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और धन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तिथक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त प्रक्रिक्यम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसा आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, क्ष धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: ग्रज, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निविखन व्यक्तियों पर्यान्:-- श्रीमती समिमुनिसा
 80, राजोजि राव रोड,
 बसवन गुड़ा- बेगलूर-560004

(अन्तरक)

2 (1) श्री जी० एम० जमीर अ

(2) श्रोमती हीरा बे नं० 9, नोवा स्ट्रोट, स्टीफेग वेय बेगलूप-51

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कामवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील मे 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के श्रष्टयाय 20-क में परिशावित हैं, वहीं शर्ष होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

(धरतावेज स० 3695, दिनाक 31-12-81) घर का नं० 21, पुराना नं० 1-ए, जो एम० नं० 6, स्ट्रीट स्टार्ट स्टेस्टिस स्टार गोर एक नं० 4 स्टीट के परि

धर्म राजा को यिल स्ट्रीट और एल वन 4, स्ट्रीट, के पी० एच रोड, कास बेंगलूर-1 में स्थित है।

मंजु नाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, बेंगलूर

नारीख: 22-7-1982

प्ररूप नार्दं. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1982

स० सी० श्रार० नं० 62/32813/81-82/श्रववीं०/बैं०— यतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-रः सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० (पुराना नं० 139—159) है अब 153 है, तथा
जो III. मेन रोड, चामराज पेट, बेगलूर में स्थित हैं (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में बिणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय वसवन गड्डी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-12-81
को पूर्वोक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास
कारने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्स संपत्सि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
बन्तह प्रतिशास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक
रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और√या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्लित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 श्री एम० टी० गौडा अलयम् तस्मण्णं गौड़ा श्री माने गौडा के पुत्र
 - (2) एन० सरोजम्मा, श्री तम्मण्ण गौड़ा की पत्नि
 - (3) एम० टि० महादेवा
 - (4) एम० टि० रविकुमार,
 - (5) एम० टि० उनके प्रतिनिधि करने वाले एन० सरोजम्मा मंजु नाटा

(ग्रन्तरक)

 श्री बि० नागेश राव
 श्री वासुदेव राव के सुपुत्र होस नगर, शिमोगा जिला।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथांक्ति सम्पक्ति अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

(दम्तावेज स० 2692, दिनांक 15-12-1981) पुराना नं० 139-159, नया नं० 153, 🌃 मेन रोड, चामराज पेट, बेंगलूर ।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी ग्रायक श्रायकर स्वायक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगसूर

दिनांक : 22 जुलाई, 1982

प्रकृप बाइ . टी . एन . एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सि० भ्रार्० नं० 62/33256/81-82/एक्वी०/बें०---- यत. मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 18 तथा 19 है, तथा जो सर्वे नं० 74/1-बी, दोमलूर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर जो पूर्ण मण से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक दिसम्बर 1981

की पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष फस, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्द अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृष्धि। वे किए। और/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियंत्र, वा धन-कर विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना चाहिए था, जिपाने में स्विभा के सिए;

बंत: बंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, बनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिट, व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्री गायक्षी
 तं ० 100/2, दोमलूर, लेग्राऊट,
 बेंगलूर-560071

(ग्रन्तरक)

 ए० एन० वासुदेव पिल्लै, 578, दोमलूर, बेंगलूर-560071

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर को पूर्वांक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की बर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(वस्तावेज सं० 2819, ता० 31-12-81) भूमि का नं० 18 श्रीर 19, सर्वे नं० 74/1-वी, दोमलूर, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 9-7-1982

मोहर ह

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनाक 17 जुलाई 1982

स० सी० श्रार० न० 62/33208/81-82/एक्वी/ब०--- यत. मुझे मजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 710, I, स्टेज, है तथा जो विन्त मगला (इदिरानगर) बेगलूर में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची म और जो पूर्ण रूप स वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी ने कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 28-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बागार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे गह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निगंबत में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जुम्तरण से हुई किसी गाय की वाबत, उपत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बौड़/बा
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीगृ निम्निसिक्त व्यक्तियों स्थीत् ह—-- श्री वसन्ता श्रीनिवासन, न० 6, स्प्रूसड्रैव, ननुषट् न्यूयार्क, यू० एस० ए०

(ग्रन्तरक)

 श्री विकास गोयका, 722, I, स्टेज, इदिरा नगर, बेगलूर-560038

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इस्मे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 29458, दिनाक 28-12-81) भूमि का नं० 710, **I**, स्टेज, बिन्न मंगता, इदिरा नगर, वेंगलूर-560038

> मगु गाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख : 17-7-1982

प्ररूप आहर्". टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० सी० श्रार० नं० 33708/81-82/एक्वी०/बें०---यतः मङ्गे, मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसदा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 184, है तथा जो 34 कास, V, ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय जयनगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक 10-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसें दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरको) और भन्तरिती (अन्तरितिथों) के बी व ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किमी सायकी बाबत, खक्त श्रिष्ठि-नियम, के सप्तीन कर देने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्न अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां छिपाने में मुजिधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के श्रनः सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारः (1) के सन्नीम. निस्नलिखित क्यक्तियों; सर्थान्:— श्री टि॰ उमापती,
 श्री तिरुवेंगट स्वामी के पुत्र
 जी०पी०ए० होल्डर, श्री यृ० दक्ष्मानि, श्री यू० नरेश.
 यू० मोहन, तथा यू० हिमलता, 26, वेंकटरलाग, नगर, महास-20 ।

(स्रनारकः)

के० ग्रार० भेषाद्रि,
 184, 38 कास V ब्लाक,
 जय नगर, बेंगलूर-41

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख शे 45 दिन की धविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपात मे
 हितकद किसी प्रन्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पवशिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिर्मित्यम के मध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं भये होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4898, प्तारीख $10 ext{-}2 ext{-}82$) 184, $38 ext{-}38$ मम, \mathbf{V} ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-41

> मंज् माधवन मक्षम प्राधिकारा महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज , बेंगलूर

नारीख: 5-7-1982

सोहरु:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सि० द्यार० नं. 62/33254/81-82/ एक्वी०/बें०— यतः मुक्षे मंजु माध्यन,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 436 है, तथा जो एव० ए० एल० II, स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-12-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिशित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियो, अर्थात् .--

 श्री टि० एस० नागभूषनम्, श्री टि० सुब्बय्या के पुत्र नं० 17, वीरम्मा, गार्डन, बेंगलूर-560005

(म्रान्तरक)

 श्री एम० एन० मोहन धुमार,
 श्री एम० के० नवनीत कुमार के पुष नं० 265, नारायण पिल्लै, स्ट्रीट,
 बेंगल्र-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2812, दिनांक 14-12-1981) घरका नं० 436, एच० ए० एल० II, स्टेज, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 9-7-1982

प्रकृप आई० टी० एन० एप०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाल 269-भ(1) के अधीन मुजन

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बें**ग**लूर

बेंगलूर, दिनाक 9 जुलाई 1982

सं० सी० श्राप्त नं० 62/33255/81-82/0 व्यवी०/वें०--- यतः मुझे, मंजु माधवन,

श्रायकर विश्वित्यम. 1961 (1961 का 43) (जिं) द्राम इसके पश्चात 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विश्वास करने का कारण है कि ध्वावर सम्पत्ति जिसका अखित राजार मूल्य 25,000/- हमये से प्रधिव है

श्रौर जिसकी सं० 8, जो न० 74/1-बी, है तथा जो दोमलूर, बेगलूर-71 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रमुगूनी में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए, त्यपाया गया एक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिविक ख्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रनारण में हुई कियी पाय की बाबन उन्ने प्रति नियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायि व में कभी करने या उससे बच्चे में मिक्स के लिए शौग/या
- (ख) रेती किसी धार या किती का बाजनेन आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकेर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, साधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-ग के श्रनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ टी उपधारा (1) के अधीन, निम्मानिश्चित्र व्यक्तियों श्रथीर '--- । 15--226G1/82 श्रामर्ता जनकम्या
 ₁₀₀/3, दोनपूर लेम्राझ्ट,
 वेगलूर-560071

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती पि० मुशीला हरि दास, 637, मकान का ऊपरी खण्ड, धोमलूर, लेग्राऊट, बेगलर-560071

(अन्तरिती)

को यद पचना काफी नाते. पूर्वीकत सम्पत्ति **के धर्मन** के लिए काम्बाहिया १९९१ में

उत्तर समाचि ६ अजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस स्वन के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 तिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद से स्मापन होता ता, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा;
- (ख) इस न्चना क राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- - न्यसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्ताने न 2818, दिनाक दिसम्बर. 1981) भृमि का न० 8, जो न० 74/1-बी, दोमलूर, बेगलूर में स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगलूर

नारीखः: 9-7-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०---

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ऋषीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

सं० नोटिस नं० 432/82-83--यत: मुझे श्रीमती मंजु माधवन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत प्रधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थाबर पम्पत्ति, जिपक प्रतिन बाजार मुल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है श्रीर जिसकी सं नया नं 268 है, तथा जो नंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के भ्रधीन दिनाक 4-12-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य इसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिवात अधिक है घीर ग्रस्तरक (प्रन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे धक्त अन्तरण लिखित में बास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन गा धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए;

श्चन. शव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण गं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० श्रार० दत्ते गौड सुपुत्र श्री रामे गौड मुडीगेरे, तालुक चिकमगलूर

(अन्तरक)

 श्री जी० एस० बंसेगौड, सुपुत्र श्री सुब्बेगौड हड पोस्ट मुडीगेरे, तालुक चिकमंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींचन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की भविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो छन्न भौधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

जनुसूची

[दस्तावेज सं० 532/81-82 दिनांक 4-12-1981] खुला जगह सर्वे नं० नया 268 दो एकड़ साँ मिल बंगला, श्राफिस श्रीर गोडोन, इस खुला जगह परहै।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 14-6-1982

प्ररूप करहे. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निर्राक्षण . श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

सं० नोटिस नं० 434/82-83/एक्वी०/बें०— यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2/6, 7, 8, 9, है, तथा जिसका नाम है कासाम डि मार्डा कोम -ग्र-स्युग्रा होर्टीए क्ष्वटल, विचोलिम जिला गोवा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वॉणन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय इलास गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-12-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री लुईस बिसेंटा संताना पेरैरा श्रौर श्रीमती मरिया श्रलसिस, टेरेसा डि जेम्स मस्क्रेन्हास ई पेरेरा एट पंजिम, गोवा।
 - (2) श्री एवा पेरैरा श्रौर मिस्टर श्रान्टोनिएट् सिसीलिया कोरीन्हो, पेरैरा एट पंजिम, गोवा।
 - (3) श्री लुईस एंटोनियो श्राल्प्रेडो डेसा भ्रौर श्रीमती मरिया मिलेना पेरैरा एट पंजिम, गोवा। (भ्रन्तरक)
- श्री पोलो मॉन्युपाल, जेसस् डिसोजा एट विचोलिम्, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त लगा कता में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगी।

स्थव्यीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्वाँ का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट श्राफ लैण्ड सं० नं० 2 सब-डिविजन 6, 7, 8, 9 जिसका नाम है कासास डि मार्डा कोम ग्र स्युधा होर्टी ए क्विटल, बिचोलिम, इलास गोवा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 21 जून, 1982

प्रस्प आई. टी. एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-पु (1) क मुधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 18 मई, 1982

सं० नोटिस नं० 428/82-83—यतः मुझी मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 66/8 है, तथा जो बेलगांव में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेलगाव में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 4-12-1981

को पृथोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रांतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है ल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बुधीन क्रिक्निलिख व्यक्तियम, अर्थात् क्रि—

 श्रीमती सुधाबाई भीमराव हरीहर पुणे, रहवासी ।

(भ्रन्तरक)

- (1) इस्माईल बेग महमद बेग बजीर, बेलगांव ।
 - (2) श्रीमती सेबेरा सुपुत्नी सिकन्दर खान सौवागर, बेलगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निष्तित में किए जा सकीं।

स्मद्भीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभापित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 2428, दिनांक 4-12-1981) रहने का बंगला: बी० सी० नं० 113, सर्वे नं० 66/8, कोम्युस्युरेट रास्ता, कन्टोनमेंट, बेलगांव ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 18-5-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सत्तना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 20 अप्रैल, 1982

िनिर्देश सं० 422/82-83:---यतः मुझे, डा० वि० एन० लितकुमार शव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वारा करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

स्रीर जिसकी सं । घर तम्बर 55(2), 55(1) है, तथा जो काकोड़ा बन्ताड कुचोरिम गोवा में स्थित है (श्री डिस्ट्रें उपाबद्ध धनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्र्ट्राश्चर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्युपेम में रिजर्ट्राश्चरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत मा, एन दश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे चन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत निम्नलिवित उन्नेश्य से उका प्रन्तरण लिखित में मस्तिकृत रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शेख महमद, (2) श्री शेख श्रयूब, (3) श्रीमती श्राहरुदा बेगम, मैन श्रीनर संगम, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री कोलार नयीमुल्या की पतिन खीमती श्रविद्या बानू शरीक बन्साई कुचोरिम, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों के में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- = हममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 392 ता० 14-12-1981) काकोड़ा बन्साई कुचोरिम गोवा में स्थित 710.50 स्क्वेर मिटर जगह ग्रौर इस जगह पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर नम्बर है 55(2) ग्रौर 55(1)।

डा० वि० एन० जिलितकुमार राव सक्षम प्राधिकारो (सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 20-4-1982.

प्ररूप आई. टी. एनं एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूप, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 418/82-83:—-यतः मुझे, डा० वि० एन० लितकुमार राव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसक: सं० नम्बर 188/बी है, तथा जो कलाध्या रोड़, वागलकीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रं ति ग्रीधियारी के कार्यालय, बागलकीट में पिजस्ट्रं तिप्पा प्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 14-12-1981

को प्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आदि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

- (1) श्री केसरमल कनय्यालाल सुराना, मर्चेंट, बागलकोट। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कनय्यालाल बचराज सुराना मर्चेट, बागलकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्यों भी अविध्याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(धस्तावेज सं० 894 ता० 14-12-1981) कलाधगी रोड़, बागलकोट में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका एस० नम्बर है 188/बिं०)।

> डा० वि० एन० ललितकुमाप्याय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकप स्रायुक्त (निर्राक्षण), स्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

अक्षः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अ्युक्तियों अर्थात् ः—

নার্যন্তে: 20-4-1982.

प्रस्प बार्च. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह(यक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्णन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई, 1982

मं० जी० म्राई०म्रार० सं० सी० 1-35/म्रर्जन—म्प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 88/1 व 88/2 है तथा जो तुलसीपुर वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्री गोपाल प्रसाद चौरसिया, पुत्र श्रीराम नाथ (स्व०)। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती चंदा रानी जायसवाल पत्नी गंगा मागर प्रसाद गुप्ता । (ग्रन्तरिती)

(अन्दारता)

(3) उपरोक्त श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्राराजियात नम्बरी 88/1 व 88/2 तुलसीपुर परगना देहात श्रमानत जिला वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 11755 में वर्णित है जिसका रजिस्ट्रेशन सब-रजिस्ट्रार कार्यालय वाराणसी में माह दिसम्बर 81 में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकार श्रायुक्त (निरक्षण), भ्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-7-1982.

प्रस्प बाइ .टी. एन . एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई 1982

জী০ **आई० आए० संख्या आ**ए—173/अर्जन अतः **मुझे**, **ए० प्रसाद**,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विब्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संब्बा॰ 30/2 ए-1 है तथा जो मदन मोहन मालर्वाय रोड़ वाराणर्सा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसं: में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के जिन्नत बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति का जिन्नत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्दोष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे मिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं दिन्य। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नस्थितित व्यक्तियों, अर्थान्:---

(1) श्रा देवेन्द्र नाथ पान्डे, पुत्र राम कुमार पान्डे ।

(अन्तर्क)

भाग III--खण्ड 1

(2) श्रां पाममोहन चौबे।

(अन्तरितो)

(3) म्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों वित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसके प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं बी०-30/2 ए नगव। मदन मोहन मालवीय रोड बाराणसी में स्थित है जितका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 11409/81 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में माह दिसम्बर 81 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-7-82

मोहण:

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर प्रिविचम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई, 1982

मं० जी० आई० आर० संख्या एम०—138/म्रर्जन अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं । सकान है जथा जो शेषपुर गोरखपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णितहै), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यीलय गोरखपुर में रिजिस्ट्र करण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 1-12-81 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। भीर/या।
- (ख) ऐसी किसी अयय-या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिक्षा के लिए।

(1) श्री झम्मन लाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मश्खान लाल गोयल ।

(ग्रन्तिग्ती)

(3) उपरोक्त ग्रनारक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि; जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के भव्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पोख्ता तीन मंजिला बाके शेषपुर णहर गोरखपुर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र 1800 वर्ग फिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेनडोड व फार्म 37-जो संख्या 9464 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार कार्यालय गोरखपुर के यहां धिनांक 1-12-81 को किया जा चुका है। (37-जो फार्म के श्रनुसार)।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोंज, लखनक

नारीख: 28-7-1982

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 श्रगस्त, 1982

सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस-235/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक किता बिल्डिंग का भाग है तथा जो स्टेशन रोड, मुरादाबाद से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्व। से पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्र कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 27-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूफ्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उदस्य म उस्त अन्तरण निष्यित में वास्तिषक रूप में कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री जी० एस० पाण्डेय ।

(म्रन्तरक)

- (2) श्रो मतीश कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० कामता प्रमाद । (अन्तरिर्ता)
- (3) गै० केदार इंजोनियपिंग क्वर्स स्टेशन रोज, मुरादाबाद । (किरायेदार) ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकार,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्काकारी के पास लिखित में किए जा मकों।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

287.70 वर्ग मीटर एक किता बिल्डिंग का एक भाग बाके स्टेशन रोड मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडी ड एवं फार्म 37 जी संख्या 2895 में विणित है जिसका रजिस्ट्रेशन सब रजिस्ट्रार मुगदाबाद के कार्यालय मे दिनाक 27-1-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रा**यकर **प्रायुक्त (निरीक्षण),** सर्जन रेंज, ल**ख**नक

सारीख: 2-8-1982

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एत •-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 श्रगस्त, 1982

सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या डी-42/ग्रर्जन-अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत समन प्राधिकारों को, यह विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है और जिसकी

संख्या प्लाट नं० 1-ए है तथा जो श्राई० टी० कालेज, क्रांसिंग लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वींणा है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 31-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर पृत्ते यह विश्वात करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिशत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (प्रनारकों) ग्रीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाय। ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या.
- (ख) ऐसी किमी आप या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनन ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः स्रवं, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के, भनुगरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) प्रगतिशान पड्कारो गृह् निर्माण ममिति निरुमी-207 निरानानगर, नखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(०) श्राधनुष धारी मिह्।

(श्रन्तरितः)

(3) विकेशा।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं!

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वऽदोकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पत्रों का, जो जक्त श्रीध- है नियम के ग्राडमाय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा, जो उस ग्राडमाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताटन 1-ए करीब 1140 स्कायर फिट जो कि श्राई० टो० कालेज क्रानिंग लखनक में स्थित है जिनका सम्पूर्ण विवरण सेतडीड व फार्म 37 जो मंदग 372/81 में विणित है जिनका रजिस्ट्रेशन सब रजिस्ट्रार लखनक के कार्यालय में 31-12-1981 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज, नखनऊ

तारीख: 5-8-1982

मोहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मई, 1982

सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार-167/मर्जनः---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कु से प्रधिक है

और जिसकी सं071/1 का 1/8भाग है तथा जो ए० पी० सेन रोड लखनऊ में स्थित है (घौर इमसे उपाबद्ध म्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबल, खबन प्रिम्नियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के ग्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज किशोर मिश्रा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती रोज लाईट कमल कुमारी द्वारा मुखतार, कमारी जीव केव केव हारबे।

(ग्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्र<mark>िधभोग</mark> में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के प्रार्थेत के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 43 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्क्टो और पर्दों का, जो छक्त अधिनियम के भव्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को छस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

मकान सख्या 71/1 का 1/8 भाग स्थित ए०पी० सेन रीड शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड श्रीर फार्म 37-जी० मंख्या 7216 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-12-1981 को किया जा चुका है।

ग्० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-5-1982.

प्रकल् नाहर् टी. यन् एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1982

सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार-168/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो भूखण्ड जो सान्डर्भ रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-12-1981

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मरियम बेगम, द्वारा मुखतार श्री अली नकी खां।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राधे कृष्ण टण्डन ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री राधे कृष्ण टण्डन।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्घांध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंगितयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्खण्ड पैमायइणी 3170 वर्ग फिट स्थित सान्डर्स रोड़ लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 7489 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-12-1981 को किया जा चका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, एक्ट (जिरिक्स्फ)

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-5-1982

प्रकृष् बाहै, टी. एम्., एस. ------

भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जुलाई, 1982

सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एस-232/म्रर्जन --म्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 116 है तथा जो सिविल लाइन बरेली, में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-12-1981 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात बिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक इप से अक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितयम जै जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों,अर्थात् :--

2 1

- (1) श्री प्रेम शंकर खती, श्रीमती शकुन्तला खती। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री मुनील श्रानन्द, 2. श्रीमती सभा ग्रानन्द, 3. श्रीसर्वजीर्तासह, 4. श्रीसत्यजीर्तासह, 5. श्रीग्रीश ग्रोबराय, 6. श्रीमती ग्राणासारदा। (ग्रन्तरिती)
- (3) उपरोक्त श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पन्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

एक खुला प्लाट जिसमें 1001 स्वायरयाई जमीन सम्मिलित है जा प्लाट नं० 116 में में है जोकि सिविल लाइन बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 6864 में विणित हैं। जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 26-12-1981 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद. सक्षम श्रधिकारी. सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 1-7-1982 .

प्रकष भाई० टी० एम० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई. 1982

मं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एस०-233/म्रर्जन:---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर प्रिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिव्रित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सभाग प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कार्य में प्रधिक है थ्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो मियां बाजार गोरखपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16). के श्रधीन, दिनांक 29 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमण्य प्रतिकृत के लिए प्रत्नरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनारिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

- (क) भग्तरण में हुई किसी प्राय को बाबन प्रायकर ग्रिटिन नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या िसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सृविधा के निए;

प्रतः, प्रज, उम्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उम्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- _ (1) श्रीमती शान्ति देवी।

(ग्रन्तरक)

12379

(2) श्री शिव प्रसाद।

(बन्तरिती)

(3) उपरोक्त श्रन्तास्त्री ।

(बह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भनेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजात के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहमनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

वनुसुची

दो किता मकान 1925 स्ववायर फिट जो कि मियां बाजार जिला गोरखपुर में स्थित है तथा वह सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 10052/6/82 में विणत है जो कि सब रिजस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक 29-12-1981 को दर्ज किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक आरकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-7-1982.

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातम, भहायक आयधार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० धमृतसर/82-83/153:—यतः मुझे, ग्रानंद सिंह श्राई० धार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य., 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद कटण कर्मसिंह श्रम्तसर है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकर्रा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती शकुन्तला विधवा गनेश दास वावा नमक मंड़ी, श्रमतसर।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पुत्र जोधा राम कटरा कर्म सिंह नई सडक, श्रमृतसर।

(मन्त्रक्ती)

- (3) जैसा ऊपर गं० 2 में बोई जिरायेदार हो। हरबन्स सिंह रूपये 140/- 10-9-1977 से। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग 3249/9 नया नं० 689/9/42 जो कटड़ा कर्म सिंह नई सड़क ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16651/ 11-12-81 ग्रीर रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, चन्द्रप्री, ग्रमृतसर ।

तारी**ख**: 22-7-1982.

प्रकम आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० धमृतसर/82-83/154:--यतः मुझे, धानन्द सिंह, ब्राई० घार० एस०

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभूम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो बाजार काठिया श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1981 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ध्रेसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः तथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ह—17—226G1/82

(1) श्री अमरजीत सिंह पुत्र अजीत सिंह प्रतेजीदर सचदेवा पत्नी सब अजीत सिंह 13 राथ बहादुर रतन चन्द रोड़, अमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीहरी सिंह पुत्र गुरदित सिंह कटड़ा कर्म सिंह ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी च से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान न० 678/4-18 बाजार काठियां श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नॅ० 17372/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, श्राई० श्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज 3 चन्द्रपुरा, श्रमृतसरा

सारीज: 22-7-1982

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, विनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० भ्रमृतसर/82-83/1655:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्रक प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रानी का बाग, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिकृत है लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विषवाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्ब्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तिरती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्तलिखित उद्देश्य में उक्त प्रम्तरण लिखित में बाक्तिक का म कथित नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उश्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ण की उपश्चारा 1) ह अधीन, निम्निणिकत व्यक्तियों. ग्रर्थात्ः— (1) श्री रूपिन्दर शर्मा 157 ग्रेटर कैलाश भाग $-\mathbf{I}$, न ई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रनबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह बाजार पापड़ां, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह यूचना नारी करक पूर्वोतन सम्पत्ति के प्रजीन के निश् कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्यति के अर्जन के तम्बन्ध न काई मी प्राक्षेत्र :---

- (क) इन पूचना के राजपत्र मं प्रकासन की नारीख से 45 दिन को प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना का नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भा अविध बाद ने समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युचना के राजपत्र न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण:---इसम अयुक्त गब्दों और पदां का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

यत सची

1/3 भाग कोठी जो रानी का बाग श्रमृतसर में है जैसा सेल हीड नं० 16566/9-12-81 रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द मिंह, प्राई० ग्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

तारीख: 22-7-82.

प्रकप आहे ही एत एस --

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/156 ---यतः मुझे, ग्रानन्द सिह, ग्राई० ग्रार० एस०,

धायकर घिषानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अकत ग्रिष्ठितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में ग्रिष्ठिक है

ध्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गास्त्री नगर, ध्रमृतसर में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख विसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधि है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीज ऐने यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (अप) प्रस्तरण न हुई किसी श्राप्त की बावन उकन प्रधि-नियम के ब्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी शन या ग्रन्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायन र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अभिनियम, या धर- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मे सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त धिर्धानयम, का धारा 269ना क अनुसरण मीं, मीं, खकत अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रवतार सिंह पुत्र बीवान सिंह वासी श्रमृतसर प्लाट न० 3 गोकल नगर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी कश्मीर सिंह वासी 276 कृष्ना नगर, लारेंस रोड, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 मे कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ता सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सवाति के प्रकृति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रस्य अपक्ति द्वारा श्रधोहस्ताझरी के पास लिखन में किए जा सकतें।

स्पब्टीकरण: ---इसर्म प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रश्ने होगा, जो उन भ्रष्टयाय में दिया गया है।

धरामची

एक मकान 190 व० ग० जो शास्त्री नगर अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 16963/18-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, भ्राई० म्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 3, कन्द्रपुरी, म्रमृतसर ।

तारीख: 22-7-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱिक्षण)
यर्जन रेंज, ग्रम्तसर

भ्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/157:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (19 08 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा केलिए; औटु/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 प्राती उपसारा (1) के अधीन, निम्नुलिहिल व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री इकबाल चण्य पुत्र कुंभल चन्द बाली इन्द्रजीत, बटाला।
 - (मन्तरक)
- (2) मै० जिंदल इंडस्ट्रियल कारपोरेशन द्वारा सुनील कुमार श्रगरवाल, बटाला ।

(भ्रन्सरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई िकरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरितृ के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

एक भूमि का प्लाट 2 कनाल 13 मरले जो गांव बटाला वेस्ट में है जैसा सेल डीड नं० 5916/विसम्बर, 81 रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी बटाला में दर्जे हैं।

> श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०, मक्षम श्रविकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज ३, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारी**व**: 22-7-1982.

प्र**कष श्राई० टी∙** ध्न∘एस०----

श्रायकर प्रवित्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनाक 17 जुलाई, 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/158 — यत मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित जिसका उवित पाजार मन्य 25,000/- रुपये में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो बाजार टोकरियां भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत से प्रश्चिम है और अन्तर ह (अन्तरकां) और धन्तरिती (अन्तरितियों) में बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय मी बाबा, उपत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए, खोर/या
- (3) ऐसी पिसी प्रांत पा जिसी धा या प्राप्त आहिताओं का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, "' बन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीराम प्रकाश पुत्र बाल किष्म व प्रेम बती जमनी बाल किष्न यश पाल पुत्र बाल कृष्ण वासी कटड़ा दुलारे, ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव किणन पुत्र पना लाल वासी लक्षमनसर, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जसा ऊपर स० 2 मे कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में फ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुबना जारी करके पूर्वीका सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्तक्षारी के पास विश्वित में किए जा सर्वेषे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत प्रवि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है '

नवस भी

एक मकान नं० 2092/8 बाजार गली टोकरियां भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16117/2-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, ग्राई० म्रार० एस०, सक्षम म्रधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रजन रेंज 3, चन्द्रपुरी, म्रमृतसर ।

तारीख: 17-7-1982.

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर, श्चमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निवेश सं० ग्रमृतसर/82-83/159 --- यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस०,

मायकर श्रिविनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सम्मम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- द० से धिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार सबूनया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद् प्रतिशत से प्रक्रिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गथा प्रतिफल निम्बिसिंबत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक च्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उक्षते बचने में सुविद्या के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रश्निनियम, या धन कर ग्रिंबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः प्रव, उनन प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रमुसरण में, में, इक्त प्रधिनियम की धारा 269-फ की उपधारा (1) प्राचीन, निन्नतिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्रीमती चपा वती पत्नी दौलत रामवासी 5 कानी धम त्रीसेंट बंगलौर, द्वारा राम प्रसाद चड़ा पुद्ध रूप लाल वासी कूचा व गली भाई मंत सिंह ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यावती पत्नी परण्मोनम लाल बाजार गुरु भूचा उपला, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़** है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वी≉न सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मति के ब्रजान के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 विन की प्राविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों धौर पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

एक मकान नं० 104/2 ध्रौर 207/2-2, 110/11-12 एम० सी० ए० जो कूचा लंडन बाजार सबूनियां ध्रमृतसर में है जसा सेल डीड नं० 16672/11-12-81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

सारी**ख** : 22-7-1982.

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

श्रमृतमर, दिनाक 26 जुलाई 1982

निवेश मं० श्रमृतसर/82~83/160 - यत मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एम०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित घाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एक जायदाद है तथा जा श्रदरून महा सिह गेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रीधन र्रं के कार्यालय अस्तिसर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, ताराख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से स्वत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीन. निम्निचित व्यक्तियों अधीत:--

- (1) श्रीमती रधवीर भीर शिवका तरतार सिंह व परमणीत गौर व राज भीर पुत्राधा करतार सिंह व महीन्द्र पाल पुत्र करतार सिंह वासा अदस्त महासिंह गेट, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमर्ता उपीन्द्र कौर पुत्नी जोत सिंह वासी चाटीविष्ट गेट, राज टाकीज के पीछे अमृतसर ।

(भ्रत्सिंग्ती)

- (3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह स्थाना जारी करको पृवाँकत सम्परित को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विधितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ट्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक जायदाद जो अदरून महा सिंह गेट मामने स्टेट बैंक आफ इंडिया अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड न० 17000/18~12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में ६र्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

तारीख 26-7-1982 मोहर.

प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, भ्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए० एस० श्रार०/82-83/161:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाब खटीकां, अमृतसर . में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल सा पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अवने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्रीमती नीता मेहरा पत्नः दीन दयाल मोहरा श्रीर दीन दयाल मेहरा पुत्र चरन दास मेहरा वार्सा 33 शिल सागर वरलीं हिल रोड बंबई 18, श्रार० दीपक महरा पुत्र दोन दयाल हारा दोन दयाल मेहरा मुखतार। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुग लता पत्नी मीहन लाज ग्ररीड़ा बाजार कनक मंड़ी, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके वारे में प्रघी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के <u>ि</u>लए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाव खटीकां श्रमृतसर में जैसा सेल डीड नं० 16911/17--12--81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर।

तारी**ख**: 27-7-1982

मोहरः 🗓

प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अमुतसर

श्रमृतरार, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश मं० सं० एस० आए०/82-83/162-यतः मुझे, आनंद सिंह आई० आए० एस० आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाब खटीका ग्रम्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता श्रधिकारी के ग्रम्तसर में रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, क्षिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (६) प्रम्तरण से हुई किसी ग्राप की बाबन उक्त ग्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी घन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

पन: पब, उक्त प्रिवित्यम को धारा 269-ग के प्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रश्नीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात ---18-226GI/82 (1) श्रीमती नीता मेहरा पत्नी वीन वयाल मेहरा श्रीर दीत दयाल मेहरा पुत्र जरन दाम मेहरा वासी 33 णिव सागर वरली हिन रोड़ बंबई 18 श्रीर दीपक मेहरा पुत्र दीन दयाल द्वारा दीन दयाल मेहरा मुखतार ।

(प्रन्तरक)

- (2) श्रामती सुपमा ग्ररीड़ा पतनी मनोहर लाल अरोड़ा ग्रंदरून लोहगड़ गेट कटड़ा दूलो ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

उस्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रसि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, औं उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनृस्ची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाव खटीका ग्रमृतसर में है जैमा सेल डीड 16909/17-12-81 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह, ग्राई० श्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रोन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनाक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आ२०/8०-83/163--यतः मुझे, श्रानंद सिंह, आई० आ२० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो ढाज़ खटीकां अमृतसर में स्थित है (स्रोर इससे उपाश्व प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा स्रिधकारी के कार्मीलय स्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्रीमती नीना मेहरा परनी दीन दयाल मेहरा श्रीर दीन दयाल मेहरा पुत्र चरत दास मेहरा वासी 33 शिव सागर वरली शेड़ बंबई 8 श्रीर दीपक
- (2) मेहरा पुत्र दीन दयाल ब्राग दीन दयाल मेहरा मुख्यतार (अन्तरक) मोहन लाल अरोडा पत्र राम लाल भाजार

मोहन लाल अरोड़ा पुत्र राम लाल भाजार कनक मंडी, श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) आसा ऊपर नं० २ में कोई किरायेदार हो। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) धगर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं 0 1284/10 जो ढान बटीकां श्रमुतसर में है जैसा सेल डीड रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> आनंद मिह आई० आर० एस∙ सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिवांक: 27-7-1982

प्ररूप ग्राई० टी• एम० एस०--

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की **धा**रा 269-च (1) के प्रशीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्वेण सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/164--यतः मुझे, श्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- र० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाव खटीकां समृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय समृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जनित साजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अक्षिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित छहेश्य मे जक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व स कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम, या घन-कर प्रिविचम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत। अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों ग्रयांत् :— (1) आमती नीना मेहरा पत्नी धीन वयाल मेहरा घौर दीन दयाल मेहरा पुत्र श्री चरन दास मेहरा वासी 33 शिव सागर वाली हिल रोड़ बंबई 18 श्रीर दीपक मेहरा पुत्र श्रीदीन दयाल हारा दीन दयाल मेहरा मुखतार

(म्रन्तरक)

(०) श्री मनोहर लाल ग्ररोड़ा पुत्र करम चंद ग्रदंखन लोहगड़ गेट कटड़ा दूलो ग्रमृतसर

(मन्दरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पृत्ति में हितबव्ध हैं) को यह पूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्रव्हीकरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बही मर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

1/4 भाग जायबाद नं० 1284/10 जो ढाव खटीकां अमृतसर में है जैसा सेल डीड 16850/16-11-81 रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह, आई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजुंग रेंज-3 चंद्रपुरी श्रमृतसर

दिनांक: 27-6-1982

नीहर: 🚦

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भ्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/165---यतः मुझे, श्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

प्रौर जिन्हों। सं० एक जायदाव है तथा जो रेस कोरस् रोड प्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतमर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त निभिन्यम के नधीन कर दोने के नन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क्ष्मान (1) श्रीमती शीला राय पुत्री जसवंग राय वासी 30 इस कोरस रोड अमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बरिन्द्र सिंह राजिन्द्र सिंह पुत्रान सोहन सिंह वासी केरों मार्कीट अमृतसर ।

(श्रन्सरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 1 में कोई किरायेदारहो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) ग्रौर कोई (बह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मरित में हितबद्ध है)

को यह स्वता जारी करके पृवासित सम्पृत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंधा हैं।

अनुत्वी

1/4 भाग जायदाद जो रेस कोर्स रोड़ श्रमृतसर मे है जैसा सेल डीड नं० 174302/8-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, श्रमुलसर

विनोक: 27-7-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, विनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/166--यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७० से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० एक जायदाद हैं तथा जो रेम कोर्स रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निष्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उपत श्रीविनयम के श्रधीन कर देने के सम्तर्क के वासिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीप/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य धास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त धिविसम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए।

कतः भव, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिक्त व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) परीतबा कालो पुत्नी इंद्र सैन 30 रेस कोर्स रोड, अमृतसर ।

(मन्तरक)

(2) वरिन्द्र सिंह रिजन्द्र सिंह पुत्रान मोहन सिंह वासी केरों मार्कीट, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके नार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितनस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **सर्ज**न के लिए कार्य<mark>वाहियां</mark> करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विमा गया है।

अमसची

1/4 भाग जायदाद जो रेम कोर्स रोड ध्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं ० 17429/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

त्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, ग्रमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

प्रकृष माई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, विनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/167--यत. मुझे, ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेस कोर्स रोड़ अमृतसर मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमुतसर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे प्रचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अमुझरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभाषा (1) कै अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) कुसुम सुरी पुत्री इंद्र मैन 30 रेस कोर्स रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) वरिन्द्र सिंह रिजन्द्र सिंह पुतान सोहन सिंह वासी केरो मार्कीट ग्रमृतसर

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- (4) और कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकों।

स्पष्टीकरणः—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायवाय जो रेस कोर्स रोड़ श्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 17428/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

स्रानंद सिंह, स्राई० स्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, स्रमृतसर

विर्माक: 27-7-19**8**2

प्रकथ आई॰ टी॰ एन॰ एस॰------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश मं० ए० एस० ग्रार०/82-83/168---ग्रतः मुझे, ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेस कोर्स रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन्या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में म्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, दिस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मधु चावला पुत्री इंद्रसैंन 30 रेस कोर्स रोड़ भ्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) नरिन्द्र सिंह रिजन्द्र सिंह पुतान मोहन सिंह वासी केरों मार्कीट, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैमा ऊपर मं० 2 में कोई किराण्यार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई

(वह क्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध हैं) उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

1/4 भाग आयदाद जो रेस कोर्स रोड श्रमृतसर में जैसा सेलडीड नं० 17427/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारी श्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानंद सिंह, ग्राई० म्रार० एस० सक्षम प्रधिकारी महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, भ्रमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269व(1) के ब्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/169--यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से आधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट न्यू गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची मे और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालम अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफन के लिए सम्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (प्रन्तरकों) और झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने से भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थातुः---

- (1) श्री वैद प्रकाश पुत्र पूर्ण चंद धजीत नगर श्राप मुखतारमाम । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रमेश कुमारी पत्नी विजय कुमार कटड़ा मोहर सिंह कूचा भागिरयां श्रमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)
- (4) ब्रौर कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह मुचना जारी करके प्वॉक्न मम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को नारीख से 4.5 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की नामीन से 3.0 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सुचना के राजात्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है '

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गारडन कालोनी सरकुलर रोड़ ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16274/3-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह् श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, श्रमुससर

दिनांक: 27-7-1982

प्रकृष् बाइं., टी., एत्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/170-यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000 रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो न्यू बारडन कालोनी भ्रम्तसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुव् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वरि/या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ——
19—226GI/82

- श्री देव प्रकाश पुत्र पूरन चंद, वासी अजित नगर, अमृतसर आप और मृखतार खास। (अन्तरक)
- 2. श्री विजे कुमार पुत्र तारा चंद जैन मार्फत में. बैली राम तारा चंद जैन, गुरू बाजार, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कित सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं. 26 जो सरकालर रोड, न्यू गार्डन कालौनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 16289/4-12-81 रिजम्ट्रॉकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण), अर्जन रोज,3 चंद्रप्री, अमृतरार

तारीख: 22-7-1982।

मोहर '

प्ररूप आर्डिटी एन एस - ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महा्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 27 ज्लाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/171--यतः भुक्षे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगित्त जिसका उत्तित बाजार मृख 25,000/- रा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो जिला गुरदासपुर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कत संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक स्पार्थ के शिश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त ग्रिधिनियम, को धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्कतु अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) विरुद्ध सिंह पुन पान सिंह नाम। भगवर तहसील गुरदामपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो हर्गजन्द्र सिह् पुत्र चनन सिंह् वार्सा वीराम वडाला तहसील जिला ध्रमृतसर ।

(अन्तर्गि)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपृत्र में प्रकाशन की, तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 कनाल 10 मरले जो गांव कोटली नंगला सिवल लाइन्स गुरदासपुर में हैं जैसा सेलडीड नं० 6283/ 22-12-81 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> ग्रानंद सिह, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजन रेंज, 3 चंद्रपुरी, श्रमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस . -----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-3, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/172-यतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक, विसम्बर, 1981 ।

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दािशस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रा वेद प्रक्राण पुत्र पूर्ण चंद वासी अजीत नगर भाष श्रीर मुखताएआम मिन जानन मालक फर्म मैं० रमेश और कंपनी कटड़ा श्राहलूवालिया अमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) जमजात वालिया (शशा) पत्नी डा० सुखविन्द्र सिंह वालिया 75 गोल्डन एवेन्यू, हैंडन्वाटर वर्कम रोड़ श्रमुतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध है)
 स्त्रो यह सूचना चारी करके प्वाक्ति सम्पत्ति के वर्षन के सिए
 कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्र सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अमृस्ची

एक ध्नाट नं० 49 जा सरकुलर रोड़ श्रावादो न्यू गार्डन कालोनी खसरा नं० 1331-1332 मिन ग्रमृतसर में है जैसा संलडोड नं० रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> स्रानंद सिंह म्राई० स्रार० एस० सक्षम स्रविकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी, स्रमृतसर

दिनांक : 22 -7 -1982

प्रकृप जाइं. टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

क्नर्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, स्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एम० श्रार०/82-83/173-यतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसके। सं० एक प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालृषित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिगियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में ० रमेश एंड कंपना कटड़ा म्राह्लुवालिया अमृतसर द्वारा वेद प्रकाश पुत्र पूर्ण चंद भ्रजीत नगर ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- (2) जगजीत वालिया पत्नी डा० सुखविन्दर सिंह वालिया 75 गोल्डन एवेन्यू, हैंडक्वाटर वर्कस रोड़ श्रमृतसर। (श्रन्तरिता)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पृत्ति है)
- (4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिक्ष-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अड्डवाय में दिया गया है।

नम्स्ची

एक प्लाट नं० 49 जो संग्र्युलर रोड़ श्राबादी न्यू गार्डन कालोनी खसरा नं० 1331-1332 मिन श्रम्तुतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16345/4-12-81 रजिस्ट्राकत्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

भ्रानंद सिंह भाई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज 3, चंद्रपुरी, श्रमृतसर।

दिनांक: 22-7-1982

प्ररूप आइं.टी.एन्.एस्.-----

आयुकर अमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता-4, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० सी०/14/रेंज--4/कल०/82-83—-यतः मुझे, के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो काला बाजार लेन, जिला नर्द्धमान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रेलिक्ती श्रिधकार, के कार्यालय नर्द्धमान में रिजस्ट्रेलिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 14 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल हे एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के स्लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गो, भी उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्कित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री क्षेत्रनाथ चौधरी

(श्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमती सुकृति चौधरी (2) मुमित चौधरी (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जम् के सम्बन्ध भी कार्य भी कार्अपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**ची**

जमीन-7कटठा मकान समेत पता-4, काली बाजार रोड़, पो० एवं जिला बर्द्धमान, दस्तावेज संख्या-1981 का 9587।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज 4, कलकत्ता।

दिनांक: 5-7-1982

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एम्. एस.

भायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांवः ८ जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० न० 2021—-ग्रनः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी सकान है तथा जो गाव—घीटा तालुका—फुटोयाना, जिला जूनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से जिलत है), रिजस्ट्रीक स्ति श्रीधकारों के कार्यालय, मानावदर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्बर्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिस्त व्यक्सियों, जुर्थात् :-- (1) श्राराम खांडसरा सुगर मिल्स गांव≔चाटा, तालुका → फुटीयाना, जिला—जूनागढ़ ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रा फाल्ड मार्मल खाडतरी उद्योग की ग्रांर सं भागीदार श्रा मोहन लाल माहोदास गाव-रानावाव, तालुका-पोरबंदर, जिला जूनागढ़।

(ग्रन्तरितो)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखन में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

फैक्टरी, श्री राम खांडसरी की जमीन का कुल क्षेत्रफल 12140-18-76 वर्ग मीटर है, जो गाव-चौटा, तालुका-मानावदर, जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार मानावदर रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 334/दिसम्बर, 1981 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा $269^{-5}(1)$ के अधीन स्चना

अनुसूची

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 2020— श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 6 है तथा जो गांव—जोणीपरा, जिला—जूनागढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट िकसी आय की बाबत जनत अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए; सौर्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुरिशा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री पटेंस छगन रामजी श्रीर अन्य जोशीपुरा, जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्रीनाथजी नगर फो-ग्रो०-ए० सोसायटी लिमिटेड, प्रमुख-श्री भगवान जी गोविंदभाई हेश्मा जोशीपरा, जुनागढ़ ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काह भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 29 गृष्टा है, 10619 वर्ग यार्ड है, जो गांव—जोशीपरा, जूनागढ़, में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, जूनागढ़, रजिस्ट्रीकर्सा बिक्रीखत नं० 3940/10-12-81 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1. श्रहमदाबाद ।

दिनांक 1-7-1982

प्ररूप वाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज 1, ग्रहमदाबाद

घहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2019—श्रत मुझ, श्रार० श्रार० शाह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के भ्रधीन नजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिंबत बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 104, प्लाट नं० 46 से 49, 50 से 52, 57 से 59 श्रौर 60 से 63 है सथा जो भारती बाबा की वाड़ी, एस० टी० स्टेन्ड के पीछे में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड़ ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनाक 5 दिसम्बर श्रौर 5 फरवरी, 1982 को पृवाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नां लिंकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बिल से बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देंगे के प्रकारक के शाबित्व में कमी करने या उपसे वधने में बुविका के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या अन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकटनहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः उकत अधिनियम की भ्रारा 269-च के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्थात्:——

- (1) श्री दीलसुख भारथी मोरन भारथी की छोर में पी० ए० एच० श्री धीमभाई एन० गोहेल, भारती बायुकी बाडी, एस० टी० बस सटेन्ड के पीछे, जूनागढ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बाल मुकुन्द कां० ग्रो० ए० सोसायटी की ग्रोर से प्रमुख श्री मूलदास फरसनदास ग्रगरवट, के/ग्रो० टीपटोप फर्नीचर मार्ट, कालवा चौक, जूनागढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां सूरु करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्काकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 908 65 वर्ग मीटर + 1208 65 वर्ग मीटर = है जो भारती वाबा की वाडी एस० टी० बस स्टेन्ड के पीछे, जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 409/5-2-82 श्रौर 3877/5-12-81 है।

प्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज 1, श्रहमदाबाद ।

दिनांक . 1-7-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा २६७-घ (1) के अधीन मुचन

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

एरणाकुलम, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० एल० सी० 588/82--83---यतः मुझे,पी० जे० तोमसकुटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, तथा जो निडिडीबपेकर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय निडिडीवपेस्टर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति **के उचित बाजार मृ**ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया)) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गाग गया प्रति-फल िंग्गी त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ वास्तीतक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मो कभी करने या उससे अचने में स्टिश के लिए; और/भ
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सर धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात :---20-226 GI/82

(1) श्री स्नान्टणि

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर वी० के० भास्कर

(ग्रन्त्रां≀ी)

को यह स्थना जारी करक पूर्वाकत संपरिए वं अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वाकत क्यितियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (ब) इस सुमना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24,992 Cents of land in Sy. No. 1076/1 of Trichur Yown.

> पी० जे० तोमसकुट्टी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, एरणाकूलम

28-7-1982 दिनांक

मोहर

प्ररूप आई¹.टो.एन.एम.-----

आयकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० 5/एस० भ्रार० करार्वर/फरवरी 82/747/82-83--यतः मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सि० स० नं० 232ए/3ए है तथा जो शहर नोल्हापुर तह०-करार्वर, जि०-कोल्हापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक करार्वर में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ। पूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- '(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती **प्रनुसय**ाबाई दनाजीराव भोमले 'मृख निवास' 232 ई० वाई, नाराबई पार्क कोल्हापुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीभिती रानीबाई जुडीमल चंदवाणी मेमोरियल ट्रस्ट, चेयरमैन श्रीर ट्रस्टी श्री जेडीमल हेमनदास चंदवाणी 233, ई० वार्ड, मुर्वे कालन्दी, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रापर्टी सि० स० नं० 232ए/3ए शहर कोल्हापुर, ता० करार्वर जि० कोल्हापुर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 675 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक करार्वर के दफ्तर में लिखा है)।

> श्चार० के० श्रग्रवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक: 29-7-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कायालय, राहत्यक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पुनः

पुना, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश स० ए० 5/एस० ग्रार० हवेली 1/जाने 82/749/82-83—यन मुझे, ग्रार० के॰ ग्राग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा के ब्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

स्रोर जिसकी स० सि० स० न० 285, सब प्लाट न० 4 है तथा जो शिला बिहार कालोनी गुरडवणा पुणे 4 से स्थित है (भार इससे उपायद्ध स्ननुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निवधक हवेली 1 में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1998 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाकत मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीय एसे अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्दर्शय र उक्त अन्तरण निम्नित्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गया था या किया जाना शिहिए था छिपान में स्विधा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए क अन्सरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—— (1) श्री जनार्दन के० नेने 68, मयुर कालोनी पुणे— 411029

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदानंद के० शेट्टी "श्रराधना" दूसरी मंजिल प्लाट नं० 4, सि० सं० नं० 285, पुणे-411004 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपू .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यय 20-क मे परिभाषित है, वही अथे होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी सि० स० नं० 285, सब प्लाट नं० 4, शिला दिहार कालानी, एरंडवणा, पूणे 4 में स्थित है।

(जैंसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 506 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक हवेली 1 के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रार० के० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 29-7-1982

प्रकप आई० टी• एन• एस०---

प्रायकर अ^{रविदिल}स, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रशीन सवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 29 जुलाई 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के भर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के नारण है कि स्थावर संति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० सब प्लाट नं० 15, प्लाट नं० 479, सि० स० नं० 1105 है तथा जो भाबुरडा, शिवाजीनगर, पुणे मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रमुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवधक हवेली II में, रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1982

- (क, ल ६ स हुई किस' वाय का बाबत खबत खांध-ता पद्मी। इंट देने का अप्तरक के दायिख म कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- का प्सी किया आज । किसी बन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधितियम, 1922 (1922 (1921) या उक्त अधितियम या धनकर भ्रिधितियम, 1957 (1957 के) 27) के भ्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गना जानिए था, खिपाने में सुविधा व लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :-- (1) मैसर्स नारंग बिल्डमं और निरनदास श्यामदास नारग 1292, 3/12, छोले पथ, शिवाजी नगर, पुणे-5।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर केशव देशमुख मचित्र, दिप्ति महकारी गृहरचना सस्स्था 479/15, शिवाजी नगर, पुणे-16। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए एतत्त्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क भारत के संबंध में की है या आक्षेप :--

- (क) इस सूचना इ राजयब ये प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती को, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति मे
 हितबद किसी अन्य स्थक्ति ज्ञारा, प्रशोहस्ताक्षरी
 के पास निष्कित में किए हर सनेते।

स्वब्दी तरमः ---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में रिभापित है, वही अयं होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

श्रापर्टी सब प्लाट न० 15, प्लाट नं० 479 सि० स० नं० 1105 जो भांबुरडा, शिवाजी नगर पुणे में स्थित है।

(जैमे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 3806 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक हवेली-1ि के दफ्तर में लिखा है)।

> ग्रार० के० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिनांक : 29-7-1982

प्रस्प बाह् . ती एन एस -- ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 29 जुलाई 1982

निर्देश स० ए० 5/एस० स्नार० सहमदनगर/फरवरी 82/748/82-83--यन मुझे, स्नार० के० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राम अधिक है

यौर जिसकी य० य० न० 25/332/1, प्ताट न० 66 से 72, 74 से 78 21 में 22 है तथा जो भिस्त बाग साबेडी, श्रहमदनगर में स्थित है (ग्रीर इसम उपायद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है) ,रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुर्यम निवधक श्रहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी 1982

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क द्रममान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसक द्रममान प्रतिकल से एसे द्रममान प्रतिकल का प्रदृह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल । (नम्नालिक उद्दर्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रारित्य को कसी रूपत या नुस्से नुष्यन के प्रांचिता के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. (न्हीं नार्यार नीर के नाया का. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती दुरारा २१ नहीं किया गया या किया राम नहीं राष्ट्र भी छिपान में रास नाया या किया राम नहीं राष्ट्र भी छिपान में रास नहीं राष्ट्र भी छिपान में

प्रत अब, उपत नाधांत्रम की धारा 269-ग क अनुमरण भ , भ , उजत श्रिवायम की धारा 269-ध की उपथारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) मैसर्स श्रीराम एजेन्मीज भागीदार श्री दामोदर शकर रणाविकर

(अन्तरक)

(2) श्री अर्रावद किसारगाव श्रागवान, मुख्य प्रवंतक-श्रष्टविनायक सहकारी गृह निर्माण सस्था मर्यादित, नगर श्रवंन बैंक कर्मचारीया के लिए श्रहमदनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपरित के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में ममाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्न में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी स० न० 25/332/2, प्लाट न० 66 से 72, 74 से 78 21 से 22, मिस्त बाग, सावेडी, ग्रहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीइत विलेख क० 312 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक ग्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

भ्रार० के० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, पूना

रिनाक 29-7-1982 मोहर प्ररूप आई.टो.एन.एस.------

(1) श्री जी० पन्नीरसेलवम

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) श्री ग्ररुखानि ग्रम्माल विसालाकशी

(ब्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० 9584---यतः मुझे, ग्रर० पी० पिल्लैं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 1985, 1986, 1988, 1989 है, जो श्रानदान कीयल करूर (डाकुमेंट सं० 4180/81) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करूर (डाकुमेंट स० 4180/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी १८३ या किसी धन या यन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यांक्तयों में से किसी क्यांक्त ब्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1985, 1986, 1988 और 1989 श्रानदानकोयिल (डाकुमेंट सं० 4180/81) ।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:---

दिनांक: 27-7-1982

(1) श्री णनम्हम श्रौर ग्रलगप्पन प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० सी० जैंकब जोसम्मा जैंकब (श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश सं० 11770-यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕-रु. से अ**धिक है**

श्रीर जिसकी मं० सर्वे सं० 189/3, है जो वठविल्ल में स्थित (भ्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णि है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्मेंट सं० 5714/81) मे रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन, विसम्बर, 1981

का पूर्वीक्त संपीत्त के उचित बाजार मत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्कस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चनाकी प्रामील से 30 दिन की अविधि, आरे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि सर्वे 189/3, वठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5714/81)

भ्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--

विनांक: 30-7-1982

प्ररूप आई' टी.एन एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

- य स रकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश सं० 11770—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चत उत्तत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 189/3 है तथा जो वठविल्ल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 5713/81) मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्तिखत ये बास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) प्रत्यरण से हुई कियो आप भी बाबत, एक्ट प्रधि-तियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरण के प्राथित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, मा धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भिन्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शनमूहम, श्रौर श्रलगप्पन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रलेगजेंडर जान सारम्मा जान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्व जो भी प्रविध चाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी प्रन्य व्यक्ति बारा अगेहस्ताक्षरी के पान निखिन में किए जा सहेंगे:

स्राज्ञीकरण --इसमे प्रयुक्त कादी और पदों का जो उक्त अधि-विश्वस के अष्टपाय 20का है निर्माणित है, बही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवाग है।

अनुसची

भूमि सर्वे मं० 189/3, वठवल्लि (डाकुमेंट मं० 5713/81)

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ां, मद्रास

दिनांक : 30-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-Il, मन्नास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश मं० 11770—यत मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 189/3, है तथा जो वठविल्ल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (श्राकुमेंट सं० 5712/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ गब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् —— 21—22601/82

(1) श्री शतमुहम श्रीर प्रलगप्पन

(भ्रन्तरक)

(2) फिलिप अन्नाहीम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 189/3 वठविल्ल (डाकुमेट मं5712/81)

ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मन्नास

दिनांक: 30-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा <u>269-</u>ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, गद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देण सं० 11787—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/—रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० सर्वे 70/2, (डाकुमेंट सं० 5316/81) है जो संगन्र में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुस्वी में

श्रीर जिसकी मं० सर्वे 70/2, (डाकुमेंट सं० 5316/81) है जो संगनूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, गांशीपुरम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएस य पाया गवा प्रति-फल, निम्निसिस उब्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को वापित्व में कामी कारने या उसमे क्वने में मुजिधा क 1940 और /अ।
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :——

(1) श्री राम जिल्लप्य खौठर

(म्रन्तरक)

(2) राम एमन आर० वसर्गनि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्थिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वे मं० 70/2, मंगन्र कोयभ्बत्र (डाकुमेंट मं० 5316/81)

न्नार० पी० पिल्ली. सक्षम प्राधिकारी सहासक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 30-7-1982

प्रकथ मार्घ.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देण सं० 11766—यतः मुझे, श्रारं० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस्नकी सं० सर्थे सं० 188 है तथा जो बठबल्लि में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 5531/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वो क्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मिलिशत उद्दोश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या छससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

(1) राभ के पोन्नुस्वामी

(अन्तरक)

(2) लीला श्रशाहिम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित् के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास, निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे मं० 188, वठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5531/81)

श्चार० पी० पिल्सी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राक्ष

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीम, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अधीत्:---

विनांक: 30-7-1982

प्ररूप धाई• टी• एम• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश मं० 11766--यतः मुझे, स्रार० पी० पिल्लै, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उल्लान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाभार मुल्य 25,000'- रु० से प्रधिक श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 188 (डाकुमेंट सं० 5625/81) है जो वठवल्लि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूरुष से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यभान प्रतिकत का परद्वह प्रतिगत प्रधिक है ग्रीर अस्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य मे उक्त ध्रग्तरण लिखित में वास्तवित का ने तथित नहीं किया गया है:→-

- (क) अन्तरा में हैं किसी आय का बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं प्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या क्या जाना वाह्य वा, जिनाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अबः उनत श्रिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत श्रिधिनिगम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- (1) श्री राम के॰ पोन्नुस्वामी

(श्रन्तरक)

(2) टी० ए० अन्नाहिम कुन्जम्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवादियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडटोकरण: --इमर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अयं होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि सर्वे 188, वठवल्लि, कीयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 5625/81)

भ्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक: 30-7-1982

मोहरू 🖫

संघ लोक सेवा आयाग

नोटिस

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा 1983

नई विल्ली, विनाक 4 सितम्बर 1983

म० एफ०14/ $3/\sqrt{2}$ -प० [(ख)—सघ लाक सेवा आयोग द्वारा नीचे पैरा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदो पर भर्ती हेनु 20 फरवरी, 1983 को अगरतला, अहमवाबाद, एंजल, क्ष्णाहाबाद, बगलोर, भाषाल, बम्बई, कलकता, चंडीग α , कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानग γ जयपुर, जम्म्, जोरहाट, कोहिमा, लखन α , मद्रास, नागपुर, पणजी (गावा), पटना पोर्ट ब्लेयर, शिलाग, श्रीनगर और ब्रिबेन्द्रम से एक सम्मिलत परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यवि चाहे ता उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रा तथा तारीखा में परिवर्सन कर सकता है। यश्चीप उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र दने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों का उक्त परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थला) की जानकारी दे वी आएगी [नीचे पैरा 19(ii) देखिए]।

उम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सब्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने इस केन्द्र से परिवर्तन चाहुना है जो उसने उक्त परीक्षा हेनु अपने आवेदन से निद्धिष्ट किया था तो इसे मचिव, सथ लाक सेवा आयोग को इस बान का पूरा औंचित्य बताने हुए एक पत्न रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्शन नयी चाहुना है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 20 जनवरी, 1983 के बाद प्राप्त अनुरोधों का किसी भी स्थित से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 2. जिन मेवाओ/पदों पर भर्ती की जानी है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे वी गई हैं —
 - (i) रेलवे से महायक प्रभागीय विकित्सा अधिकारी—**
 - (ii) आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य मेवा से कनिष्ठ वेतनमान पद लगभग (**) रिक्तियां* ।
 - (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद---**
 - (iv) दिल्ली नगर निगम में निकित्सा अधिकारी लगभग 50*

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

- **रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नही की गई है।
- *अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारो के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के अनुसार ही सकता है।
- 3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक मेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये आबेदन कर मकता है। उम्मीदवारों को उचित समय पर मेवाओं/पढों के लिये अपना बरीयना क्रम बनाना होगा।

यित कोई उम्मीववार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन पत्न भेजने की आव-स्यकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नही, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

- 4. पास्नता की शर्तः
- (क) राष्ट्रीयताः उम्मीदवार को या तो .---
- (i) भारत का नागरिक होना चाहिए या
- (ii) नेपास की प्रजा, सा
- (iii) भूटान की प्रजा, या
- (iv) ऐसा तिब्बती भारणार्थी, अ। भारत ने स्थायी रूप से रहने की इच्छा में पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो या
- (२) कोई भारत मूल का व्यक्ति जा भारत से स्थायी स्प से रहने की इक्छा में पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलका, और कीनिया, उगाडा तथा सयुक्त गणराज्य तजानिया, (भूतपूर्व तगानिका और जजीबार) के पूर्वी अफीका के देशों से या जाबिया, मलाबी, जेर और इथोपिया और वियलनाम से आया हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) और (v) वर्गो के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पान्नता (एलि-जीबिलिटी) प्रमाण पन्न होना लाहिए।

परीक्षा से ऐसे उम्मीवनार का भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पक्ष आवश्यक हो परीक्षा से बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्न विष् जाने पर ही दिया जाएगा।

- (ख) आय्-सीमा पहली जनवरी 1983 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1983 में ली जाने वाली परीक्षा के लिये आयु मीमा मे 1-1-1983 को 40 वर्ष तक की छूट दी जा मकती है।
 - (i) यदि उम्मीदत्रार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक गांच वर्ष तक,
 - (ii) यदि उम्मीदबार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का नास्तिक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रक्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
 - (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह । जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान मृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला वेश) से प्रक्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
 - (iv) यदि उम्मीद्रथार अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका में वस्तुत: प्रत्याविति होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल ७५ में भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक में अधिक तीन वर्ष तक,
 - (v) यदि उम्मीदबार अनुसूचिन जाित अथवा अनुसूचित जनजाित का हो और साथ ही अम्तूबर 1964 के भारन श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुत प्रत्यावितित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप में भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष तक,
 - (vi) यदि उम्मीक्षणार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगाडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जाबिया, मलाबी,

जेरे और इथियों पिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूजित जाति या अनुसूजित जनजाति का है
 और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है तथा
 कीनिया, उगाडा तथा संयुक्त गणराज्य तजानिया (भूतपूर्व
 तागानिका तथा जंजीभार) से प्रम्नजन कर आया है या
 जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मूल का
 प्रत्यावितित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष,
- (viii) यदि उम्प्रीदवार : जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा में बस्तुत: प्रत्यावतित होकर भारत मे आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक सीन वर्ष तक,
 - (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जत जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद बर्मा वस्तुतः प्रत्याविति होकर भारत से आया दुआ मूलक भारत व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठवर्ष तक,
 - (४) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले से अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ सबर्ष के अथवा अशानिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग हुए तथा उसके परिणास स्थल्प निसंक्त हुए
 - (४і) रक्षा सेवाझो के उन कमेचारिया के मामले में अधिक ने श्रधिक ब्राट वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संधर्ष में ब्रथवा श्रशातिग्रस्त क्षेत्र में फौशी कार्रवाई के दौरान विकलांग क्रुए तथा उसके परिणासस्वरूप निर्मुक्त हुए हों श्रौर जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित अनजातियों के हैं,
- (xii) यदि काई उम्मीदयार वास्तिवक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपद्म हो) श्रीर ऐसा उम्मीक्षार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूताबास द्वारा जारी किया गया श्रापातकाल का प्रमाण-पन्न है, भीर जो वियतनाम से जुलाई 1975 में पहले भारत नहीं श्राया है तो उसके लिये अधिक अधिक तीन वर्ष,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूजित आित या अनसूजित अन जाति का हो तथा नास्तिक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति (जिसके पाम भारतीय पारपन्न हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पाम वियतनाम में भारतीय राजदूतवाम द्वारा जारी किया गया भाषानकाल प्रमाण-पन्न है तथा जो वियतनाम भे जुलाई 1975 से पहले भारत नही आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहिल) ने 1 जनवरी, 1983 को कम में कम वर्ष की मैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या मैनिक सेवा से हुई शारी-रिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इतसें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल । जनवरी, 1983 से छ: महीनों के अथ्यर पूरा होना हैं) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (XV) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सिह्त) ने 1 जनवरी, 1983 को कम से कम पाज वर्ष की सैनिक सेना की है और जो कदाचार था प्रक्रमता के पाधार पर वर्षान्त या मैनिक सेना से हुई सारीरिक अपंगता या अक्रमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य जारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त

- हुए हैं। (इनसे वे भी समितित हैं जिनका कार्यकाल र जनवरी 1983 से छ महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जा अमुसूनित सातियों या अनुसूचित जम जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष नक।
- (XVI) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से जाम्न-विक जिस्सापित व्यक्ति है और भारत में । जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, ५७3 के बीच की अवधि के दौरान प्रवजन कर आया था तो अधिक में अधिक तीन वर्ष तक।
- (xvii) यदि कोई उम्मीदबार अनुसूचित जातिया भनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से बाल्नविक विस्था-पित व्यक्ति है और भारत में ! जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर आया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित श्राय सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं वी जाएगी।

प्रायोग जन्म की वह नारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या किसी भारतीय विवविश्वालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विवविश्वालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटो के रिजस्टर मे दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुक्षित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हा या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्न मे दर्ज हो, ये प्रमाण-पत्न परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

श्रायु के सम्बन्ध में कोई श्रन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुड़ली, शपणपत्न, नगर निगम से श्रौर सेवा श्रभिलेख से श्राप्त जन्म सम्बन्धी, उद्घरण, तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेगे।

भ्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए, "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न" वाक्यांश के भ्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित है।

टिष्पणी 1.— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि श्रायांग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की नारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्न में दर्जे हैं और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

िटप्पणी 2.— उम्मीदबार यह भी ध्यान रखे कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने शीर श्रायोग द्वारा उमें श्रपने श्रीभलेख में दर्ज कर लेने के बाद उममें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमित नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यतार्

उक्त परीक्षा मे प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम०बी०बी०एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागो में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी 1.—मह उम्मीववार भी भ्रावेदन कर मकता है जिसने फाइनल एम०बी०बी०एम० परीक्षा दे ली है या जिसको भ्रभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार भ्रन्यथा पाल हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रकेश दे दिया जाएगा परन्तु उनका प्रवेण श्रनितम रहेगा तथा फाइनल एम० बी०बी०एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रामीगिक भागों का उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रह कर दिया जाएगा। उभत्त प्रभाण बिस्तुत भावेदन पक्ष के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के भाकार पर महंता प्राप्त करने वाले उम्मीववारों द्वारा भायोग को प्रस्तुत करने पहेंगे, साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

िष्पणी 2.— उक्त परीका में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात है जिसे मधी मिनवार्य रोटेटिंग इंग्टर्निशप पूरी करनी है, किन्तु कमन हो जाने पर उन्हें चिनवार्य रोटेटिंग इंग्टर्निशप पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया चाएगा।

s. णुलकः:

परीक्षा में प्रवेण चाहने वाले उम्मीदवारों की प्रायोग की रू० 28 00 (अहाईस अपए) [अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जातियों के सामले में क० 7 00 (सात रुपए)] के मुल्क का भगतान करना होगा जोकि सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग का नई दिस्ली की स्टेट बैंक प्राफ हंडिया की किसी भी भाषा हारा जारे। किए गये रेक्सिकत नैंक ट्रापट या अधिक सघ लोक संबा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान डाउघर पर देय रिक्सिकत भारतीय पास्टल आईर के रूप में हो] विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित मुल्क भारत के उच्च आयुवत या विदेश रिष्ट प्रतिनिधि के वाय व्याप परीक्षा मारक हों, जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा मारक" के लेका भीजी चाहिए। जिन आवेदन प्रपन्नों में इन अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी I~- उम्मीदशारों को इपने आवेदन-पल प्रस्तुन करने समय बैक अपट की पिछली और उपर के निरे पर इपना नाम नथा पता लिखना चाहिए। पोस्टन आईरों के मामले में उम्मीद-आप पोस्टल आईर के पिछली और इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम पता पता लिखे।

टिएपणी 11- व्यदि कोई ऐसा उम्मीदयार 1983 की परीक्षा में प्रवेण हेतु आवेदन करने का उच्छुक है जिसने "सम्मिलित चिकित्सा मेवा परीक्षा, 1982" दी है मी उसे परिणास या नियुवित-प्रस्ताव का उत्तजार किए बिना आयोग के कार्यालय को अपना आवेदन पत्न निर्धारित नारीख तक अवस्थ भेज देना चाहिए। यदि उसे 1982 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर निय्वित हेतु अनुग्रंमित कर दिया जाता है सो 1983 की परीक्षा के लिये उसकी उस्मीदवारी उसके कहने पर रह कर दी जाएगी बणत कि उस्मीदवारी उसके कहने पर रह कर दी जाएगी बणत कि उस्मीदवारी पह करने और गुक्क वापनी का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1982 की परीक्षा के फाइल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की सारीख से 30 दिन के अन्दर तक प्राप्त हो जाता है।

6, आबेदन कैसे करें

प्रारम्भिक परीक्षा मं प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को "रोजगार ममाचार" दिलांक । तिनम्बर, 1982 में यथा प्रकाणित श्रायोग के नोटिम परिणिष्ट II में प्रकाणित श्रावेत-प्रपन्न पर मिवन, संघ लोक मैवा श्रायोग, घौलपुर हाऊम, नयी दिल्ली-110011 को ग्रावेदन करना चाहिए। उम्मीववार समाचारपत्नो या 'गेजगार समाचार' में प्रकाणित श्रावेदन-प्रपन्न मृल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम स्वमं अपने हांभों में वाल पेन में भर सकते हैं। वे सपेद कागज (फूल स्केप साइज) पर केवल एवं तरफ सफाई के साथ इक्क रपेस पर टेकित ग्रावेदन प्रपन्न को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राववेट एजें-सियों में उपलब्ध छो हुए श्रावेदन-प्रपन्न तथा उपस्थित पत्नकों को प्रयोग में ला करते हैं, बणाों कि वे एन विज्ञापन के "रोजगार समाचार" दिनाक में त्रावेदन , 1982 में यथा-प्रकाणित श्रायोग के नोटिस के परिणिष्ट II में प्रकाणित नम्ने के श्रन्य हो। उम्मीदवार ध्यान रखे कि पिर्ली परीक्षाओं के निये प्रयुक्त प्रपन्नों पर भरे गए श्रावेदन-पन्न स्वीकार नहीं किए जाएंगें।

भ्राबेदन-प्रत्न के लिफाफे पर भाफ-भाफ मोटे श्रक्षरों में "सम्मिलित चिकित्सा भेवा परीक्षा, 1983 के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए।

- (क) उम्मीदशार को अपने आविष्य-प्रपन्न के साथ निम्मलिखित प्रपन्न भेजने चाहिए:
- (i) निर्शाणित णुक्त के सिये प्रेम्सांनित सैंक द्रापट/भारतीय पोस्टल आर्डर या भारतीय भिणन की रसीद, (ii) फ्ल स्केप साइज पेगर पर विधिवत भग हुमा अपस्थित-पवक "रोजगार समाचार" दिनांक 4 स्विन्स्वर, 1982 से यथा प्रकाशित ध्रायोग के नीटिस के परिशिष्ट II के अनुसार), (iii) अम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ध्राकार (लगभग 5 सेंबनीं ० ७ सेंबनीं ०) के फोटों की वो एक जसी प्रतियां—एक ध्रावेचत-पपन्न पर तथा दूसरी अपस्थित प्रकार, में निर्धारित स्थान पर लगी हो, (iv) एक पोस्ट कार्ड ध्रापने पत्त के साथ, (v) 11.5 सेंब मीं ० × 27.5 सेंबनीं ब्राकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे ध्रपने पते के साथ।
- (ख) उम्मीदवार ध्यान रखं कि आवेदन-प्रपत्न भरते समय भारतीय प्रांकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक सकूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिष्चित कर लें कि जो आवेदन-प्रपक्ष वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस वारे मे विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-प्रपक्ष में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर भुपाइय हों। यदि ये प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती ह या भामक है तो उनके निर्वेषन में होने बाली आर्मिन या महिष्यता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।
- (ग) सभी उम्मीदनारों को, चाहे ने पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रौद्योगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैरसरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदनार ने अपना आवेदन-प्रपत्न अपने नियोकना के द्वारा भेजा हो भौर वह संघ लोक सेवा आयोग में देर में पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही नह नियोक्ता की आखिरी नारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में हो, स्थायी या श्रम्थायी हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कार्मचारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति णामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिक्चन (श्रन्डरटेकिंग) प्रस्तुन करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय/शिभाग के श्रष्ट्यक को सूचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए शाबेदन किया है।

उम्मीदनारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि धायोग को उनके नियोक्ना के उनके उक्त परीक्षा के लिए धाबेदन करने/परीक्षा में बैठने में सम्बद्ध धनुमनि रोकते हुए कोई पन्न मिलना है तो उनका धाबेदन-पन्न धस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

नोट: जिन स्नावेदन-पत्नों के साथ निर्धारित शृत्य संलग्न नही होगा या जो अध्रे या गलन भरे हाए हों, उनको एकदम प्रस्थापृत कर दिया जाएगा और किसी भी अयस्था मे स्रस्थीकृति के संबंध में श्रध्यावेदन या पत्र-ध्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपक्षों के साथ आय और लैकिक योग्यता, तथा 'अन्,मूचित जाति और मन्,मूचित अनजाति आदि वा प्रमाण-पल प्रस्तुत नहीं करना होगा। उमलिए वे उस बात को सनिष्टित कर कर तें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पायता की सभी क्षतों को पूरी करते हैं या नहीं।

भ्रतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः श्रनंतिम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे

पालद्वा की सभी वार्ते पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रह हो जाएगी।

उम्मीदवारों से धनुराध है कि वे उक्त लिखित परीधा का परिणाम निसके मई 1983 में भोषित किए जाने की सभावना है, घोषित होने के बाद धायोग को जल्दी प्रस्तृत करने के लिए निम्नलिखित प्रलेख की अधि-प्रमाणित प्रतियां तैयार रखें

- ा. पायुका प्रमाण-पत्र
- 2. शैक्तिक योग्यता का प्रमाण-पन्न।
- 3. आहां लागू हो, बहां परिशिष्ट I में निर्धारित प्रपक्ष से अनुसूचित आति/अनुसूचित जनआति का होने के दावे के समर्थन से प्रसाण-पन्न।
- 4. जहां लागृ हो, बहां श्रायु/शृरक मे छूट के बाबे के समर्थन में प्रमाण-पत्त ।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तत्काल बाद आमीग सफल उम्मीदघारों से अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रक भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पद्मों की अधिप्रमाणित प्रतिमा इस प्रपन्न के साथ आमीग को भेजनी होगी। मूल प्रमाणपत्र माआत्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

यदि उनके द्वारा किए गए दाने सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके विकाफ आयोग द्वार नीचे के पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्मवाही की जा सकती है।

- 7. जो उम्मीदवार निम्नांकित कवाचार का दोषी है या श्रायोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है:—
 - (i) किसी प्रकार में श्रपनी उम्मीवसारी का समर्थन प्राप्त करना या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या
 - (iii) भपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
 - (iv) जाली प्रलेखों या फेर अवल किये गा प्रलेख प्रस्तूत करना या
 - (v) अभुद्ध या अभश्य जम्मत्य्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखनाया
 - (vi) उम्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनिवन साधन ग्रपनाना या
 - (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
 - (viii) उत्तर पुस्तिका (श्रो) पर श्रमंगत बानें लिखी हों जो श्रश्लील भाषा या श्रभद्र श्रीणय की हों या
 - (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दृष्यंबहार करना या
 - (X) परीक्षा चलाने के लिए भायोग द्वारा नियुक्त कर्मआरियों की परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षिति पहु- चार्ड होया
 - (Xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेरित प्रवेण प्रमाण-पन्न के साथ जारी किसी अनुदेण का उल्लाधन किया हो।
 - (Xii) उपर के खड़ो में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्यको करने का प्रयास किया हो या करते के लिए किसी को उकसाया

- हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया आ सकता है और साथ ही:—
- (क) यह जिस परीक्षा का उप्मीवबार है जसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा थह
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए; स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जिन किया जा सकता है, और
- (ग) अगर षह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमात्रली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात होगा।

किन्तु शर्ते यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्रि तब तक नहीं दी जाएगी जब तक ---

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, को वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तृत अभ्यावेदन, यदि कोई हों, पर विचार न कर लिया गया हो ।

९. आयेवन प्रपन्न लेने की अन्तिम तारी अस्त

भरा हुआ आवेदत-पत्न आवष्यक प्रलेखों के साथ सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011, को 2 नवस्वर 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाव द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 15 नवस्वर, 1982, तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए।

असम, मेधालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैंड विपुरा सिक्सिम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्थिति जिले, अंडमान और निकोबार हीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने बाले उम्मीवनारों से आयोग यदि नाहे तो इस बान का लिखिन प्रमाण प्रस्तुन करने के लिए कह सकता है कि वह 2 नवम्बर 1982 से पहले की किसी नारी के से सम, मेघालय, अरुणावल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाब प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले अण्डमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

- नोट (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के गहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्न संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार हजाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात, असम, मेबालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न सिलें।
- नोट (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आपने आवेदन-पन्न संघ लोक नेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराण या रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें । आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गण आवेदन-पन्न के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने याले किसी भी प्रावेदन पर विचार नहीं किया जाणगा।
- 9 परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा:--
 - (क) लिखित परीक्षा :--- उम्मीवबार दो-वो घंटे की अवधि के निम्न-लिखित दो प्रश्नपत्नों में परीक्षा देगा जिनमें नीचे दिए विषयों पर

यस्तुपरक प्रश्न होंगे । ये अधिकतम 200 अंको के होगे । दोनो प्रश्न पक्षों में ऐसे प्रश्न होगे जिनमे विभिन्न विषया के अंको का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा —

प्रक्तपन्न I (कोड स० I)

अको का प्रतिशत

- (i) मामान्य आयुविज्ञान जिसमें हृदयरोग विज्ञान त्तविकाविज्ञान त्वचारोग विज्ञान और भनोरोग विज्ञान सम्मिलित है।
- (ii) प्रात्य विज्ञान जिसमें कर्ण-नासिका-कंठ, नेव विज्ञान, अभिधात विज्ञान और विकलांक विज्ञान सम्मिलित है।

40 0/

6000

प्रक्रम पद्म II (कोड मं० 2)

(i) शिशुरोग विज्ञान

- 20 0 40 0 %
- (ii) स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसृति विज्ञान
- (iii) निरोधक सामाजिक तथा साम्दायिक आय्-

1000

(बा) लिखित परीक्षा में अर्हनाप्राप्त उम्मीदबारों का व्यक्तित्व परीक्षण

200 3年

टिप्पणी I--नमुने के प्रश्न महित बस्तुपरक परीक्षण से मम्बद्ध ब्यौरे के उल्लेख करने वाली "उम्मीदवार सूचााः विवरणिका ''उम्मीदवारो को प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजी जाएगी।

टिप्पणी II--उम्मीदवारों को बस्तुपरक प्रश्नपत्नों (परीक्षण पुस्तिकाओ) का उत्तर देने के लिए केलकुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें कैलकूलेटर परीक्षा भवन में नहीं लाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद होने वाले किसी भी आयेदन पर विमार नहीं किया आएगा।

10. जो उम्मीदबार लिखिन परीक्षा से आयोग द्वारा अपनी विवक्षा से निर्धारित न्युनतम अर्हक अरू प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा क्यक्तित्व परीक्षण हेन् साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मन हा कि अनुसूचित जातियों या अनुमुखित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के हेतू साक्षात्कार के लिए नही बुलाए जा सकते है तो आयोग अनुमूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तिया को भरने के लिए सामान्य स्तर में छुट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेनु साक्षात्कार के लिए ब्लासकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामास्य जानकारी और अमना की परीक्षा करना होता है भीर साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिक्षामा समीक्षात्मक सूझ-बूझ की शक्ति सन्तित विवेचन मीलता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सन्यानिष्ठा स्वत प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मृल्यांकन किया जाता है।

11. माक्षारकार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखिन परीक्षा और ध्यक्तित्व परीक्षण के अंको के कमण. $66\frac{2}{3}\%$ स्रोर $33\frac{1}{3}\%$ का महत्व देते हुए कुल मिला कर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारो की योग्यता के कम से आयोग हारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जिनने उम्मीदवारों को 22-226GI/82

आयांग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी कम में नियुक्ति के लिए अनुगसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिस्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता.

परन्तु अनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जनजातियो के लिए आए-क्षित रिक्तियों से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नही भरी जा सकती हैं उतनी के लिए स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदशारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बणर्ने कि परीक्षा में उनको योग्यता के अस से निरपेका च्य मे वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

- 12. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को व्यक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्त्रयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा, परिणाम के सम्बन्ध में आयोग जसके साथ कोई पक्ष-व्यवहार नही करेगा।
- 1.3 इस नोटिस के उपबन्धों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदनारों की नियक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्नों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई बरीयसा के आधार पर विचार किया जायेगा।
- 14. परीक्षा में सफल होने माल से नियमित का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पृष्ठनाष्ठ के बाद सरकार इस बात से सत्घ्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्व यून के आधार पर उसन मेवा में निय्क्ति के लिये मर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार को नियुक्ति के लिये यह भी एक मर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरिशाप सफलतापुर्वक पुरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी सन्तष्ट हो ।
- 15 उम्मीदवार का मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी भारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक निद्ध हो मके। सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदबार इन अपेक्षाओं की पृति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नही होगी । व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषिन किये गये सभी उम्मीदवारों को स्थास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गटिल चिकित्सा बोर्ड के पास णारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगाः ।
 - 16 कोई भी व्यक्ति:---
 - (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बैबाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नि जीवित हैया
 - (मा) पनि या परिन के जीयिन हाने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है:

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नही होगा।

परन्त् यवि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और सिवाह से सम्बद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागु वैयक्तिक कानन के अनमार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकता है।

- 17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने श्लोगे। किसी भी हालन में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की महायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- अयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये अहंक (क्वालीफाइंग) अक निर्धारित कर सकता है।

आयोग के साथ पत्न-व्यवहार

निम्नलिखित को छोड़ कर आयोग अन्य किसी भी गामले में उम्मीद-वार के साथ पत्न-व्यवहार नहीं क³गा —

- (i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पन्न जिसमें देर में प्राप्त आवेदन पन्न भी सम्मिलित हैं, की पांकती दी जाती है तथा आवेदन पन्न की प्राप्ति के प्रतीक्ष के स्पा में उम्मीदनार का आवेदन पनीकरण सख्या जारी की जाती हैं। इस तथ्य का कि उम्मीदनार का आवेदन पनीकरण सख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह मतलब नही है कि आवेदनपन्न सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा रतीकार कर लिया गया है यदि परीक्षा से सम्बन्धित आवेदन-प्रपन्नों की प्राप्ति की आखिरों तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदनार वो अपने आयेवन पन्न भी पावसी न सिले तो उसे पावसी प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सस्पर्क करना चाहिए।
- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आयेषन पश्च के परिणाम की सूचना यथाशीन्न दे दी जाएगी । किन्सु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेषन पन का परिणाम के सूचिल किया जायेगा । यदि परीक्षा के णून हाने की नारीख में एक महीने के पिलले नक उम्मीद्यार को अपने आवेषनपत के परिणाम के बारे में सघ लोक में बायोग में कोई सूचना न मिले थी परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्कार सम्पत्त स्थापित करना आहिए । यदि उम्मीद्यार ने ऐसा नहीं विया तो तह अपने गामले में विचार किये जाने के दाने में बंचित हो आयेगा ।
- (iii) किसी भी उम्मीववार का उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेण नहीं दिया जायेंगा जब तक उसके पास प्रवेण प्रमाण पत्त न हो।

केवल इस तथ्य का वि तिसी उम्मीदियार को उक्स परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्न आरी कर दिया गया है यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदिवारी अन्तिस रूप से टीक मान ली गई है या कि उम्मीदिवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आयेवन पत्न में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदिवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदिवार के लिखिल परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेनु गाक्षात्कार के लिये अर्ह्मना प्राप्त कर लेने के बाद ही उसकी पालता की णहीं ना मूल प्रलेखों में सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपनारिक रूप से ज्यमीदिवारों की पृष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदिवारी अनितम रहेगी।

उम्मीदनार उपत परीक्षा में प्रवेण रा पात है या नहीं है उस तारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखं कि प्रवेश प्रमाण पत्न में नहीं-कही नाम तकनीकी कारणों में संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकती है।

(iv) उम्मीदवार का इस बात की व्यवस्था कर लेंनी नाहिए कि उसके आयेदन पक्ष में प्रत्लिखित पते पर भेजें गए पक्ष आदि, आवश्यक होंने पर, उसकी बदले हुए परी पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग की उसकी मुचना प्रथाणीं हा दी जाती चाहिए । आयोग ऐसे परिवर्तनी पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करना है, किन्त इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्यपूर्ण --- आयोग के साथ सभी पत्न-त्र्यवहार में नीचे लिखा क्यौरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए

- । परीक्षाकानामः।
- अविदेन पंजीकरण में अथवा उम्मीववार के जन्म की तारीख यदि आविदेन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है

- उम्भीक्वार का नाम (पुरा नग माटे अक्षरों में)
- । आवेदन-एक्स में दिया गया डाक का पता

विशेषध्यान (i) जिन पक्ष में यह क्यौरा नहीं होगा, मभव है कि उन पर घ्यान न विया जाए।

विशेष श्यान (ii) . यदि किमी उम्मीदवार से कोई पन्न/सप्रेषण परीक्षा हा चुकने के बाद प्राप्त झाता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुत्रमांक नहीं है ता इस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नड़ी की अप्येगी।

- 40 आवेदन पत्र प्रस्तृत करने के बाद उम्मीदनारी की दापसी के लिए उम्मीदनार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया आएगा।
- 20 इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओ पर भर्ती की जा रही है उनके सक्षिप्त विवरण परिणिष्ट-I में दिये गये हैं।

विनय झा, संयुक्त सचिव

परिणिष्ट-ไ

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं से भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं ~-

- I. रेत्वे में महायक प्रभागीय निकित्सा अधिकारी
- (क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है । पद का वेतनमान कर 700-40-900 दर रोर 40-1100-50-1250-दर रोर 50-1600 (परिशोधित वेतनमान) है । इसके अलावा समय-समय पर प्रथिति आदेशों के अनसार प्रतिबन्धित पैक्टिम निषेध भन्ने भी होंगें । फिलहाल ये दरे चाल है .--

 1— 5 स्टेंज
 कंठ 150-प्र० मा०

 6—10 स्टेंज
 कंठ 200-प्र० मा०

 11— 5 स्टेंज
 कंठ 150-प्र० मा०

 16वीं स्टेंज से आगे
 कंठ 300-प्र० मा०

तिजी प्रैक्टिम को प्रतिबन्धित या निर्धिक करते हुए समय-समय पर रेलवे भन्त्रांलय या अस्य उक्त प्राधिकरण हारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा । जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हा उनको उपर्युक्त वैतनमान में नियमानुसार प्रारंभिक बेतन दिया जायेगा । दूगरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का त्यूनतम

- (ख) उम्मीदवार को दो माल की परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक रामञा जाये तो सरकार उस अवधि को आगे वढ़ा सकती है। परिवीक्षा की अयधि को सन्तेषजनक कंग से समाप्त करने पर वह अस्थाई हैसियत में उनको आगे चलाया जायेगा।
- (ग) परीक्षा की जबिश में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोना नरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है । नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेंगी।
- (घ) उम्मीदवार को रेलवे सवालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा श्रीर गमी विभागीय परीक्षाओं में उन्हींर्ण होना पडेगा।
- (क) उम्मीयवार रेलवे पेंशन नियमों से नियन्नित होगा और राज्य रुववे भविष्य निधि (गैर-अंशवायी) के समय-समय पर लागृ नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

- (चं) उम्मीदवार समय-ममय पर प्रथतिन और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाण का अधिकारी होगा।
- (छ) उम्मीदवार लमथ-गमय पर प्रवतित नियमा के अनुभार नि.णुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।
- (ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के आद दो साल के अन्यर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पहेगा।
- (झ) नियमानुसार, उपयुंक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सर्वधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यक्षित अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

- (क) नियुषित की नारीख से 10 वर्ष की समाध्न के बाद पूर्वास्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (खा) सामास्यतः 45 वर्षं की आयु हो जाने के बाद पूर्वीवत रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ग) संगणनीय भेषा—जो व्यक्ति उन नियमों के अधीन उन पदो पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेजवे स्थापना संहिता के नियम 2423 क कि में निक 104 (ख)] में निर्धारित शर्ते लागू होती हैं, वे उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।
 - (ट्) जो बानें ऊपर विनिर्विष्ट क्ष्प से कहीं गई है उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलये स्थापना संहिता और समय-समय पर परिणोधित/ प्रवर्तित निथमों के अधीन कार्य करेगा।
 - (ट) प्रारम्भ में उम्मीववार को पार्ष्वस्थ स्टेंशनो के रेलने स्वास्थ्य केन्द्रीय औषधालयों में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलने में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।
 - (इ<u>)</u> उच्चतर ग्रेडो में <u>वेतनमानों और भक्तो सहित प्रदोन</u>्नति के अवसर
 - (i) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त येष्ठ में नियमित नियुक्ति के बाद पाच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (विरिष्ठ बेतनमान) के पदो पर पदोक्ति के पात है। इन पदों का बेतनमान के 1100-1800 है। जिसके साथ 1 मेन 9 तक की अवस्थाओं तक रू 300/- प्रति मास भीमित पैक्टिम निर्पेश भना तथा 10 अवस्था से आगे कु 350/ प्रकृमार प्रैक्टिम निर्पेश भना ग्राह्म है।
 - (ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/विरिष्ठ अिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेंड में नियमित नियुक्त के आद पाध वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा अधीक्षकों के पदों पर पदोक्षित के पान हैं। इन पदों का बेतनमान कर 1500-2000 है तथा साथ में कर 500/- प्ररु मारु प्रैक्टिस निर्पेध भना ग्राह्म है।
 - (iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है। र० 1500-2000 के ग्रेड में मेवा वर्षों की संख्या आवार पर विकित्सा अधीकक/अतिरिक्त सुख्य विकित्सा अधिकार। रु पर्वे। पर पद्योक्षति के पान्न हो जाते हैं। इस पद का बेतनमान रु० 2250-2500 है तथा साथ में ४० 500/- प्र० मा० प्रैशिटस निषध भत्ता ग्राह्म है।
 - (iv) ऐसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्षे की मेवा कर ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पान्न है। इस पद का बेतनमान कर 2500-2750 है तथा साथ में म 500/-प्ररुपार प्रैक्टिस निषेध भक्ता ग्राह्म है।

- (क) कर्नच्य और दायित्थःसहायय प्रभागीय विकित्सा अधिकारीः
 - (i) वह प्रतिदिन और आत्रक्ष्यक होने पर भीतरी बाह्री और ब्रष्टारी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
 - (ii) बहु लागू विनियमों के अनुसार अम्मीदथार और मेबारत कर्मचारियों की धारीरिक परीक्षा करेगा।
 - (iii) वह अपने अधिकारक्षेत्र में पश्चार नियाजन, लोक स्थास्थ्य और स्थल्छना का काम देखेगा।
 - (iv) वह सामान विकेताओं की जांच करेगा :

- (v) यह अस्पताल के कमंत्रारियों में अनुशासन और कर्त्तब्य पालन के लिये उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हा करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और माग पत्न तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रख-रखन्व और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।
- नोट (1) : जब सहार प्ररु पिरु अरु किसी प्रभाग ते मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कलस्यो में उसे गहायता देगा किस्तु विशेष रूप में उसको कुछ कार्य और दायित्व भी मौथे जा सकते हैं।
- नोट (এ) : सहा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सीपे गये अन्य कर्नव्य भी निभाने होंगे।
- II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आय्ध्र तथा आय्ध्र उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य मेया मे सहायक चिकित्सा अधिकारा के पद —
- (क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेंतनमान २० ७००-१०-१०० द० रो० - ४०-११००-५०-१३०० हैं तथा साथ में समय-भमय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रैक्टिंग निषेक्ष भन्ता (प्र० नि० भ०) । इस समय यर निम्नलिखित हैं ——

- (ख) उम्मोदधार नियुक्ति की नारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा । यह अवधि मध्यम अधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा भकतो है । परिवीक्षा अवधि संतीपजनक ढोग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिश्व पर स्थायी किए अभि तक अस्थायी हैसियस से कवापा जाएगा।
- (४) उम्मीदशार की भारत में बही भी किमी आयुध कारण्याना अस्पताल या औषधालय में रिश्त किया जा सकता है।
 - (घ) किसी भी प्रकार की निजा प्रैक्टिस करना मना है।
- (ज.) परिवीधा की अवधि में और उसके बाद अस्यायी निय्वित के दौरान दोनों तरफ से एफ महीने का नोटिस देकर निय्वित को समाध्य किया जा सकता है। गरकार की नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का अधिकार होगा।
- (भ) उच्चतर ग्रेडों के बेननमान और भर्त्तों महित पदोन्नति के अवगर:---
- (i) ब्राज्य वेतनभाग —वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्थास्थ्य सेवा

किनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी विरुट्ठ चिकित्मा अधिकारी/सहायक निदेशक स्वारण्य सेवा के विरुट्ठ वेतनमान के लिये पाव होगे । वेतनमान कु 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित वरो पर प्रैक्टिम निपेधभला ---

1-3 स्टेंज	₹,0	250/- प्रतिमास
4-5 स्टेंज	≠o	300∤- प्रतिमास
6-7 स्टेम	Fo	3 5 0∤- प्रतिमास
8-9 स्टेज	Ŧ, 0	400/- प्रतिमास
10-11 स्टेम	₹ø	450/- प्रतिमास

(1i) सुपरटाइम ग्रेड II--प्रधान चिकित्मा अधिकारी/उप निवेशक स्वास्थ्य सेवा

बरिष्ठ बेसनमान (यरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निवेशक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमित सवा और स्नामकोत्तर योग्यना रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिवारी/उप निवेशक, स्वास्थ्य सेवा के मुपर-टाइम ग्रेड-II में प्रदोन्नति के लिए विचार किये जा सकते हैं। बेननमान रु० 1500-60-1800-100-2000 है नथा क० 600/- प्र० मा० की दर से प्रे॰ नि॰ भ०।

(iii) मुपर टाइप ग्रेड 1 निदेशक स्वास्थ्य संवाए

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निर्देशक स्थारथ्य सेवा ६ वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर ७० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में ६० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भने के बेतनमान वाले निदेशक स्थास्थ्य सेवा के स्पर टाइम ग्रेड-I में निय्कित के पास होगे

- (छ) कार्यस्वरूप—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी
- (i) वे प्रतिदित और आवश्यक होने पर अस्पताल के वार्डों के विभागों के अतरग रोगियों और औषधालयो/बिहरग विभागों के रोगियों की देखेंगे।
- (ii) वे नियमों के अनुमार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने बाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) के सभी उपस्कारों का रख रखाव और देखभाल अपने प्रभाग म रखेगे।
- (iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लाक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।
- (v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनु-शासन और कर्नव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगे।
- (v) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सींप गए अन्य कार्य भी करेगे।
- (2) जी० डी० ओ० ग्रेड 1 स्वास्थ्य मेवा महायक निदेशक और विराह विकासा अधिकारी
- (क) मुख्यालय मे पदम्थ स्वा० से० म० नि०/स्वा० से० उ० के निदेशन पर चिकित्सा सबधी सभी विषयों में कर्साच्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (खा) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनदिनी कार्य करने में बह स्वा० में० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौपे गए दूसरे कार्य भी उसका करने होने।

- (य) चिकित्सा भड़ार और उपस्कर में सबधित सभी प्रश्नो का समाधान करने में वह स्वां० सं० नि० की सहायता करेगा।
- (४.) वर्ष चिरु अरु---वर्ष चिरुअरु २५ प्रमण वाले किसी कारखाना अस्पताल और बड़ों की विक्लिस स्थापना के प्रभारी होंगे।
- (च) प्रभारी चिकित्मा अधिकारी के रूप में चिकित्सा सबधी सभी मामलो में भारखाना, महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेगें और आवश्यक अनुशसा करते रहेगे।
- (छ) नियमानुमार वे कर्मचारियो और उनके परिवार के सदस्यों क लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।
- (ज) वे किसी सर्विधि या सरकारी आदेश द्वारा निर्धारित या स्वा० से० नि० द्वारा सीपे गये अस्य कार्य भी करेगे≀ -
- (3) सुपर टाइम ग्रेष्ठ 11 स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी
- (क) मुख्यालय में पदस्य स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उनके मभी कार्यों मे उनकी सहायना करेगा।
- (ख) स्वा० से० नि० की गैंग्र हाजिरी छुट्टी या दौरे की अवधि में वह कारआता महानिवेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।
- (ग) प्र० नि० अ०---प्र० नि० अ०--- 75 पसग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी निकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (घ) प्रभागी चिकित्सा अधिकारी के रूप में व चिकित्सा सबधी सभी मामलो में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेगे और ग्रावश्यक अनुशंमा देते रहेगे।
- (ड) नियमानुसार वे कर्मचारियो और उनके परिवार के सदस्यों के लिये वे चिकित्सा का प्रविध करेगे।
- (च) किसी सर्विधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निवेशक द्वारा सीपे गये अन्य कार्य भी वे करेगे।
- (4) मुपर टाइम ग्रेड-1-स्वास्थ्य सेवा निदेशक
- (क) चिकित्मा और स्वास्थ्य सबधी सभी मामलो में कारखाना महा-निदेशक का चिकित्मा सलाहकार—ज्यावसायिक और प्रविधिक गमस्त मामलो में कारखाना महानिदेशक सगठन की चिकित्सा स्थापना का नियन्त्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारो का यह उपयोग करेगा।
- (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनो/अनुशमाओ का कार्यान्यन करने के लिए यह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियन्नक प्राधिकारी के रूप से बह आवश्यकतानुसार कारखानी मे कर्मचारियों का वितरण करेंगे।
- (त्र) सप्र लोक सेवा आयोग से सामान्यत कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधिश्व करेगे।
- (क) सामान्यत वर्ष मे एक बार वह सभी कारखानो का निरीक्षण करेगे या करा लेगे और निकित्सा स्थापना से संबक्षित सभी मामनो मे विकित्सा प्रतिष्ठानो की कार्यत्रिधि के सब्ध से कारखाना महानिवेशक का प्रतिवेदन भेगेगे।

- (च) वह स्था० से० उ० नि० की वार्षिक गांपनीय रिगोर्ट लिख्नेगे और समस्त प्र० थि० अ० व० चि० अ० और स० थि० अ० की रिपोर्टो की सभीक्षा करेंगे।
- 3 केन्द्रीय स्वास्थ्य शेवा के अधीन विनष्ट वेतनमान के पदी के सिक्षप्त विवरण
- (क) पद अस्थायो है किन्तु अनिश्चित बाल तक जल सकते है। उम्मीद-बारों को बनिष्ठ ग्रुप क' बेतनमान से नियुक्त किया जाएगा और नियुक्त की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परिवीक्षा के अधीन रहेगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या यहाई जा सकती है। परि-वीक्षा की अवधि की सत्रायजनव समाप्ति के बाद उनका यथासमय कनिष्ठ बेतनमान (२० २००-13००) से स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।
- (ख) उम्मीदवारों का केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा से मस्मिलिक किसी भी सगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पनाल से भारल में कही भी नियुक्त किया जा सकता है अर्थात् दिल्ली, बगनीर, बम्बई मेरठ आवि से चालू के कर स्वां में के कीयला खान/माइका खान अम कल्याण सगठन, असम राइकल्स, अरुणाचल प्रदेश, लक्ष्ट्रीप, अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह डाक तार विभाग आदि। प्रयोगणाला और परामर्ण सेवा महिन किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।
 - (ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्य है ----किनप्ट ग्रुप क वेतनमान

परिशाधित वेतनमान ६० १४४-४४-५४४-**-६० रा०-४**४--११४०-5

				प्रे० नि०	भ०
1		5 स्टेज	ት ዕ	150 স৹	मा०
6		10 स्ट्रज	रु	200 স৹	मा०
1 1वि	ास्टेज से आगे	Г	Fo	250 স০	मा०

जा अधिकारी कलिष्ठ वेतनमान से कम से कम पाच वर्ष की सेवा पूरी करते हो, वे वरिष्ठ वेतन से पदाक्षति के पाल होगे।

वरिष्ठ वेतनमान ग्रुप 'क

परिशोधित बेसनमान	क्∘ ।			1600 भि
1 सं 3 स्टेज तक	र०	250	স্ত	मा०
4 से 5 स्टेज तक	कु०	300	प्र०	मा०
ь सं ७ स्टे ज सक	क्र०	350	স৹	मा०
8 में 9 स्टेंज तक	म ०	450	प्र०	मा०
10 से 11 स्टेज तक	ች o	450	স৹	मा०

वरिष्ठ वेतनमान सं 10 वयं की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी रू० 1500-2000 के वेतनमान सं सुपर टाइम ग्रेड-1 से नियुक्ति के पात्र हो जाएंगे बहार्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकांत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएं हो।

विशेषज्ञकाग्रेड~II

परिशोधित वेतनमान	1100−5 0 −1500− ব ০ বা∘−60−1800	
	प्रे० नि० भ	9
1 से 3 स्टेंज तथ	≖० ३०० प्र० मा	3
4 से 6 स्टंज तक	হ০ <u>350 ম০ मा</u>	J

७ से ७ स्टेज तक	Το	400	प्र०	मा०
10 से 12 म्टेज तक	₹o	150	प्र०	मा०
13 में 14 स्टेज तह	Fo	500	प्र०	मा०

विशेषज्ञों के ग्रड-11--आठ वय की सेवा पूरी करने बाले और आवश्यक याग्यताओं से युक्त अधिकारी पदान्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों से विशेषज्ञ के ग्रेड-1 से पदान्नीत के लिए विचार क्षेत्र से आने हैं।

विशेषज्ञोकाग्रेड-1

परिशोधित वेतनमान । २० 1500-100-2000/125/2+ $^{\circ}$ 50

प्रे० नि० भ०

सुपर टाइम ग्रेड~II

क० 600 प्र० मा०

प्रे॰ नि॰ भा॰

रु० 600 प्र**०** मा०

बियोबकों के ग्रेड-1 या सुपर टाइम ग्रेड-H के पदधारी अधिकारी निय-मित रूप से इस में में किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर मुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-2 पर पदोक्षति के विचार क्षेत्र में आने हैं।

सुपर टाइम, ग्रेड−ा स्तर–11

परिकोधित वेननमान - क० 2500-125/2-2750

प्रे० नि० भ०

६० ६०० प्र० मा०

मुपर टाइम ग्रेड-। स्तर-।

परिशोधित वेतनमान	रु० 2500-125/2-275
	प्रे० नि० भ
	ह० ६०० प्रव मार्

सुपर टाइम ग्रेड—1 स्तर 1 मे भी रिक्तियों को उन्हें अधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड—1 स्तर 2 में दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हो। अगर यह सभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड—1 स्तर 2 और विशेषकों के ग्रेड—1 सुपर टाइम ग्रेड 2 में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी सभव नहीं हुआ तो विशेषकों के ग्रेड—1 और सुपरटाइम ग्रेड—II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की मेवा से युक्त अधिकारियों से भरा जाएगा।

4 विकित्मा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(1) वर्ग क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीझ स्थायी हो सकता है। वेतनमान क० २००-४०-१००-द० रो०-४०-1100-50-1300 तथा साथ से समय समय पर लागू आदेशों के अमुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिम निषेध भता (एन० पी० ए०) इस समय दर इस प्रकार है ---

1-5 स्टेंज — घ० 150/- प्र० मा० 6-10 स्टेंज — घ० 200/- प्र० मा० 11 स्टेंज तथा इससे आगे घ० 250/- प्र० मा०

- (11) उम्मीववार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यह अवधि मक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन अवधि के सतावजनक समापन पर वह तक मक अस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी किया जाता है।
- (III) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम क अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत कही भी किसी अस्पतास/दिस्पैंसरी/मातृ और शिशु कल्याण

तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जासकती है।

- (iv) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (v) परिजीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन की अविधि के धौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नीटिस देकर नियुक्ति

समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम की सांटिस के बदले में एक महीने का बेनन देने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेंडो में पदोन्नति की सभावनाए, जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलत है, भर्ली विनियमों के उपबन्धों के अनुमार होंगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16 Puly 1982

No. P/1782-Admn.II.—In continuation of this office Notification No. P/1782-Admn II, dated 3rd may, 1982, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri D. R. Sarin, an Accounts Officer in the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, as Finance & Budget Office in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1-7-1982 to 31-5-1983 or until further orders whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to darw any deputation (duty) allowance during the period covered by this notification.

2. This issues with the approval of Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/2/81-Estt.(B) dated 2-6-1982 and also with the concurrence of Accountant General, Haryana vide their letter No. Admn.I/GO/PF/IRS/2626 dated 13-7-1982.

The 6th August 1982

No. A. 12019/3/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 22-4-1982, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Research Assistants (Languages) of the office of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Junior Research Officer (Languages) in the Commission's Office on an ad hoc basis for a further period of three months w.c.f. 5-8-1982 to 4-11-1982 or until further orders whichever is earlier:

- 1. Kumari K. Bandyopadhyay
- 2. Shri M. L. Varadpande
- 3 Shri B. Ghosh
- 4. Shri S. B. Kodad
- 5. Shri A. N. Sarma

The above mentioned persons should note that their appointment to the post of Junior Research Officer (Languages) is purely on ad hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

KULDEEP KUMAR Section Officer

for Secretary Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DFPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 19th July 1982

No. 2/6/81-FST.—In continuation of Ministry of Home Affairs. Deptt. of Personnel and AR's Notn. No. 13019/9/81-Trg. II dated 17-3-1982, the ad-hoc appointment of Smt. Maniulika Singh to the post of Asstt. Professor of Hindi in the IBS National Academy of Administration, Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4th August, 1982 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

S. S. RIZVI Dy. Director (Senior)

CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th August 1982

No. 1-24/82-CFSL(Ad V.)—The Presdient is pleased to appoint Shri Hardan Singh, Senior Scientific Asstt. (Documents), Central Forensic Science Laboratory, New Delhi as Senior Sciencic Officer (Documents) in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation at

Scientific Aid Unit C.B.I. Madras Branch in a temporary capacity w.e.f. forenoon of 21st July, 1982 until further orders.

R. S. NAGPAI Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the August 1982

No. O.II-1234/75-Estt —The President is pleased to allow Shri Man Singh, Dy. S. P., of CRPF to retire voluntarily from service—under Rule 43(d) of CRPF Rules.

2. Shri Man Singh relinquished charge of the post of Dy. S P. 55 Bn on 30-6-82 (AN),

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICF OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 17th August 1982

No. 11/91/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Omesh Saigal, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service and at present holding the post of Administrator, Union Territory of Lakshadweep, as Director of Census Operations Lakshadweep, Ernakulam, Cochin in ex officio capacity with effect from the afternoon of the 21st July, 1982, until further orders.

The headquarters of Shri Omesh Sehgal will be at Cochin.

P. PADMANABHA Registrar General, India

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1982

No. 8 FC 2(6)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Expenditure (Civil), New Delhi, Shri B. M. Vedi, a Grade 'C' Stenographer of the C.S.S.S. and officiating as Grade 'B' Stenographer of C.S.S.S., has been appointed as Senior Personal Assistant in the scale of Rs. 650-1040 in the Eighth Finance Commission on deputation basis with effect from the forenoon of 1st July, 1982 and until further orders.

The 31st July 1982

No. 8 FC 2(7)-A/82,—Consequent on his transfer from the Department of Expenditure, New Delhi, Shri G. P. Sahni, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the scale of Rs. 700-1300 in the Eighth Finance Commission with effect from the foreneon of 1st July, 1982.

No. 8FC2(7)-A/82.—Consequent on this transfer from the Department of Expenditue (Defence Division). New Delhi, Shri M. N. Sharma, St. P. A. has been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 1100-1600 in the Fighth Finance Commission with effect from the forenoon of 29th July, 1982 and until further orders.

No. 8 FC 2(9)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Revenue, New Delhi, Shri P. L. Gambhir, Research Officer has been appointed as Research Officer in the scale of Rs. 700-1300 in the Eighth Finance Commission with effect from the afternoon of 21st July, 1982 and until further orders.

N. V. KRISHNAN Sccretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 10th August 1982

No. C.A.I/75-73.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Srivastava, Audit Officer (Comml.) serving in the

office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur has retired from service with effect from 31-5-1982.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CFNTRAL REVENUFS

New Delhi, the 16th August 1982

No. Admn.I/O.O. 223.—Consequent on his attaining the age of superanuation, Shri B. D. Saihgal permanent Audit officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-8-1982 His date of birth is 1st September, 1924.

A. S. MOHINDRA

Joint Director of Audit (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 10th August 1982
No. Estt/A/VII/9.86/Vol.II/90.—The Accountant General. Kerala is pleased to appoint Shri T. C. George Permanent Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 3-8-82 F. N. until further orders.

S. GOPALAKRISHNAN

Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICI' OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 2nd August 1982

No. OE I/GOs—Promotion/173—The Accountant General-Madhya Pradesh has been pleased to promote the undermentioned officiating Section Officer as Accounts officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name:—

S1. No.	Name	Permanent No.	Date of joining	Allocated to
	i Pati Ram S/o Bhop Raj	02/1596	2-8-1982	2 F.N.

(Authority; A.G.I & AG. II's order dated 2-8-1982).

B. K. ROY

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THF ACCOUNTANT GENERAL-I, RAJASTHAN

Jaipur, the 10th August 1982

No. Admn. II/Gaz. Notfn./400,—The Accountant General is pleased to promote Shri Chet Ram Sharma, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with efffect from 19-7-82 (FN) until further orders.

M. S. SHEKHAWAT

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 10th August 1982

No. 2342/A. Admn/130/82—The Director of Audit, Defence Service is pleased to appoint the undermentioned Substantive Section Officer (Audit) to officiate as Audit Officer, until further orders, from the dates noted against each:—

SJ. No.	Name	Office in which appointed	Date of appoint- ment
1	2	3	4
1. Shri V.	N, Chugh	Jt. Director of Audit, Defence Services (AF), Dehra Dun.	14-7-982

1 2		3		4
2. S. P Mathur	Def	Director of ence Servi Commanditt.	ces, Cen-	22-7-1982

R. S. GUPTA Joint Director of Audit, D. S.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 13th August 1982

No. AN/I/1681/5/Vol. I.—Shri C. V. Reddi, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 16-10-1982 (his date of birth being 17-10-1924) will be transferred to the Pension Establishment effect from 31-10-82 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31-10-1982 (AN) in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th August 1982

No. 39/82/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. G. Nair, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st July, 1982 (AN).

V. K. MEHTA Director

Calcutta, the 4th August 1982

No. 10/82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri Goverdhan Lal, Subst. & Permt. Assistant Offig. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-7-82 (A.N.)

D. R. IYER D. D. G. O. F./Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 27th July 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/318/55-Admn(G)/4313.—Shri M. F. R. Bijli officiating Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office is permitted to retire voluntarily trom Government service with effect from the forenoon of the 16th July, 1982 in terms of Rule 48 of CSS (Pension) Rules, 1972.

V. SESHAN

Joint Chief Controller of Imports and Exports. For Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 31st July 1982

No. 1/2/82-ADMN(G)/4379.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal, an officer of Section Officers grade and officiating in Grade I of the CSS to continue to officiate until further orders as Deputy Chief Controller of Imports and Exports (of CSS) in the Office of the Chief

Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 1st September, 1981.

A, S. KAUI

Dy Ch ef Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 19th June 1982

No. 6 1103 '75-ADMN(G) '3741.—On attaining the age of superannuation Shii K. C. Buiman, officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Colcutta, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th April, 1982.

The 11th August 1982

No. 6 492 58-ADMN(G)/4567.—Shri R. C. S. Menon officiating Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombav has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st July, 1982

J. K. MATHUR Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DFVFLOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 31st July 1982

No. A-31013/1/82-Admn(G)—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Small Industries Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each;—

, No. Name of the off	icer		Date from which appointed in a substantive capacity
1. Shri D.N. Kaul	,		23-1-66
2. Shri S.N. Dhir .			1-4-67
3. Shri N. K. Guha			17 -5 -68
4. Shri Basant Kumar			9-5-69
5. B. N. Bahl .			1-4-72
6. J. Sengupta .			1-4-72
7. Dr. R.B. Parmarthi			1-4-72
8. Shri P. M. Raol			27-4-74
9. Shri Sheoraj Singh			1-2-75
10. Shri S.L.N. Rao			1-2-75
11 Shri Mathura Prasad			4-1-76
12. Shri R. Pichumani			25-7-7 <i>6</i>
13. Shri R.R. Deshpande			18-8-77
14. Shri R.N. Sarma .			4-3-78

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th August 1982

No. A-1/1 (985).—Ihe President is pleased to appoint Shri Ravi Gupta, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis for a period of two months 23—226GI/82

with effect from the forenoon of 12-7-1982 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi,

2. The ad-hoc appointment of Shi Ravi Gupta as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 5th August 1982

No. 5603B/2181(SMA)/19B.—Shri S. M. Azhar, Asstt. Chemist, Geological Survey of India retired voluntarily with effect from 30-4-1982 (AN).

J. SWAMI NATH Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th August 1982

No. A. 19011(226)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri A. T. Sutaone, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the foremon of 24th July, 1982.

The 10th August 1982

No. A. 19012(151)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri C. M. Magotra, Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 21st July, 1982.

The 11th July 1982

No. A 19011(234)/82-Fstt.A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. N. Makode, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Burcau of Mines in the officiating capacity with effect from the afternoon of 6th May, 1982.

No. A.19011(307)/82-Estt.A.—On the recommendation of Union Public Sevice Commission the President is pleased to appoint Shri S. B. Gaidhani, Asstt. Ore Dressing Officer, to the post of Deputy Ore Ocessing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the afternoon of 24th July, 1982.

The 13th August 1982

No. A. 19011(296)/81-Estt.A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. N. Meshram, Junior Hydrogeologist. Central Groun! Water Board to the post of Assistant Minerial Teonomist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th July, 1982.

the 16th August 1982

No. A. 19012(139)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri B. S. Moroney, Asstt. Chemist to the post of Chemist in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 20th May, 1982.

No. A 19011(305)/82-Estt.A—On the recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to apoint Shri M. Sved Riyaz Ulla, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the function of 14th June, 1982.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 16th August 1982

No. C-5851/594.—Shri Bhagwan Singh, Technical Assistant (Sel, Gd.) who was appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India on ad hoc basis vide this office Notification No. C-5779/594 dated 20th December, 1981, is appointed to officiate as such on regular basis with immediate effect

G. C. AGARWAL Major General

Surveyor General of India.

DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 7th July 1982

No. A. 39012/1/82-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. (Smt.) Avinash Talwar, Dental Surgeon, Central Government Health Scheme with effect from the afternoon of 27th March. 1982 (AN).

The 10th July 182

No. A. 31013/1/81-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Officers in the post of Staf Surgeons (Dental) under the Central Govt. Health Scheme, in a substantive caacity with effect from the date menioned against each :-

- 1. Dr. Balraj Sur—with effect from 1st January, 1978.
- 2. Dr. G. L. Subherwal-with effect from 5th October,

T, C. JAIN Dy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATI- OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th August 1982

No. A-19023/24/78/A.III.—The Services of Shri J. K. Bhattachaya M D.O. of this Directorate at Faridabad, have been placed at the disposal of the Govt. of Libya as Refrigera-tion Engineer for a period of one year w.e.f. 30-11-1981 (A.N.) to 30-11-1982 (A.N.) on transfer out of India on foreign service terms

> G. S. SHUKI A Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India Bombay-400 094.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 6th August 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandke, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 24-5-82 (FN) to 25-6-82.

The 7th August 1982

No Ref: PA/79(4) '80-R-III - Controller, Bhabha Atomi Research Centre appoints Shri Abdul Karim Mohiudd'n Naik, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from 1-7-82 (FN) to officiate on an ad-hoc basis for the period from 1-7-82 (FN) to 31-7-82 (AN)

No. Ref: PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Gonalan Krishnamurthy, Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personn-1 Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 11-6-82 (FN) to 20-12-82 (AN) or until further orders whichever is earlier.

> $\mathbf{R} \subset$ PAT Dv. Establishment Officer

Registered A.D.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400094, the 5th July 1982

ORDER

No 10 340/73-Adm -- WHFRFAS SHRI J. S. LODH, Helper A (Safaiwala) in the Workcharged Establishment of D.E.M. has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 17-8-1981.

AND WHFREAS the following memoranda sent by registered A/D to Shri Lodh to the last known addresses at Bombay and Haryana have been returned undelivered by the Postal authorities with remarks "unclaimed":

- (1) Memorandum dated 17th October, 1981 directing Shri Lodh to report for duty forthwith.
- (2) Memorandum dated November 20 1981 proposing to take action against Shri Lodh and glving him an opportunity to make representation, if any within 10 days of the receipt of the said memorandum

AND WHEREAS the said Shri Lodh has continued remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts

AND WHEREAS the said Shri Lodh has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHERFAS because of his abandoning the service without keening the Directorate of Estate Management formed of his present whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry

AND NOW THEREFORE the undersigned hereby dismisses the said Shdi I odh from service with immediate effect.

H. N. SAXENA

Administrative Officer

Copy to: 1 Shri J S. Lodh, Chawl No. 16, Room No. 236, Bharat Nagar, Bandra (East), Bombay-400 051. 2. Shri J. S. Jodh, Village & Post Sanghl,, Dist. Rohtak, Haryana State.

Registered A.D.

Bombay-400 094, the 6th August 1982 ORDER

No. 2/603/77-Adm.—WHEREAS Shri D. V. Rajapkar, Helper 'A' DEM has been absenting himself from duty without permission from 12-4-1982.

AND WHEREAS the memorandum No. 2/603/77-Adm. dated July 7, 1982 sent by registered A/D to Shri Raiapkar to the last known addresses at Bombay and Ratnagiri has been returned undelivered by the Postal authorities with the remarks "not known"

AND WHEREAS the said Shri Rajapkar has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Rajapkar has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Managament formed about his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not practicable to take action provided for in the CCS (CCA) Rules, 1965.

NOW. THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAE Notification No. 22(1)/68-Adm. II dated 7th July 1979 and Rule 19(ii) of the CCS (CCA) Rules, 1965 hereby dismisses the said Shri Rajapkar from service with immediate effect

> H. N. SAXFNA Administrative Officer

- Bhagya Shiva tadhay Indirai Road, Raipada Copy to 1. Shi D. V. Rajapkar, Bhagy Chawl No. 208/34, Undirai Iadhay Malad (West), Bombay-64.
 - 2 Shri D V. Raiakar, At & Post: Girav Rede-band, (Via) Vijaydrug, Taluka Deogad, Dist Ratnagiri.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 9th August 1982

No. DPS/23, 4, 82-Est./17300—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Pandharmath Hari Swant temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from May 10, 1982 (FN) to June, 1982 (AN) vice Shri C. S. Shivaramu, Assistant Purchase Officer granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 10th August 1982

No. PAR/0704/3023.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri P. Venkata Rao, UDC to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 10-8-1982 to 11-9-1982 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016 the 13th August 1982

No AMD-1/4/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals D vision, Department of Atomic Energy hereby appoints Shir Parthasarathi Chattopadhyav as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 4, 1982 until further orders.

The 16th August 1982

No AMD-1/1/8J-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Thangavel as Scientine Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from afternoon of July 19, 1982 until further orders

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st July 1982

No. A-38013/1/82-FA.—Shi S. S. Bevli, Deputy Director Office of the Regional Director, Delhi retired from Government services on the 30-6-1982 on attaining the age of superannuation.

The 5th August 1982

No A. 35014/1/81-E. I —In supersession of this Office notification No. A. 35014/1/81-E.I. dated the 5-3-1982, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. N. Sharma, Audit Officer of the Director of Audit. Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the Headquarters Office, New Delhi, on deputation from 26-2-1982 (forenoon) to 29-2-1984, instead of for a period of three years from 26-2-1982 (FN).

The 10th August, 1982

No. A-32013/1/81-EA.—The President is pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of the following Officers to the grade of Senior Aerodrome Officers for the period mentioned against each:—

S. No.	Name	 	Station	Period
2. S 3. S	hri M. M. Saini hri H. S. Chawla hri R. L. Verma hri A. K. Basu		DGCA Hqrs Delhi Hqrs DGCA Hqrs DGCA Hqrs	14-2-82 14-2-82 14-2-82 31-5-82

S. GUPTA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd August 1982

No. A. 31013/1/82-FW.—The President is pleased to appoint Shri D. Shanmugham as Fire Officer in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 21st July, 1979.

E. 1. TRESSLOR Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th August, 1982

No. A. 38013/6/82-EC.—The undermentioned eight officers of the Aeronautical Commiunication Organisation relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation:

S. No	. Name & Designation	on Station		ate of
	S/Shrì			
1. S.	N. Sen, Asstt. Comm.	ACS, Calcutta	30-4-82	(AN)
2. K.	Officer. G. Nalr, Asstt. Comm. Officer	ACS, Madras	31-5-82	(AN)
3. A.:	N. Kutty Asstt. Comm. Officer.	ACS, Trivandrum	31-5-82	(AN)
4. A.	K. Chowdhury, Asstt.	ACS, Calcutta	31-5-82	(AN)
5. P.	Comm. Officer. M. George, Assit. Comm. Officer.	ACS, Trivandrum	30-6-82	(AN)
6. V.I	K.E. Sharma, Asstt.	ACS, Bombay	30-6-82	(AN)
7. V.S	Comm. Officer. S. Gupta, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Bombay	30-6-82	(AN)
8. P.	M. Pillai, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Madras	30-4-82	(AN)

PREM CHAND
Assistant Director of Admin.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th August 1982

No. 1/342/82-EST.—The Director General, Overscas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasan, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the periods from 15-3-82 to 3-4-82 and from 5-4-82 to 15-5-82, against short-term vacancies on ad hoc basis, and as local arrangement.

No. 1/520/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. A. Saldhana, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity. in the same Branch for the periods from 19-2-82 to 12-3-82 and from 15-3-82 to 31-3-82 against short-term vacancies, on ad hoc basis and as local arrangement.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.), for Director General

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 001, the 13th August 1982

No. 3(1)-CRB/82.—On the recommendation of the U.P.S.C. the President is pleased to appoint Shri B.R.C. Prasad as Principal Seamen's Welfare Officer, Calcutta in a temporary capacity with effect from 22-7-1982 (Forenoon) until further orders.

B K. PAWAR Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 11th August 1982

No. A-19012/987/82-Estt, V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K.

Mehta, Graduate Supervisor, on deputation with Divighat Hydel Project, Kathmandu (Nepal) under the Management of National Hydro-electric Projects Corporation Ltd., New Delhi, who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre Post to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Fingineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-1B-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

2. Shri Mehta would be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years w.e.f. 29th July, 1981.

No. A-19012/994/82-Estt. V. —Chairman, Central Water Commission appoints Shri Swades Ranjan Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asst. Engineer (Engineering) on a purely temporary and all hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35-810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a period of six months of till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 19th July, 1982.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 10th September 1982

No. 82/RE/161/6.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises situated on the complete section M.S.E.B. SIDING from EKAL HARA (Chainage 8221) to ODHA (km 198/307) of the Central Railway that the 25000 Volts, 50 Cycles A.C. overhead traction wires on these lines will be energised on or after 1st August, 1982. On and from the same date the overhead traction lines shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work on the proximity of the said overhead line.

HIMMAT SINGH. Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Karnataka Calcium Private Ltd.,

Bangalore, the 9th August 1982

No. 3025/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Karnataka Calcium Private Itd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE Registrar of Companies, Kamataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Gundhi Dawar Asian Valves Ltd., Bhopal (M.P.) Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1294/C.P./1367.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s Gandhi Dawar Asian Valves Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mrs. Sanchaya Finance (MP.) Private Limited

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1307/BSY/81/1369.—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Sanchaya Finance (M.P.) Private I inited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private Lunited, Indore

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1328/C.P./1387.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private Ltd., Indore has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bril Sons Employment and Commercial Services Private Limited, Satua

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No 1344/CP/1368.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Brij Sons Employment and Commercial Services Private Limited, Satna has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M15. Central India Development and Constructions Private Limited, Satna

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 352/C.P./1388.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Central India Development and Constructions Private Limited, Satna, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Trust Association of India Church Council of the Disciples of Chris: Jabalpur (M.P.)

Gwalioi-474 009, the 11th August 1982

No. 1025/C.P./1391.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Trust Association of India Church Councial of the Disciples of Christ has this day been struck of the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Rani Durgawati Chit Fund Finance Pvt. Ltd.

Gwalior, the 12th August 1982

No. 1272/C.P./1392.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rani Durgawati Chit Fund Finance Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Raipur Industrics (Private) Limited, Raipur Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 845/CP/1414.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Raipur Industries (Private) Limited, Raipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh Gwalior

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1499.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-129, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disvlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937)

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Lal 2.Shri Jagdish Lal 3. Sh. Ravish Lal 4. Sh. Manohar Lal 5. Sh. Jatinder Lal R/o 5-C/88, New Rohtak Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shii M s Mohan Builders through partner Shii Mohan Singh R/o, 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLINITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-129, mg 300 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delbi.

S. R. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date: 28-7-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DEI HI

New Delhi, the 4th August, 1982

Re. No 1AC/Acq. J/SR-1II/12-81/1500.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-501, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anil Kumar Sehgal S/o Shri M. R. Sehgal and Smt. Krishna Nirula W/o Shri J. C. Nirula through her attoiney Shri M. R. Sehgal S/o H. R. Schgal both R/o D-289, Defence Colony, New Delhi.

 (Transferor)
- (7) Shii Gulshan Kumar and Shri Gopal S/o Shri Chandet Bhan R/o 18/1, Pant Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Storeyed House No. E-501, measuring 248 sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date: 4-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Rel. No. IAC/Acq I'SR-III/12-81/1504.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. I and situated at Village Khanpur, New Delhi Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Miss Ranju Jain d/o Shri Mahender Kumar Jain R/o D-1/A Green Park, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Master Mark Choudhary (Minor) S/o Sunil Kumar Choudhary through his mother Smt. Tatlana Choudhary; Mrs. Tatiana Choudhary W/o S. K. Choudhary; Mr. Anul Choudhary S/o Shiv Krishan Choudhary R/o A-1/12, Panchsheel Enclave, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 2 bighas and 8 biswas, khasta No. 261 min. village khanpur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 31-7-1982

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref No IAC/Acq f SR III 12-81 1505 —Whereas I S R GUPT 4

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Agr land situated at Village Khanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid (see is the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the in deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

No v therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:——24—26CrI/82

- (1) Miss Ranju Jain d/o Mahender Kumar Jain R/o D 1/A, Green Park, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Mastei Mark Choudhary (minoi) S'o Sunil Kumai Choudhary through his mother Smt Tatiana Choudhary, Mrs Tatiana Choudhary W o S K Choudhary, Mr, Anuj Choudhary S/o S K (houdhary R/o A 1/12, Panchsheel Enclave, New Delhi (Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agi lind meisting 2 bighas and 8 biswas khasra No 251 min Village Khanpur, Teh Meh, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range I, New Delhi

Date 31-7 1982 Seal .

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DFI HI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I/SR-III/12-81/1508 —Whereas I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 2/19 situated at Shanti Niketan, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1_i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shii lashir Singh S/o late Shii Piitam Singh R/o A 107, Sarojini Nagar, New Delhi.

 (Transferer)
- (2) Shri Di Vashno Pirkash Sachai S/o late Daulat Rum Sachai, R/o, 2/19, Shanti Niketan, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION.—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property beating Plot No 19 Second Street, Shanti Niketan, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquirition Range-J, New Delhi

Date: 3-8-1982 Seal,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DEI HI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-HI/12-81/1510,—Whereas 1 S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-231(D), Ground Floor, situated at Greater Kailush-f, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Satya Narain Gupta, Satish Kumar Gupta and Gyan Chand Gupta S/o Shri Banarsi Dass Gupta R/o M-40, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Chander Mohan Mehra S/o Shri Pran Nath-R/o E--140, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-231(D), Ground Floor, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-7-1982

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. $1\Lambda C/\Lambda cq$ 1/SR-HII/12-81/1511.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

536/5 paiki, situated at Dhoraji, Dist. Rajkot

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

No. Prop. No. 1348-52 Block-D, situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kanwar Balbir Singh (Retd. P.C.S.) S/o late Shri R. S. Ch. Baldeo Singh R/o No. 4216, Mohalla Ahiran Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur Chawla W/o late Shii Tarlok Chand Chawla R/o No. 20/22, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1348-52 built on plot/Khasra No. 814, area 22/2 sq. yds. Block-D, in gali No. 20-19 built single storey (old construction) in Chhapar Wala Quan, Naiwala Karol Bagh. New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range I. New Delhi

Dato: 3-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III 12-81/1514 --- Whereas I, S R (IUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No $\lambda VI/10159$, Block No Γ , situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to to reve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Smt. Sudarshan Kumari W/o Shri Tilak Raj & Shri Sat Parkash S/o Shri Jagdish Lal R/o XVI/10159, Naiwala Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferee

2() M s Puran & Sons, 174-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No XVI/10159, Block No T, Khasia No 1471/1158 & 1472/1158, Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 28-7-1982

Scal:

Ref. No.

FORM ITNS----

(1) Smt. Natayan Devi W/o Shri Din Dayal R/o H/343, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Viney Lamba & Shii Aiun Lamba Ss/o Shri Dev Raj R/o 27/53, Rajindei Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 3rd August 1982

IAC/Acq I/SR-III/12-81/1576.—Whereas I,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H/343, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. H/343, New Rajinder Nagar. New Delhi with the lease hold rights of the land measuring 200 sq. yds, under the said Qr.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Service 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1982

FORM 1. I.N S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shi S. S. Aurora S/o Shri J. S. Aurora R/o K-46, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri N. k. Sharma S/o Shri Mansa Ram R/o K-46, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1517.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-31, situated at Defence Colony, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house bearing No. D-31, Defence Colony, New Delhi, measuring 333 sq. vds. (one half being transferred) i.e. 166 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Date: 3-8-1982

FORM I.T.N S .-

(1) Smt Amiit Kam C o Shii Piem Singh S-291, Greator Kailash II, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Raman Anand R o D-289, Defence Colony New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III/12 81/1518 —Whereas I, S R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No S 139 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No S-139, in Block S, Greater Karlash-II, New Delhi

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons pamely.—

Date 3 8-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Competent Builders, 6-Jantar Mantar, Road,

(1) Smt. Harvind Kaur W/o Sh. Raghbir Singh R/o

B-382, New Friends Colony, New Delhi.

New Delhi-110001.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I. NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1521.—Whereas S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-25—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area (4 bigha 16 biswas) Mustatil No. 37, Kila No. 15 (0-11) & Mustatil No. 30 Kila No. 11 (4-05), in Dera Mandi, Teh. Meh. New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date 31-7-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1523.--Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroopa, Ram Chand, Karkali, Richpal Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dawn Singh W/o Shri Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 29, Killa No. 25 (4-16), situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 28-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1524.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Village Jonepur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroopa, Ram Chand, Karkali, Richpal Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dawn Singh W/o Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 28 Killa 264 sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden,

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 31-7-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1525.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroopa, Ram Chand, Karkali, Richpal Sz/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o Harmahendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 16 biswas, Mustatil No. 33, Killa No. 1, Villa Jonapur, Teh. Mch., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 31-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1526.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroopa, Ram Chand, Karkali, Richpal, S₅/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dawn Singh W/o Shri Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 28, Killa No. 21, situated in village Jonapur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 28-7-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1527.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing door No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroopa, Ram Chand, Karkali, Richpal, Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o Shri Harmahendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 10 biswas Mustatil No. 33, Killa No. 2, situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 31-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1542.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-55, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. P. Mehta S/o Shri J. P. Mehta R/o E-66, Greater Katlash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. S. Mohan Exports India (P) Ltd., 7, Zamrudpur Co. munity Centre, Kailash Colony, New Delhi through its M. Director Shri A. K. Puri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23 storeyed with basement house bearing No. B-55, Greater Karlash-I, New Delhi, measuring 1000 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-8-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1547.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-83, situated at Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hernkunt Chemicals (P) Ltd., 810, Meghdoot, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Amrit Plastic (P) Ltd., 70-Najabgarh Road, New

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B/83, Greater Kailash-I, New Delhi-110048,

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date ; 4-8-82

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1552.—Whereas I S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. (GF), F-3, situated at NDSE, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—226GI/82

- (1) M/s. Rajiv Properties (P) 1 td. 37-Pusa Road, New Delhi through its Director Krishan Kumar Chopra
- (2) Mrs. Deepa Awal W.o Shri Ashok Kumar Awal R/o D-7/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2, portion of property No. F-3, Ground Flooi Front portion, measuring 1005 sq. ft. situated at NDSE-II, New Delhi.

物社语 图 第二

S. R. GUPTA

Competent Anthority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 4-8-82

FORM I I'N S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION FANGE I, NEW DELHI

New Delhi the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I SR-III/12-81/1553 --- Whereas I, S R Gupta

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Flat No I (GF) F-3, situated at NDSE-II, New Delhi (and more fu'ly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Pany Properties (P) Ltd., 37-Pusa Road, N Delhi through its Director Krishan Kumar Chopra (Transferor)
- (2) Smt Chander Kala Ahuja w/o Shii Dharam Pal Ahuji r o 1407, Dr Mukherjee Nagar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1, portion of property No F-3, Ground floor Front portion facting East, At NDSE-II, New Delhi measuring 1005 sq ft

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, New Delhi

Date 3-8-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delbi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-JII/12-81/1567.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Agi land situated at Village Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

 Sh. Vijay Mohan Sharma s/o Kishan Chand Sharma 436 B, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Başanti Devi w/o Hukam Chand r/o 706-F/6, Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as demied in Chap et NXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Agr. land mg. 17 bighas and 5 biswas bearing Mustatil No. 36, Killa No. 8/2 (0-18), 12/2(1-16), 13 (4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), Vill. Mchrauli, Ich. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-L New Delhi/Delhi.

Date: 31-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1568.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at

Village Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Vijay Mohan Sharma s/o Sh. Kishan Chand Sharma r/o 436 B, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi w/o Sh. Hukam Chand Gupta r/o 705-F/6, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share Agr. land mg. 17 bighas and 5 biswas bearing Mustatil No. 56, Killa No. 8/2(0-18), 12/2(1-16), 13 (4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), situated in village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1583,—Whereas, I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

beating No. Property No 4, Block, No K, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ny Dr House bear

House beating property No. 4, Block No. K, measuring 311 sq. yds. situated of Green Park, New Delhi.

THE SCHEDULE

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi/Deihi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1 Sh. Ajat Shatru Sehgal s/o Late Raj Vaid Dharam Chand r/o 3113, Sector 24-D, Chandigarh, 2 Mr. Rajat Sehgal s/o Late Dr. Ashok Kumar, 3. Di. Shobha Sehgal w/o Late Dr. Ashok Kumar Sehgal, 4. Master Manu Sehgal (Minor) s/o L. Dr. Ashok Kumar Sehgal, 1/o 64, Sector 24-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Bagirath Lal Kalra s/o Late Sh. Raja Ram r/o U-31, Green Park, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 28-7-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1593.—Whereas, J. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Mpl. No. 1855, situated at Wazir Singh Street, Pharganj, New Delhi

situated at Wazir Singh Street, Pharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajinder Kumar, I, Puchkuin Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Suri, r/o 102, Meenakshi Garden, New Delhi. 2. Smt. Leela Anand, 17/5, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 1855, Kh. No. 461, Wazir Singh Street, Pharganj, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Date: 4-8-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

- G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/1281/1606.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Front Portion ground floor, M-85, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Dharam Pal Loomba s/o Shri Nanak Chand Loomba r/o E-309, East of Kajlash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Saraswati Devi Khemka w/o late Shrl Sewak Ram Khemka r/o E-609, Greater Kailash-II, New Deihi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion on the ground floor of bldg., No. M-85, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated: 3-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1607.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Basement & Back portion of GF, M-85, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Dharam Pal Loomba s/o Shri Nanak Chand Loomba r/o Nicolson Road, Ambala Cantt. present at E-309, East of Kadash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Uma Aggarwal w/o Sh. Ram Parkash Aggarwal r/o E-609, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Transferee)

(1.411010.00

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement and the back portion of the ground floor of bldg., No. M-85, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated: 3-8-1982

(1) Sh. Harbans Lal Kainth s/o late Amarnath Kainth r/o E-128, Mohammadpur near R. Puram, Sect. I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

100, (2) M/s Raj Khosla Films (Private) Limited, Jain Chambers S. V. Road, Bandra Bombay. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 3rd August 1982

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81|1610 —Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ground Floor of \$-296, situated at Greater Kailash-II. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

27-226GI/82

THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. S-296, Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 308 sq. yds.

> S. R. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated . 3-8-1982

(1) Shri Jawala Singh s/o Sh. Wattan Singh, r/o 20-UB, Jawahar Nagar, subzi Mandi, Delhi. (Transfero)

(2) Sh. Krishan Lal Mehta s/o Sh. Harbans Lal Mehta i o D-5/i, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FIOOR CR BUILDING, I.P. FSTATF. NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Rel. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8722 —Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'suid Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 20-UB situated at Northern City Exten. Scheme No. 1, subzi Mandi Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on Dccember_1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 20-UB, mg. 274.4 Sq. yds. situated in Northern City Fxten. Scheme No. I, Subzi Mandi Delhi.

NARENDER SING FOR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New De

Dated: 27-7-82.

2691

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FIOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Ref No. 1AC/Acq 2 SR.I/12-81|8634.—Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/29A situated at Moti Nager New Delhi.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chander Parkash Bhatia s/o Sh. Kharaiti Lal Bhatia r/o A-2/20, Moti Nager, New Delhi as Gen. Att. of Sh. Chaman Lal s/o Sh. Dewan Chand r/o 19/29A, Moti Nager Delhi.
- (2) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Kishan Lal Bhatia alias Kharaiti Lal Bhatia r/o 19/29A, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. 19 '29A, Moti Nager, New Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rame to
Delhi/New Delhi

Diffed : 27-7-82. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISTION RANGE II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Ref No IAC/Acq 2/SR I/12 81|8691 -Whereas, I, NARENDER SINGH.

being the Competent Authority under section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refeired to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

H No 5, Road No. 8 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (f 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

(1) Sh Bhagwan Dasa s/o Sh Ganpat Rai, 1/0 H No 5, Road No. 8, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferor)

(Transferee)

(2) I Sh Banwari Lal Goel (HUF) 2 Ram Kumar Goel (HUF)
3 Raj Kumar Goel (HUF) & Mahender Kumar
Goel c/o Sh Ganwari Lal Goel, all r/o 95-A,
Chitranjan Avenue Calcutta-12

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No 5, Road No 8, mg 2708 sq. yds Punjabi Bagh New Delhi

> NARENDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi / New Delhi

Dated 27 7 82 Seal

12465

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Dethi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6432.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land

situated at Vill, Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

New Delhi in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any icome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prem Kumar s/o Ram Narain r/o WZ-1159, Ram Bagh, Shakurbasti, Delhi-34. (Transferot)
- (2) Sh. Nand Lal s/o Devi Ditta Ram & Raj Kumar s/o Ram Narain, r/o WZ-1159 Ram Hagh Shakurbasti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bighas 4 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date: 4-8-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.II/12-81/8688.- Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

1629-30 old, 1586 to 107, New Mohalla

situated at Rogarn Bazar Lal Kuhan Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shiyan Ditti r/o 2853, Gali Bhiahtian, Kucha Chelan Dary Ganj, Delhi.
- (2) Sh. Mohd Ahmad s/o Haji Mohd
 Ibrahim 5504, Gali Makte Wali Sadar Bazer Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7/32 undived share of the property Mpl. Nos. 1629-30 (old) 1586 to 107 new Ward No. 7 Mohalla Roadgaran, Bazel I.al Delhi-98.7/8 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date: 4-8-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No IAC/Acq 2/SR 2/12-81/8674 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

D-45 situated at

Satyawati Nager Sadora Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Dec, 1981

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aci, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh Hari Singh Chauhan s/o Bansi Lal Chauhan, r/o Rajpura vill Gui Mandi, Delhi (Tiansfero))
- (2) Sh Ganga Dhar Sharma s/o Reghunath Peishad r/o A-3, Ashok Vihar, Phase I, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 45 Block 'D' situated of Satywati Nager Sadora Kalan, Delhi Kh No 86 88, 89, 92 to 107,150 sq Yds.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi

Date 4-8-82 Seal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8686.—Whereas, J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 1629-30 Old, New No. 1586 to 1601, situated at Word No. 7 Mohalla Rogan Bazar Lala Kuhan Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer. The three objects of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Sant Ram Dandona s/o Late Saling Ram 2853 Gali Bhistiyan Kucha Chelam, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohd Ahmad s/o Haji Mohd, Ibrahim r/o 5504 Gali Makte Wali Sadar Bazar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K, 15/32, undivided share of the property Mpl, No. 1629-1630 (old)/1586 to 1601 (new) Ward No. VII Mohalla Rogaran, Bazar Lal Kuan, Delhi 211.7/8 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date: 4-8-82

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR-II/12-81/6514.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Pehladpur Banger, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28--226GI/82

(1) Smt. Nanhari wd/o Harke, S/Sh. Tara Chand and Rajinder s'o Harke, S/Smt. Shanti, Omwati, and Chanderwati ds/o Harke, Sh. Gihsa s/o Sh. Mauji and Smt. Dharam Vir s/o Rajioop r/o Vill. Pehladpur Banger, Delhi.

(Transferor)

(2) Km. K. D. Tripathi d/o Ram Lakhanmani ro L-30, Gl. South Extn. New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha i.e. 1000 sq. yds. out of Kh. Nos 38/23/1 and 23/3, Vill. Pehladpur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N %.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/12-81/6497.—Whereas J. NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal s/o Sh. Bishan Singh r/o Vill, Najafgarh, Delhi.

(2) Shri Kuldeep Kumai Julka s/o Sh. Roshan I al t o B-53, Krishan Park Delhi and Sh. Mohai Singh s/o Sh. Kmalu r-o Vill. Nejafgarh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 4 Bigha 16 Biswas at Vill. Najafgarh, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6511.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Pehladput Banger, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nanhari wd/o Harke S/Sh. Tara Chand and Rajinder sons of Harke, S/Sh. Shanti, Omwati, Chander Wati daughters of Harke, Ghisa s/o Mauji and Dharam Vir s/o Rajioop 1/o Pehladpur Banger, Delhi-42.

(Transferor)

(2) Sh. J. P. Tripathi s/o B. P. Tripathi r/o L-30, South Extn. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 38/23/1(4-12) and 23/2(1-0) Vill. Pchladpur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range It
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/12-81/6505.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Rd. 48 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh Bindra s/o Jodh Singh Bindra r/o 7, Road No. 48, Punjabi Bagh, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Inder Pal Kaur w/o Surinder Singh Kohli r/o 37/5 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of House No. 7, Road No. 48 Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi Mg. 279.55 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No IAC/Acq. 11/SR-11/12-81/6506—Whereas, I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H No. 7, Road No. 48 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbhajan Kaur w/o Amar Singh Bindra r/o 7823 Roshan Ara Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Inder Pal Kaur w/o Surinder Singh Kohli r/o 37/5, East Patel, Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of house No. 7 Road No. 48, Class 'D' Punjabi Bagh Delhi Mg. 279.55 Sq yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/12-81/6463.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and beating No.

H/Plot No. D-51 situated at Ajay Enclave, Najafgar Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Banarsi Dass s/o Basant Ram r/o D-51, Ajay Encalave, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Kumar s/o Sh. Banarsı Dass R/o D-51, Ajay Enclave, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-51, Mg. 200 sq. yds. Kh. No. 286 Ajay Enclave, Najafgarh Road, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM ITNS----

(1) Sh. Sunder Singh s/o Sh. Risal Singh 1/0 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

& Sons, HUF.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. 2/SR-II/12-81/6457.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Agri. land situated at Vill. Shaibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sh. Narinder Pal Singh Narula s/o S. Sunder Singh Narula r/o 3486, Nicolson, Road, Mori Gate, Delhi as co-psrener of S. Surinder Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land mg. 4 Bigha 16 Biswas bearing Kh. No. 38/8 at Vill. Hahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delh

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No IAC/Acq2/SR 2/12-81/6462—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No C-217 situated at Hair Nager, Clock Tower, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atore and property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishna Kumari W/o Ashwani Kumar Sharma 1/o C 152, Hari Nager, Clock, Tower, N Delhi lhiough Spl Att Sh Sukhbir Singh Jam S/o Sh Raja Laf Jain r o C 152 Hari Nagar, New Delhi

(Ttansferor)

(2) M/s Padam Tradeis, Through partners Jasbu Singh Arucai Singh, Saiabjit Kaui, Parivindei Kaur and Devinder Kaur of C-217, Hari Nager, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. C-217, mg 220 sq yds Khasra No 2056 situated at Haii Nagai, Clock Towei, New Delhi

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-8 82

Seal ·

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. FSTATI. NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAO/Acq.2/SR-2/12 81, 0494.---Whereas, f, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Block A situated at Shanker Garden Vill, possangipur, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —
29—226G1/82

(1) Shri Om Parkash 5/0 Sh. Khushal Singh r/0 No. 2613/4 Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Jagdish Laf Sharma s/o Sh. Lafa Dunger Mal r/o No. 1349, Naiwaal Gali No. 19, K/Bagh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5, Block-A, Shanker Garden, Vill, Possagipur, Nagargath Road New Delhi, area 444.44 sq. yds.

ARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H, Delhi/New Delhi

Date: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR.I/12-81/8714.—Whereas, J. NARFNDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 37 Block-B situated at G.T. Karnal Road, Industrial Area Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

New Delhi on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;—

 Shri Kaka Singh s/o Late Sh. Kalyan Singh r/o T-1092, Shakti Nagar, Delhi-2., Smt. Kartar Kaur w/o Late Sh. Kalyan Singh r/o T-1092, Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(?) Sh. Gurdarshan Singh & Sh. Kuljeet Singh So/o Sh. Kalyan Singh r/o C-42, Adarsh Nagar, Delhi & T-1092, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Block-B situated at G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi, Mg. 427.50 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II. New Delhi

Date: 4-8-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISIANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II. G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, IP. ESTAIL NEW DFLHI

New Delhi, the 4th August 1982

Rcf. No. 1AC/Acq 2/SR-2/12-81/6473.—Whereas 1, NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6 situated at Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Wazir Singh 1/0 Sh. Sakha Singh r/0 C-6, Bhagwan Dass Nagar Old Rohtak Rd, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Padam Singh s/o Sh. Sukha Singh s/o C-6, Bhagwan Dass Nagai Old Rohtak Road, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share if built property No. C-6 approved colony known as Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi under the share of land 220 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-11/12-81/6503.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the pacties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Risal Singh s/o Neki Ram R/o Vill. Sinapur, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Ghai son of Sain Dass Ghai r/o A-31, Wazirpur Group, Indl. Area, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 4 Bighas 16 Biswas, Kh. No. Vill Siraspur, Delhi.

> NARENDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-82

12481

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No INC/Acq-II/SR-II, 12 81/6501 -- Wherens, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

and bearing No Agri, land situated at

Vill, Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Latila Petshad S/o Tirath Rumanand Sh Munohai Lal S/o Annant Ram R/o 25/94 Shakti Nagoi, Delhi

(Transferor)

(2) Smt Ram Piati W/o Latita Pershad R/o 103-A Shastri Nagar, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

1 XPLANATION -The terms and expressions used here.n as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agii land Mg 2 Bighas 14 1/2 Biswas Vill Alipur Delhi

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8-82 Seal:

(1) Sh Yad Ram S/o Budha R/o Vill Hastsal, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Krishan Kumai Faneja S/o Ganesh Dass R/o C 3, New Kiishna Paik, Najafgarh, Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No $1\Delta C/\Delta cq$ II/SR-II/12-81/6435 — Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No Agri land situated at

Vill Hastsal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Dec., 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid piopeity, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the baid instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agii land Mg 1 Bigha 14 Biswas Vill Hastsal Delhi

NARINDAR SİNGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-2/SR-II/12-81/6458.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at

Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal Singh R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sunder Singh Narula S/o S. Sewa Singh R/o 3486 Niccolson Road, Mori Gate, Delhi Karta ot S. Surinder Singh & Sons, HUF.
 (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 7 Bigha 4 Biswas bearing KH. No. 38/18 23, at Vill. Sahibabad Daulatpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhl/New Delhl,

Date: 4-8-82

Sent

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NFW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No IAC/Acq 2/SR-II/12-81/6439.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at

Vill Sahibabad Daulatpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hosbiar Singh S/O Sh. Shiv Lal, R/O Vill Sahibabad Daulat Pur, Delhi (Tiansferor)
- (2) Sh Ajay Kansal and Sunjay Kansal S/o Sh Kishan Chand Gupta R/o 40/1, shakti Nagar, Delhi Sh, Hosier Singh S/o Sh, Shiv Lal R/o Vill Sahibabad Duulatpur, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land 36 Biswas bearing Kh. No. 18 Biswas 454, 456 18 biswas, Vill. Sahibabad Daulatpur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8 82 Scal :

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Rcf. No. IAC/Acq.2/SR-II/12-81/6456.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Sahibabad Daulatpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—226GI/82

(1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal Singh R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

(2) S. Arvinder Pal Singh Narula
S/o S.-Surinder Singh
R/o 3486, Nicolson Road, Mori Gate, Delhi.
(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 4 Bigha 5 Biswas K. H. No. 38/3/1, Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 21st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/12-81/6455 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal Singh R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Tejinder Kaur Narula W/o Sh. Sunder Singh Narula R/o 3486, Nicolson Road, Mori Gate, Delhi as co-partner of S. Surinder Singh & Sons, HUF.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 16 Biswas Kh. No. 38/13 Vill-Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-8-82

12487

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6491.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Shyam Lai S/o Mathura Pershad, R/o B-1751, Shastri Nagar, Delhi-52 and Gordharan Dass S/o Baru Ram R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar S/o Harbans Lal Mehta R/o A-16, R.P. Bagh, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 15 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6478.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. WZ-1 (VB/211) situated at Varinder Nagai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smr. Joginder Kaur W/o Late S. Arjun Singh, Sh. Kuldip Singh S/o L. S. Arjun Singh R/o WZ-1, Varinder Nagar, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani W/o Rajinder Nath R/o 3488, Arya Pura S/Mandi, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-1 (VB/211) Mg. 200 sq. yds. Kh. No. 810 tat Varinder Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6442.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Dolhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Laxmi Narain Sharma S/o Ramji Lal R/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Prem Parkash S/o Mohan Lal and Yash Pal Sapra and Bharati Bhushan both sons of Sh. Multan Chand R/o C-3/17, Rana Partap Bagh, Delbi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 19 Biswas (950 sq. yds.) Kh. No. 39, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-8-82

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Chhotu Bhai Naik s/o Hari Bhai Naik r/o D-16, Ajay Enclave, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishwa Nath Arora s/o D. N. Arora R/o B-13/8, MIG Flat Mayapuri, New Delhi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 4th August 1982

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/DR-II/12-81|6500.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D/16 situated at Ajay Enclave Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transeree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. D-16, Ajay Enclave Colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range ! Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81|6513.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Pchladpur Banger, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nanhari wd/o Harke, S/Sh. Tara Chand, Rajinder ss/o Sh. Harke, S/Smt. Shanti, Om Wati and Chander Wati d/o Harke. Sh. Gisa s/o Mauji and Dharmvir s/o Raj Saroop r/o Vill. Pehladpur Banger, Delhi (Transferor)

(2) Dr. Vibha d/o J. P. Irlpathi r/o L-30, Ground Floor, South Extn., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha i.e. 1000 sq. yds. Kh. Nos. 38/23/1(4-12) and 23/2(1-0) Vill. Pehaladpur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-8-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81|6502.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Latifa Parshad s/o Sh. Tirath, Ramand Manohar Lal s/o Anant Ram r/o 25/94 Shakti Nager Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Chander s/o Manohar Lal r/o 8471 Jaina Building Roshanpur Road Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land 2 Bigha 141 Biswas Vill. Ali pur Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82

 Shri Suraj Pershad s/o Raghbir Singh r/o Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Kuldip Kumar S/o Roshan Lal r/o B-53, Krishna Park, Delhi, Moher Singh s/o Kamalu r/o Najafgarh, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81|6499.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated: 29-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-81|6498.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Suraj Pershad s/o Raghbir Singh r/o Vill. Najafgarh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar Julkha s/o Roshan Lal Julkha r/o B-53, Krishna Park, Delhi Mohar Singh s/o Kamalu Vill. Najafgarh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated: 29-7-1982

SeaI:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-2/12-81/6453.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Madan Pur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Parbhu Ram S/o Chhotu Ram Sa/o Abhoy Ram r/o Vill. Madan Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lalite Rani Bhageria w/o Ram Kishan Bhageria r/o 167-E, Kamla Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land Mg. 16 Bigha I Biswas of Vill. Madan Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-1982

(1) Shri Dei Ram s/o Nand Lal r/o VPO Siraspur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Aggarwal a/o Gopi Nath Aggarwal r/o 6164 Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6454.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas 4 Biswas Kh. No. 574, Vill. Siraspur. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated: 29-7-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6437.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-63-A/1 situated at Shyama Parshad Mukherjee Park, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jadunandan Singh S/o Sheo Balak Singh R/o H. No. G-99(2389), Netaji Nagar, New Delhi through Gen. Att. Sh. Jogender Kumar s/o Hari Ram r/o 126 Shyama Parshad Mukherjee Park West, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Bimal Parbha w/o Jogender Kumar r/o Shyama Parshad Mukherjee Park West, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. WZ-63-A/1, Mg. 233 1/3 sq. yds. Khasia No. 16/2 Shyama Parshad Mukherjee Park, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/12-81/6476.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-6 situated at Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Sh. Wazir Sngih S/o Sukha Singh, r/o C-6 Bhagwan Dass Nagar, Old Hohtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Padam Singh s/o Sukha Singh, r/o C-6, Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of built property No. C-6, approved colony known as Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi. Mg. 220 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated: 4-8-1982

12499

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR I/12-81/8699.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XII/9707, New Two & hair aroey built situated at Gali Memali, Nawab Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Manohar Lal of XII/9707-8,
 - Smt. Sushila Kumari
 Smt. Lila Devi,

 - 4. Satish Kumar Chawla Surender Kumar Chawla, Satinder Kumar Chawla, Subhash Kumar Chawla etc. r/o H. No. 300, Gautam Nager New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sher Singh & R. K. Gupta of 4240, gali Bahuji, Phar Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

XII/9707, New two & half story Built on land mg. 182.5 Sq. yda., Gali Mewali, Newab Ganj Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMF TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FI OOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No IAC/Acq II/SR-II/12-81|6495 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No EF 7 situated at Inder Puri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in Dec 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shila Wati wd/o Satya Pall, Bhalla r/o No EF-7, Inder Puri, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh Deep Chand s/o Sadhu Ram Mittal r/o RA-42, Inder Puri, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No EF-7, Kh. No. 1610, Vill. Naraina in the abadi of Inderpuri, an approved colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated 4-8-82 Seal:

NOTI E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6512.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Pehladpur Banger, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

32-226GI/82

(1) Smt. Nanhari wd/o Harke, Sh. Tara Chand Rajinder s/o Harke and S/smt. Shanti, Om Wati, Clander wati ds/o Harke, Sh. Ghisa s/o M uji and Sh. Dharamvir s/o Sh. Rajroop All r/o Pehladpur Banger, Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Indira w/o J. P. Tripathi r/o L-30, South Extn. (GF), New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas, Kh. No. 38/23/1 (4-12) and 23/2(1-0), Vill. Pehaladpur Banger, Delhi-42.

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated: 4-8-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Rcf. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81|8704.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. z/45-46 situated at West Patel Nager, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 i(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitee under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Waryam Singh S/o Sh. Attar Singh and Sh. Amarjit Singh S/o Attar Singh r/o 45/3, East Patel Nagar, New Delhi through M. S. Anand s/o Sh. Beant Singh r/o 3044, Gali No. 1. Pahar Ganj, New Delhi Gen Att.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ajit Singh Anand S/o Sh. Beant Singh 1/o z/45-46, West Patel Nagar, New Delhi and 2. Smt. Harjinder Kaur w/o Sh. Ajit Singh I/O 83 shove

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. z/45-46, West Patel Nager, New Delhi mg 123.66 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated: 4-8-82

FORM ITN9---

(1) Shri Kewal Krishan S/o Sh. Mohan Lal No. 8 Red Cross Flats, Kaka Nager, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Egg Traders 11186-87, Mandir Marg Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8672.—Whereas Ref. No. NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8571, 8572, 8573, 8575 & 8576 situated at Basti Arakashan Pahar ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8571, 8572, 8573, 8575& 8576 situated Basti Arakashan Paharganj New Delhi.

> NARENDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8718.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 14/31 situated at Shakti Nagar Delhi

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parbati Devi Nagpal W/o Late Shri Prem Chand Nagpal R/o 14/31 shakti Nager Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi Daga W/o Rattan Lal Daga, Shanti somani W/o Shyam Sunder Somani, Radha Kishan Somani R/o 26/2 shakti Nagan Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 14/31 Shakti Nagar Delhi 195.98 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8636.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. WZ-174, and 175 (old) B-91 &92 (new) situated at Shardapur, Vill. Bassi darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaswant Rai Gauri S/o Shri Ram Lal R/o CP-49, pitampura, New Delhi of M/s Hind Planning & Co. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tulsi Ram S/o Shri Somi R/o B-91 & 92 Shardapur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land mg. 450 sq. yds. bearing plot. No. WZ-174 and 175 (old) B-91 & 92 (new) at Shardapur area of Vill. Bassidarapura, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8687.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 1629-1630 (old) 1586 to 1601 (new) situated at ward No. VII, Mohalla Rodgaram, Buzer Lul Kuan, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kailash Chandei Dandona S/o Shri Sant Ram Dandona thro' Gen. Power of Att. Sant Ram Dandona R/o 2853. Gali Bhishtian, Kucha Chelon, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

 Shri Mohd. Ahmad S/o Shri Haji Mohd. Ibrahim 5504, Gali Matke wali sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10/32 undivided share of the property bearing Mpl. Nos. 1629-1630 (old)/1586 to 1601 (New) ward. No. VII Mohalla Rodgarn Bazer Lal Kuan, Delhi 141.1/4 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8717.—Whereas INARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. C-22 on 16 situated at Alipur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herater has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in December 1981

Registering officer at SR Karvir on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smr. Kavita Dhawan W/o Shri Ranjit Dhawan and Smt. Neeta Vohra W/o Shri Sanjit Vohra both R/o C-19, Friends Colony, New Delhi.
- (2) Dr. Sitab Chand Parakh S/o Late Shri Rattan Lal Parakh and Smt. Saroj Patakh W/o Shri Sitab Chand Parakh both R/o 1042, Maliwara, Gali Hira Nand, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplate unfinished double storeyed stricture in dilapidated conditions having 1082 sq. yds. area on each floor with 392 sq. yds (327 sq. Mts) land under it. Block No. C-22 on 16, Alipur road, New Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

andalanda iskalanotalanot swille ila la later ellerat

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Rel. No IAC/Acq II/SR-1/12-81/8647.—Whereas I, NARENDFR SINGH

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Surinder Nath Dogra S/o Pt. Kali Dass Dogra R/o C-151. Srinivas Puri New Delhi.
- (2) Shankar Kumar Verma (n.) through father and natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R o H No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

1/6th undivided share in the property constructed on 262} sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 6-8-1982

FORM ITNS-- - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP, ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8649 —Whereas J. NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) ha been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

33 = 326G1/82

- (1) Seit, Nirmal Dogra R/o 143 Thamson Read, Delbi. ((ransferor)
 - (2) Okankoi Kunoji Vernja M. through lother and natural guardian Shii Jagdish Kumai Vernia R. o. H No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned : . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I 6th undivided share in the property constructed on 2671 sq. yds. area of property No. A-2/132, Fajouri Garden, New Delhi.

> NARINDER SINGH Component Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. New Delhi

Date: 6-8-1982

Sen1:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13. GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8650.—Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahinder Nath Dogia S/o Pt. Kali Dass Dogra R/o 143, Thomson Road, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shankar Kumar Verma (M) S/o Shri Jagdish Kumar Verma R/o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi. (Tansferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

76th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi. New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 6-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8645.—Whereas I, NARINDER SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:—

- (1) Anil Kumar Dogra, Arun Kumar Dogra, Ashish Kumar Dogra, all sons of Shri B. N. Dogra and Smt. Primila Sharma d/o Shri B. N. Sharma through her general attorney Shri Anil Kumar Dogra R/o II-B/17, Pusa Institute, New Delhi. (Transfetor)
- (2) Shankar Kumar Verma (M) through father and natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R/o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 2621 sq. yds, area of property No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-8-198?

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NI'W DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Rei No IAC/Acq II/SR-I/12-81/8648 —Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the registering officer at

New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Ideilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Devki Nandan Dogra J-5/137, Rajouri Garden. Delhi

(Transferor)

(2) Shankar Kumar Verma (M) through 10ther and natural guardian Shri Jagdish Kumai Verma R'o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1 6th undivided share in the property constructed on 2621 sq yds. area of property No. A-2, 132, Rajouri Garden New Delhi

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date 6-8-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II NI'W DFLIII

New Delhi, the 6th August 1982

Ref No IAC/Acq II SR-1/12-81/8646.—Whereas I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No A-2 132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vishwa Nath Dogra S/o Pt. Kali Dass Dogra r/o A/F/125, Janakpuri, Delhi

(Transferor)

(2) Shankai Kumai Veima (M) through father and natural guardian s/o Shii Jagdish Kumai Veima r/o H No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II. New Delhu

Date 6-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IJ, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8747,—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

K-4 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (I) Shri Joginder Singh Malhotra S/o Gurdit Singh R/o D-135, Vivek Vihar, Shahdara, Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Balbir Malhotra S/o Gurditt Singh R/o K-4, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. K-4, Mg. 92.1/3 sq. yds. (Total mg. 277 sq. yds.) situated at Model Town, area of Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8739.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 51, Block F situated at Bali Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj Chawla S/o Sham Dass Chawla R/o 279, Kacha Tihar, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Aijan Singh Arora S o Shri Khem Singh R/o G/51, Bali Nagar, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Block F. Mg. 200 Sq. yds, situated at Bali Nagur, are of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8701.—Whereas I NARENDER SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-2/16 situated at Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Vishwajama Hotels Ltd. E-2/16, Darya Ganj, New Delhi, through its Directors Shir D. K. Aggarwal, 61, Babar Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Apogee Investment (P), Ltd., 4/5 Kalkan New Delhi through its Director Smt. Kamelesh Kumari Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-2/16 Darva Ganj New Delhi, with the land mg.~1000~sq. fts. on G.F. (real portion).

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II. New Delhi

Date: 4-8-1982

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No. IAC/Acq 2/SR.1/12-81/8627.—Whereas I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. E-2/16 situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
34—226GI/82

- (1) M/s Vishvarama Hotels Ltd. E-2/16, Daiya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) M 5 Apogee Investments (P) Ltd., 4/5, Kalaji Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pait of property bearing No. E-2/16, Daraya Ganj New Delhi, G.F. Area 1000 sq. feets.

NARFNDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II. New Delhi

Date: 4-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd August 1982

C.R No. 62/33772/81-82/ACQ-B —Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Anna Swamy Mudaliar Road, known as Ajantha Talkies, Bangalore-42,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 3321 on 16-12-1981, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. J. Padmanabhan, 2/0 Late A. G. Janakiram Mudaliar, No 40, St John's Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) (4) M/s. Goldie Trust, No. 21/14, M. G. Road, Bangalore-1 by its Managing Trustee Smt. Rupa S. Patel.
 (b) Shamsundar R. Bhathija, No. 26, Fairfield Layout, R. C. Road Bangalore-1
 (c) Smt. Jyothi Narayandas, 1st Cross, Sreekantharah Layout, Crescent Road Bangalore-1.
 (Transferee)
- (3) M/s Ajantha Theatres, No 6, Annaswamy Mudaliar Road, Bangaloie-560 043
 (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3321 Dated 16-12-1981) Land with building at No. 6 Annaswamy Mudahai Road, Bangalore-560 042 known as Ajantha Talkies

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dite: 2-8-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC (7, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/32995/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 31A and 32 situated at

Byrasandra, Bannaighatta Main Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hos been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Javanage... Document No. 4119 on December, 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. B. Tol No. 42, 11th Main Road, Between 16 & 17th Cross, Malleswaram. Bangalore. GEE Pee Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri G. P. Hamerwasia, No. 51, K. H. Road Bangalore-560 027.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 4119 Dated Dec. 1981)
Conversion House Nos. 31-A & 32 of Byrasandra, Bannerghatta Main Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME- Γ AX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th July 1982

CR No 62/33373/ACQB—Whereas I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

22 situated at 1st Cross Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar Bangalore under Document No 3734/81 82 on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (1) Sbii N Chandiamouli @ C L Narasipur, (2) Shii N 1 Pampathi @ P L Narasipur, (3) Shri N L Suiesh, (4) Smt N L Bhagirathi, (5) Smt. N L Subbalakshmi, (6) Smt. N. L. Annapurna. No 7 7th Cross Malleswaram, Bangalore-3
- (2) Smt C Babu @ Annapooini, w/o Shii A Kanniap pan, residing at No 197, Samplge Road, Malleswaram, Bangalore 3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 3734/81 82 Dated 27-1-1982)
All that property bearing No 22 1st Cross, Malleswaram, Bangalore-3

MANJU MADHAVAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 24-7 1982 Seal

FORM LT.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560001, the 27th July 1982

C.R. No. 62/438/81-82/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 116A/134 & Chalta No. 1, situated at Baina, Ward No. 10, Taluka of Mormugao,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mormugao, under document No. 182/81-82 on 7-12-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shi Joaquin Xavier Leslie Lobo & Smt. Numiliana Jasmina Isa Gonsalves F Lobo R/o Camorlim, Bardez—Gon.

(Transferor)

(2) M/s. Sea View Co-operative Housing Society, reptd. by Chamman Sri Joaquim Sebastiao Edwin D'Souza, & Secretary, Joao Grecorio Rodrigues, of Kosambe Building Block 0—5, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 182/81-82

Dated 7-12-1981)

The whole plot of land known as "SEM DENOMINACAO ESPICIAL", bearing S. No. 116-A/134 & Chalta No. 1, situated at Baina, Ward No. 10, Taluka of Mormugao

MANJU MADHAVAN,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 27-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/33871/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2688-1, situated at Kadri Village, Mangalore Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore under Document No. 1304/81-82 on 16-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Joachin Santhan Alvares. S/o Paul Alvares, Bajai Mangalore-575004.

(Transferor)

(2) Shri Richard D'Casta S/o Joseph D'Casta By G. P. A. Holder, Joseph D'Casta S/o Sauthan D'Casta, Koppalkad of Padavu Village, Mangalore-575 008.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1304/81-82 Dated 16-12-1981)

All that property bearing No R.S 268-1, situated at Kadri Village of Mangalore Taluk.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangulore.

Date: 28-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORI - 560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/33874/81-82/Acq/B.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Scetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No.

94/29, T.S. No. 663/29, situated at Boloor Village, Mannagudde Ward, Mangalore Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangaloie under Document No. 1334/81-82 on 23-12-1981, for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: –

- (1) Sri U. Suresh Mallya, S/o Ullal Narayana Mallya, D. No. 6-7-140, Gandhinagar, Mangalore-3.

 (Trensferor)
- (2) Sri U. Purushothama Mallya S/o Ullal Narayana Mallya D No. 6-7-140, Gandhinagar, Mangalore-575 003.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1334 81-82 Dated 24-12-1981) All that property bearing No. R.S. No. 94/29, T.S. No. 663/29, with residential buildings, old D. No. 6-96 & 97, New No. 6-7-140 & 140B, situated at Boloor village, Bangalore

MANIU MADHAVAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BANGAI ORE-560001

Bangalore-560001, the 15th July 1982

CR. No. 62|33670|81-82|ACQ|B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 17/1A, situated at Mudanidambur Village, Udupi, Dakshinakannada District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Udupi, under Document

No. 980[81-82 on 25-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sii K. Prakash Nayak Officer, Syndicate Bank, Kadekar Branch, Udupi Town, Post Udupi.

(Trausferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Sii Abdus Samad, So Moideen Saheb, Kallakamba Bailur Village, Karkala Taluk, Post Bailur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 980|81-82 dated 25-1-1982). All that house-site bearing S. No. 17|1A, including building situated at Mudanidambur Village, Udupi Taluk, Dakshinakannada District.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-7-1982

(1) Dr. (Mrs.) Anasuya B. Salian & others. (Transferor)(s)

(2) a. Sri Dhananjaya Palke, 9.0. P.B. Achar Jeweller, Murnamikatta, Mangalore-575001.

 Sri Ratnakar Adyanathaya Durgamba Estate, Srivasa, Chickmagalur.

(Transferee)(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st July 1982

C.R. No. 62|33684|81-82|ACQ-B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 753, T.S. No. 216, situated at Attawar Village, Attawar Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalore City Under Document No. 1311|81-82 on 18-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—35—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1311|81-82 dated 18-12-1981) All that property bearing No. R.S. No. 753 T.S. No. 217, situated at Atlawar Village, Attawar Ward, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-7-1982

FORM IT.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri D. Ramachandra, sjo Krishnappa Maistry, Kadri Temple Read Mangalore 2

(Transferor)

(2) Sii K. Gopalakiishna so Shankarinarayana Rao, Karangalpady, Mangalore-3

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BANG 41 ORE 560001

Bangalre-560001, the 14th July 1982

No CR No 62|33681|81-82 —Whereas, I. MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

No RS 77-1A situated at Middle Western Portion, Mangalore Town Kadri Ward Kadri Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Mangalore City under Document No 1240/81 82 on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1240|81 82 dated 1-12-81). Land and building bearing No RS 77-1a middle western portion situated at Mangalore Town, Kadri Ward, Kadri Village, Mangalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 14 7 1982 Scal

FORM I.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri B. L. Srinivasa Shetty, Slo. Late B. S. Lakshmikanta Shetty, K. R. Extension, Tumkur.

(Transferor)

(2) Sn N. S. Narayana Setty & Sri N. R. Narasimha, CSI Layout, Tumkur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-56001, the 9th July 1982

CR. No. 62|33861|81-82|Acq_IB.—Whereas I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 38|2250 & No. 2699 & New No. 2684 situated at Railway Station extension Gandhinagar, Tumkui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tumkur under document No. 2718 81-82 on 10-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- (b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-

lowing persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2718|81-82 dated 10-12-81) Site situated at Rallway Station Extension, Gandhinagar, Tumkui Town bearing No. 38|2250 and No. 2699 and New No. 2684.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commusioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th July 1982

No. C. R. No. 62/7-7/ACQ/B.—Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3439/1 & 3439/2 situated at College Road, Belgaum, (and more fully described in hte Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum Under document No. 2620 on 24th December, 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gangaram Laxmanarao Jadhav, Bijagarm, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Shantaram Shivajirao Vesane, 'Viju Nivas' Ncharunagar, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2620 Dated 24th December 1981)
Property situated at College Road Belgaum bearing Nos. 3439/1 & 3439/2.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-7-1982

Seal

-___---<u>-</u>__-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22th July 1982

No. C.R. No. 62/33802/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, Old No. I.-A, situated at M. No. 6, Street Dharmaraja Koil Street, and 'L', No. 4, Street, O.P.H. Road Cross, Bangalore-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Shivajinagar Document No. 3695 on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shimati Shamimunnisa, No. 80, Ranoji Rao Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferor) (s)

(2) (1) Shri G. N. Zameer Ahmed,
(2) Smt. Heera Begum,
No. 9, Noah Street,
Stephens Square,
Bangalore-560051.

(Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3695 dated 31-12-1981)
Premises No. 21, old No. 1-A, at M. No. 6 Street Dharmaraja Koil Street and 'L' 4 Street, O.P.H. Road Cross, Barigalore-1.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-7-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd July 1982

No. C. R. No. 62/32813/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

139-159 and New 153 situated at IIIrd Main Road, Chamarajapet, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pasavanagudi Document No. 2692 on 15-12 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Shri M. T. Gowda alias Thammanna Gowda s/o Make Gowda,
 - 2. N. Sarojamma, w/o Thammanna Gowda, 3. M. T. Mahadeva,

 - 4. M. T. Ravikumai, 5. M. T. Manjunatha,
 - Rept. by Guardian N. Sarojamma.

Transferor(s)

(2) Shri B. Nagesh Rao, s/o B. Vasudeva Rao, Hosanagar, Shimoga District.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2692 Dated 15-12-1981) Old No. 139-159, New No. 153, IIIrd Main Road, Chamarajapet, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33256/ACQ-B/81-82.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18 & 19 situated at S. No. 74/1-B of Domlur, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2819 on Dec., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Gayathri, No. 100/2, Domlur Lay-out, Bangalore-560071.

Transferor(s)

(2) Shri A. N. Vasudeva Pillai, No. 578, Domlur Lay-out, Bangalore-560071.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) Shri Raghuvir Scn, GPA Smt. Sushedla Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

(Registered Document No. 2819 dated 31-12-1981) Site No. 18 & 19, formed out of converted survey No. 74/ 1-B of Domlur, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shi mati Vasantha Srinivasan No 6 Sprue Diive, Nanuet, New York U S A

Transferoi (s)

(2) Shii Vikas Goenka, 722, I Stage, Indiianagar, Bangalore-560038

Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560001

Bangalore-560001, the 17 July 1982

No. C R No 62/33208/81-82/ACQ/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

710, situated at J Stage, Binnamangala, (Indiranagar), Bangalore-560038.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc No 2958 on 28-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHUDUE

(Registered Document No 2958 Dated 28 12 1981) Site No. 710 I Stage Binnamagala, Indurangar, Bangalroe-560038

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 17-7 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th July 1982

No. C. R. No. 62/33708/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 184, situated at 34th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jayanagar Document No. 4898 on 10-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36--226GI/82

 Shri T. Umapathy, s/o Thiruvengada Swamy,
 G. P. A. Holder U. Dakshayani,
 U. Naresh, U. Mohan and U. Hemalatha,
 No. 26, Venkatarathnam Nagar,
 Madras-20.

Transferor (s)

(2) Shri K. R. Seshadri, 184, 38th Cross, Jayanagar, 5th Block, Banlagore-41.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4898 dated 10-2-1982). No. 184, 38th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33254/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 436 situated at H. A. L. Hind Stage, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2812 on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri T. S. Nagabhushanam,
 S/o Shri T. Subbiah,
 No. 17, Veeranna's Gørden,
 Bangalore-560005.

(Transferor) (s)

(2) Shri M. N. Mohan Kumar, 5/0 M. K. Navanithakumar, No. 265, Naryana Pillai Street, Bangalore-560001.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2812 dated 14-12-1981). Premises No. 436, H. A. L. IInd Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

OF INCOME-TAX

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33255/81-82/Acq-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 8 in No. 74/1-B, situated at Domlur, Bangalore-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar Doc. No. 2818 on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Janakamma, 100/3, Domlur Layout, Bangalore-560071.

(Transferees)

(2) Shrimati P. Susheela Hari Das, No. 637, Upstairs, Domlur Layout, Bangalore-560071.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2818 Dated December 1981) Site No. 8, in No. 74/1-B, of Domlur, Bangalore-560071.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

No. 432/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

New No. 268 (Out of S. No. 7) situated at Mudigere. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mudigere Under Document No. 532/81-82 on 4-12-1981. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. R. Dattegowda, S/o Ramegouda Mudigere, TQ: Chickmagalur.

(Transferor) (s)

[PART III—SEC.1

(2) Shri G. S. Basegouda, S/o Subbegouda Hand Post Mudigere, TQ: Chikkamagalur.

(Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 532/81-82 Dated 4-12-1981)
Land bearing New No. 268 (Out of S. No. 7 measuring
2 Acres with Saw Mill building, Office building and Godown standing thereon.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-6-1982

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangaloic-560001, the 21st June 1982

Notice No 434/8283--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No S No 2 sub division 6 7 8 & 9 property known as "Casa de Morada Com a sua horta e quintal" situated at Bicholim, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bicholim Goa under document No 480/81-82 on 15-12

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Luis Vicente Santana Pereira and his wife Maria Alzira Tereza de Jesus Mascarenhas o Pereira.
 - (2) Shii Ivo Pereira and his wife Antoniette Cecilia Coelho Pereira.
 - (3) Shri Luis Antenio Alfredo Desa and his wife Maria Celina Pereira, also known as Celina Pereira All are residing at Panaji, Goa

(Transferor)

(2) (1) Paulo Manuel Jesus D'Souza Residing at Bicholim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 480/81 82 Dated 15-12-1981)
Plot of land S No 2 sub-division 6, 7, 8 & 9 property
known as 'Casas de Morada Com a sua horta e quintal'
situated at Bicholim, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th May 1982

Notice No. 428/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 66/8 situated at Commussurate Road, Cantonment Belgaum

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under document No. 2428 dated 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

(1) Smt. Sudhabai W/o Bheema Rao Harihar Parimal Building Koumudi Society, Erandevana Punc-4.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ismail Beig Mohamad Beig Vazir, Kotwal Galli, Belgaum. . (2) Smt. Subera W/o Sikandarkhan

Soudagar, Camp Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons of publicaperiod of 45 days from the date tion of this notice in the Official Gazette or of a period of 30 days from the service notice on the respective whichever persons, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2428 dated 4-12-1981)
Residence bearing B. C. No. 113/M. S. No. 66/8 situated at Commussurate Road, Contonment (Near Union Bymkhana) Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-5-1982

FORM NO. ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 422/82-83,—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 55(1) & 55(2) situated at Cacoda Bansal-Curchorem Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem under document number 392 on 14-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
 - Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
 Smt. Alfida Berum, W/o Shri Shaikh Ayub Mine Owners, Sanguem Goa.
- (2) Smt. Abida Bano Sharieff, W/o Kolar Nayeemulla Sharieff, Resident of Bansai, Curchorem Goa. (Transferee)
- (3) NIL
- (Person(s) in occupation of the property)

(4) NIL
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 392 dated 14-12-1981)
Land measuring 710.50 sq. m. and building thereon bearing House No. 55 (1) & 55 (2) situated at Cacoda Bansai Curchorem-Goa.

Dr V. N. I.ALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-4-1982.

FORM I.T N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 20th April 1982

Notice No 418/82-83—Whereas, I, Dr V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Sy. No 188/B situated at Kaladagi Road, Bagalkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagalkot under document number 894 on 14-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Kesarmal Kanayalal Surana, Merchant, Bagalkot

(Transferoi)

(2) Shii Kanayalal Bacharaj Surana, Merchant Bagalkot

(Transferce)

(3) NIL

(Person(s) in occupation of the property)

(4) NIL
(Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 894 dated 14-12-1981)
Land and building bearing Sv No 188/B situated at Kaladagi Road, Bagalkot

Dr V N LAITTHKUMAR RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.I.R. No. C-35/Acq—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 88/1 and 88/2 situated at Mohalla-Tulshipur, Varanasi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Varanasi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37-226GI/82

(1) Gopal Prasad Chaurasia

(Transferor)

(2) Smt. Chanda Rani Jaiswal

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

(4) NIL

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 88/1 and 88/2, situate at Mohalla-Tulsipur, Pargana- Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11755, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, in December, 1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 28-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.l.R. No. R-173/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. B36/2A-1 situate at Madan, Mohan, Majviva, Road.

No. B36/2A-1 situate at Madan Mohan Malviya Road, Varannsi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer /Registrar/Sub-Registrar

at Varanasi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Devendra Nath Pandey.

(Transferor)

(2) Shri Ram Mohan Choubey.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

(4) NIL

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-30/2-A, situated at Madan Mohan Malviya Road, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11409/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, in December, 1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.I.R. No. M/138.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. House situated at Sheshpur, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jhamman Lal.

(Transferor)

(2) Shri Makkhan Lal Goel,

(Transferce)

(3) Above seller, (Person in occupation of the property)

(1) NIL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three-storey house, measuring 1800 sq. ft. situate at Sheshpur, Distt. Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9464, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Govakhpur, on 1-12-1981 (as per 37G Form).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd August 1982

G.I.R. No. S-235/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A portion of a building situated at Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri G. S. Pandey.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) M/s. Kedar Engineering Works, Station Road, Moradabad. (Tenant).(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a building measuring 287-70 sq. mtrs. situated at Station Road, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2895, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 27-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 2-8-1882

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1982

G.I.R. No. 93/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and

bearing No.

Plot No. 1-A, situated at I. T. College Crossing, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Dhanush Dhari Singh.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisitoin of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-A, area—1140 sq. ft. (lease hold) situated at 1. T. College Crossing, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 372/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 31-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5-8-1982.

Seal ·

(1) Shri Raj Kishore Misra.

(2) Smt. Rose Light Kamal Kumari

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above transferee. (Person

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1982

G.I.R. No. R-167/Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18th part of House No. 71/1, situated at A. P. Sen Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Through her Attorney, Kumari, G. K. K. Harvey.

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th part of House No. 71/1, A. P. Sen Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 7216, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-5-1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1982

G.I.R No. R-168/Acq.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Sanders Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jucknow on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Marium Begum Through her Attorney, Ali Naqi Khan.

(Transferor)

(2) Shii Radhey Krishna Tandon.

(Transferee)

(3) Shri Radhey Krishna Tandon.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land admeasuring 3170 sq. ft. situated at Sandres Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 7489 and sale deed, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 15-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st July 1982

G.I.R. No. S-232/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 116, situated at Civil Lines, Bareilly,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rgistering Officer at Bareilly on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Prem Shankar Khatri 2. Smt. Shakuntala Khatri

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sunil Anand
 - Smt. Shama Anand Shri Sarbjeet Singh
 - Shri Satyajeet Singh
 Shri Girish Oberoi

6. Smt. Asha Sardana

(Transferee)

(3) Above vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 1001 sq. yds. out of plot No. 116, situated at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6864, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Barcilly, on 26-12-1981.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 1-7-1982

(1) Smt. Shanti Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shiv Piasad.

(Transferee)

(3) Above transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1982

G.I.R. No. S-233/Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A two-storeyed building situated at Mian Bazar.

No. A two-storeyed building situated at Mian Bazar, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gorakhpur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trulys tated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38--226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A two-storeyed building measuring 1925 sq. ft. situated at Mohalla—Mian Bazar, Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10052/6/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 29-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I ucknow.

Date: 9-7-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/53.—Whereus, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Katra Kaiam Singh situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Shakuntla wd/o Shri Ganesh Dass Bawa R/o Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Mohan Lal s o Jodha Ram R/o Katra Karam Singh, Nai Sarak, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any, Harbans Singh for Rs. 140/- since 10-9-1977. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 3249/9 and New No. 689-9-42, situated in Katra Karam Singh, Nai Sarak, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16651 dated 11-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No ASR /82-83 / 154.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property in Bazar Kathian, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amutsar on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amaipal Singh s/o S. Ajit Singh and Smt. Tejender Sachdeva w/o Late Shri Ajit Singh R/o 13-Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amiitsar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh 8/0 S. Gurdit Singh R/0 Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 678/4-18 situated in Bazar Kathian Amiltan as mentioned in the sale deed No. 173/72/dated 28-12-81 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/155.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 250001- and hearing No.

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property in Rani Ka Bagh Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Ropinder Sharma, 157, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranbit Singh S/o Surjeet Singh R/o Br. Papram, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third portion in Kothi situated in Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16566 dated 9-12-81 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/156.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Shastri Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Avtar Singh s/o Diwan Singh R/o Amritsar.
 Plot No. 3, Gokal Nagar, Amritsar.
 Amritsar.

Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o Kashmir Singh R/o 276, Krishna Nagar, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 190 sg. yards) situated in Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16963/dated 18-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

Seal

FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/157.—Whereas, I, ANAND SINGH 1RS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated at Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Batala on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transtes of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

 Shri Iqbal Chand s/o Shri Kunbhal Chand, Bali Inderjit, R/o Batala.

(Transferor)

(2) M/s. Jindal Industrial Corporation Through Shri Sunil Kumar Aggarwal, Batala.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2K 13M in village Batala West as mentioned in the sale deed No. 5916 dated December, 1981 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/158.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One house in Bazar Tokerian situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ram Parkash s/o Balkishan and Premwati w/o Balkishan, Yash Pal S/o Balkishan R/o Kti. Dulo, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Baldev Kishan 9/0 Punna Lal R/0 Lachhman Sar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One house No. 2029/8 situated in Bazar and Gali Tokerian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16117 dated 2-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/159.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Br. Subunia situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair marnet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Champa Wati w/o Daulat Ram R/o 5 Kanigam Cresent, Bangalore, Through Shri Ram Parshad Chadha s/o Rup Lal R/o Kucha and Gali Bhai Sant Singh, Amritsar.

Transferor)

(2) Smt. Satya Wati w/o Parshotam Lal. R/o Bazar Guru Bazar Kucha Upplan, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Harnam Dass for Rs. 70/- p.m. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 104/2 and 207/2-2 and 110/11-12 MCA situated in Kucha Lundan Bazar Sabunia, Amritsar as men-tioned in the sale deed No. 16672 dated 11-12-81 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Amritsar

Date: 22-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR RÖAD,

AMRITSAR

Amritsar, the 26th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/160.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property inside Mahan Singh Gate situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39-226GI/82

(1) Smt. Raghbir Kaur wd/o Kartar Singh and Smt. Paramjit Kaur and Raj Kaur Ds/o Kartar Singh and Mohinder Pal s/o Kartar Singh R/o Inside Mahan Singh Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Upinder Kaur d/o Shri Jaut Singh R/o Chatiwad Gate behind Raj Talkies, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated inside Mahan Singh Gate opposite State Bank of India, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17000 dated 18-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 26-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/161.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Neena Mehra w/o Din Dyal Mehra and Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shiv Sagar, Varli Hill Road, Bombay-18 and Deepak Mehra s/o Shri Din Diyal Through Shri Din Diyal Mehra Mukhtar. (Transferor)
- (2) Smt. Kusum Lata w/o Shrl Mohan Lal Arora R/o Bazar Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property No. 1284/10 situated in Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16911 dated 7-12-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref No ASR/82-83/162.—Whereas, I, ANAND SINGH 1RS.

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs 25,000/ and bearing No One property in Dhab Khatikan, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amutsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Nena Mehra w/o Shri Din Dayal Mehra & Shri Din Dayal Mehra s/o Shri Chaian Dass R/o 33 Shiv Sagai, Vaili Hill Road, Bombay-18 and Shii Deepak Mehra s/o Shii Din Dayal Thiough Shii Din Dayal Mehra, Amiitsai

(Transferor)

(2) Smt Sushma Arora w/o Shri Manohar Lal Arora R/o Inside Lohgarh Gate, Katra Dulo, Amritsar

(Transferce)

- (3) As at S₁ No 2 overleaf and tenent(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property No 1284/10 situated in Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16909 dated 17-12-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 27-7-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/163.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Neena Mehra w/o Shri Din Dayal Mchra & Shri Din Dayal Mchra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shiv Sagar Worli Road, Bombay-18 and Deepak Mehra s/o Shri Din Dayal Mehra, Through Shri Din Dayal Mehra Mukhtar,

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Arora S/o Shri Ram Lal R/o Bazar Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one property No. 1284/10 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16855 dated 16-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/164.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Neena Mehra w/o Shri Din Dayal Mehra & Shri Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shivsagar Worli Hill Road Bombay-18 and Shri Deepak Mehra s/o Shri Din Dayal Mehra Through Shri Din Dayal Mehra Mukhtar. R/o above.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Arora s/o Shri Karam Chand R/o Inside Lohgarh Gate Katra Dulo, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one property No. 1284/10-5 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16850 dated 16-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

FORM I.T.N.S.-

 Smt. Sheela Rai d/o Jaswant Rai R/o 30 Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sohan Singh R/o Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/165.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in Kothi No. 30 situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17430/dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No ASR/82-83/166—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amilisal on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pritaba Kalo d/o Shri Inder Sen R/o 30 Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sohan Singh R/o Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) A₈ at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17429 dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/167.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kusum Suri d/o Shri Inder Sen,
 R/o 30 Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sohan Singh R/o Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

_Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17428 dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/168.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—226GI/82

(1) Smt. Madhu Chawla d/o Shri Inder Sen R/o 30-Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sohan Singh R/o Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1th share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17427/dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsur

Date: 27-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/169.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One Plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ved Parkash a/o Puran Chand R/o Ajit Nagar selt and mukhtar aam, Amritsar.

Transferor)

(2) Smt. Ramesh Kumarı w/o Shri Vijay Kumar R o Katra Mohar Singh, Kucha Bhabrian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S₁. No. 2 above and tenant(s) it any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in New Garden Colony Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16274 dated 3-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-7-1982

Sal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR RÓAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/\$2-83/170.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One Plot in New Garden Colony situated at Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 4—

 Shri Ved Parkash s/o Puran Chand R/o Ajit Nagar self and mukhtar aam, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Ramesh Kumar w/o Shri Vijay Kumar R/o Katra Mohar Singh, Kucha Bhabrian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 26 situated on circular Road, New Garden Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16289/dated 4-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-82

Sewl:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/171.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land in Distt. Gurdaspur

12568

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narinder Singh s/o Man Singh R/o Jhawar Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Harjinder Singh s/o Chanan Singh R/o Viram Wadala Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10K 10M situated in village Kotli Mangal, Civil Lines, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6283/dated 2-12-81 of the registering authority

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/172.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand R/o Ajit Nagar self and mukhtar aammin janab Owner Firm M/s. Ramesh & Co. Katra Abluwalia, Amritsai.

Transferor)

(2) Dr. Jasjit Falia (Shashi) W/o Dr. Sukhwinder Singh Walia, R/o 75 Golden Avenue Headwaterworks Road, Amritsar.

- (3) As at Serial No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
 - (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 49 situated on Circular Road, Abadi New Garden Colony, Khasra No. 1331-1332 in Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16808/dated 15-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 22-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/173.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for th. respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, mainely:-

(1) M/s. Ramesh & Co. Katra Ahluwalia, Amritsar through Shri Ved Parkash s/o Shri Puran Chand, Ajit Nagar, Amritsar.

Transferor)

 (2) Jasjit Walia
 W/o Dr. Sukhminder Singh Walia,
 R/o 75-Golden Avenue Headwaterworks Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 49 situated on Circular Road, abadi New Garden Colony Khasra No. 1331-1332, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16345/dated 4-12-81 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. AC-14/Acq/R-IV/Cal/82-83.--Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 4 situated at

Kali Bazar Rood, Burdwan

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Officer at Burdwan on 14-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Khestra Nath Chowdhury,
 Kalı Bazar Road,
 P.O. & Dist. Burdwan.

(Transferor)

(2) Sm! Sukriti Chowdhury Sri Sumit Chowdhury C/o Dr. Susanta Chowdhury, 5A. Chakraberia Lane, P.O. Bailygunge, Calcutta-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 7 Cortahs with Building Address: 4, Kali Bazar Road, P.S. & Dist. Burdwan, Deed No. 9587 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Khandsary Sugar Mills; Village Chauta Tal. Kutiana, Dist, Junagadh.

(2) Sh. Field Marshall Khandsary Udhyog; through: Partner Sh. Mohan al Mohidas; Village Ranavav, Tal. Porbander; Dist. Junagadh.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th July 1982

Ref. No. P.R. No 2021 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Factory Building situated at Village Chauta, Taluka: Kutiana, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory viz. Shri Ram Khandsari, standing on land 12140-18-76 sq. mts. situated at village Chauta, Tal. Manavadar, Dist. Junagadh, duly registered by S.R. Manavadar, vide sale deed No. 334/December, 1981.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-7-1982

(1) Sh. Pitel Chhagan Ramil & others,

(2) Sh. Nathji Nagai Coop, H. Socy, Ltd. (Palaswa) President Shii Bhagwanji Govindbhai, Herba, Joshpura, Tunagadh

(fransferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-L AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 1st July 1982

Ref. No PR No 2020 Acq 23-1/82 83 -Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅ 25,000 and bearing No 6 situated at

Village Joshipura, Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagarh on 10 12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 41—226G1/82

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :- 'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3A—29 G i.e. 16819 sq. yds. situated at villege Ioshipura, Junagadh, duly registered by S.R. Junagadh, vide sale-deed No. 3940/10-12-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissionel of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 1-7-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabod-380009, the 1st July 1982

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104, Plot Nos. 46 to 49, 50 to 52, 57 to 59 & 60 to 63 situated at Bharathi Bapa's Wadi,

Behind S. T. Stand, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Junagadh on 5-12-81 & 5-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dilsukh Bharathi Mohan Bharathi; through: P.A. Holder: Shri Dhirubhai N. Gohel, Bharathi Bapu's Wadi, Behind S. T. Stand, Junagadh

(Fignsferot)

(2) Sh. Balmukund Coop. H. Society; through: President Sh. Muldas Karsandas Agrawat; C/o Tip Top Furniture Mart, Kalwa Chowk, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

I and adm. 908.65 Eq. mts. ±1208.65 sq. mts. situated at Bharathi Bapu's Wadi, Behind S.T. Bus Stand, Junagadh, duly registered by S.R. Junagadh vide sale-deed No. 409/5-2-82 and 3877/512-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-7-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Ernakulam, the 28th July 1982

Ref. L.C. No. 588/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing Sy. No. as per schedule situated at 'Trichur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 1-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—- (1) Sri Antony.

S/o Alappat Chemmanda Poulose,
Veliyannur,
Trichur.

(Transferoi)

(2) Dr. V. K. Bhaskaran, S/o Vazhoor Kumaran, Veliyannor Road, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24.992 cents of land in Sy. No. 1076/1 of Trichur town.

P. J. THOMASKUTTY, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date 28-7-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1.

Pune-1, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/C \(\Lambda 5/\star\)\$R Kaivir/Feb 82/747, 82-83 — Whereas, I, R K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City Kolhapur, Tal. Knivii, Dis. Kolhapui

C.S. No $232\Lambda/3A$ situated at

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir, on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said incomment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Smt. Anusayabar Dattajirao Bhosale, 'Sukh Niwas', 232, E-Ward, Tarabar Park, KOLHAPUR.

(Transteror)

(2) Smt. Rand of Judomal Chandwant Memorial Trust,
Chairman and Trustee, Shri Judomal Hemandas Chandwant,
233, E-Ward, Surve Colony,
Tarabat Park,
KOI HAPUR

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CS No 232A/3A situated at City Kolhapur, Ial. Karvir Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No 675 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of Feb. 1982)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poone.

10 atc = 29-7-82 Seat

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Punc-1, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli-I/Jan.82/749/82-83.—Whereas, I, R. K AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃, 25,000/- and bearing No

C.T.S. No. 285, Sub Plot No. 4 situated at Sheela Vihai Colony Erandavana, Pune-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-I on Jan, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Janardan K. Nene, 68, Mayur Colony, Pune-411 029.

(Transferor)

(2) Sh. Sadanand K. Shetty, 'Aradhana' 2nd Floor, Plot No. 4, C.T.S. No. 285, Poona-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 285, Sub Plot No. 4, attuated at Sheela Vihar Colony, Frandavana, Pune-411 004.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 506 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, in the month of Ian. 1982).

R. K. AGGARWAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poone

Date: 29-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Punc-1, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli-II/Feb 82/746/82-83.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sub Plot No. 15, Plot No. 479, C.S. No. 1105 situated at Bhamburda, (Shivajinagar, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-II on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

 M/s Narang Builders and Naraindas Shamdas Narang, 1292, 3/12, Ghole Road. Shivaji Nagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Sh. Prabhakar Keshav Deshmukh, Secretary, Dipti Co-op. Housing Society, 479/15, Shivajinagar, Pune 16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Sub-Plot No. 15, Plot No. 479, C.S. No. 1105, situated at Bhamburda, Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3806 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II, in the month of Feb. 1982).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poone

Date · 29-7-82

NOTICI- UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNF-1

Pune-1, the 29th July 1982

Ref No IAC/CΛ5/SR Ahmednagar/Feb 82/748/82-83 — Whereas, I, R K AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing S No 25/332/2, P No 66 to 72, 74 to 78,

21 to 22 situated at

Bhist Bag, Savedi Adhmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Ahmednagar on Feb 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) M/s Shriram Agencies, Partuci Shii Damodaj Shankai Ranivikai (Tiansferor)
- (2) Shri Atyind Kisaniao Aagwan
 Chief Promor Ashtavinayak Sahakari Crihnirmarn
 Sanstha Ltd
 of Nagar Urban Bank Servants,
 Ahmednagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Property bearing S No 25/332/2 P No 66 to 72, 74 to 78, 21 to 22, situated at Bhist Bag, Savedi, Ahmednagar

(Property as described in the sale deed registered under document No 312 in the office of the Sub Registrar, Ahmednigal, in the month of Feb 1982)

R K AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Poone

Date 29-7-82 Seal .

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1982

Ref. No. F. 9584.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
S. No. 1985, 1986, 1988, 1989, situated at Andan Koll
Karur (Doc. 4180/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri G. Panneerselvam S/o C, Govindarajulu Nadu Krishnaswamy Nagar, Coimbatore.
- (2) Shrimati Atukkani Amnal W/o P Chinnappa Gr. Visalakshi W/o Marudamuthu R K. Puram, Katur (Fransleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1985, 1986, 1988, 1989, Andankoil, (Doc. 4180/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquirition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 5714/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-226G1/82

 S. N. Shanmugham, Alagappan, Abirami Tradeis 6, RS Puram, Venkatachalam Road, Coimbatose.

(Transferor)

(2) P. G. Jacob S o Thomas Verghese Josamma Jacob, Anjahbara Kannamangalam Mavelikara Tk Alleppy Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli, (Doc. 5714/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 511/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S. N. Shanmugham, Alagappan Abirami Traders, 6, Venkatachalam Road, RS Puram, Colmbatore.

(Transferor)

(2) Alexander John Saramma John, Alagesan Road,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli. (Doc. 5713/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 5712/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. N. Shanmugham, Alugappan, Abirami Traders, 6 RS Puram, Venkatachalam Road, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Philips Abraham S/o K. P. Abraham, Gadatra, Kottayam Kerala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli. (Doc. 5712/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982,

Scal:

(1) Shri M Chinnappa Gr S/o V Marudappa Gi Swamy Gi St, Sanganui, Coimbatore

(Transferor)

(2) M Raman S/o N Madha Gowder R Vasanthi D/o M Raman Jackanarat Aravenu, kotagiri The Nilvius

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madias 6, the 30th July 1982

Ref No I 11787 -Whereas I, R P. PILLAI, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/

S No 70/2 situated at Sanganur (Doc 5316/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S No 70/2, Sanganur, Coimbatote (Doc 5316/81),

R, P PILLAl Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Madras-6

Date 30-7-1982 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAL ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref No. F. 11766.—Wheren, I, R. P. PH LAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5531/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afterestid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

(1) Shri M, K. Ponnuswamy 12/24, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Leela Abiaham W/o A. Abraham Vadakkeykaru Village, Angadikkal murukulathindeythekkil House, Chenganur Tk. Alleppy Dt. Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli. (Doc. 5531/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES 1 X AMINATION 1983

New Delbi, the 4th September, 1982

No. F.14/3/82-EI(B) —A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 20th February, 1983 at Agartala, Ahmedabad, Alzwal, Allahabad, Bangalore, Bhopal Bombay Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispiri (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagai, Jaipur, Jammu, Joihat, Kohima, Lucknow, Madias, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Stinagai and Tiviandrum

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE LVERY EFFORT WILL, BE MADE TO ALI OT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See pairs 19(ii) below]

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on ments but requests received after 20th January 1983 will not be entertained under any circumstances.

- 2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below :—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service- *1
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service-"*
 - (iv) Medical Officers, in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 50 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for Services/posts at the appropriate time.

It a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4 ELIGIBILITY CONDITIONS :-

(a) Nationality

A candidate must be either :---

- (i) a citizen of India or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (in) a subject of Bhutan or
- (iv) a Tibetan refuger who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sir Lanka, East African countries of Kenya Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Fanganyika and Zanzibat) Zambin Malawi, Zane and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently setting in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii) (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been is used by the Covyramont of India.

A candidate in whose case a certificate of digibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India

(b) Ane Timit—Age below 30 years as on 1st Tanuary, 1983.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1983 for the examination to be held in 1983.

The upper age limit is further relaxable as follows --

- (i) up to a maximum of five years if a chadidate belongs to a Scheduled Caste of a Scheduled Tibe;
- (n) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from eistwhile Fast Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide displaced person from erstwhile Fast Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971,
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide tepatriate of a prospective repatriate of Indian origin from Sri Ianka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to mignate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hone fide repatrate or a prospective repatriate of India origin from Srl Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Cevlon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona tide reputriate of Indian origin and has migrated from Kenya. Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzabar) or is a reputriate of Indian origin from Zambia, Malayi, Zaire and Ethiopia
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) upto a maximum of eight years if a indidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide rentunte of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed upper and released as a consequence there of:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11766—Whereas J, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5531, 81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferes id property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Shri M. K. Ponnuswamy 12/24, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) f.cela Abraham W/o A. Abraham Vadakkeykaru Village, Angadikkal murukulathindeythekkil House, Chenganur Tk. Alleppy Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli. (Doc. 5531/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982

Seat:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. K. Ponnuswamy 12/24, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) T. A. Abraham, Kunjamma, Emumuthur Village, Thekkamuriyil House Thiruvalla Tk. Kerala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11766.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5625/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore in December 1981

ř

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratoin therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli, Coimbatore. (Doc. 5625/81).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-7-1982

Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq SR-IV/12-81/490.—Whereas I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

No. Agr. land situated at Vill. Karawal Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prithva Raj Bhutani S/o Sh. Gobind Ram, R/o 8574/3, Basti Arakashan, Paharganj, New Delhi

(Transferor)

 Shri Buddan Ram S/o Sh. Khilaree, Vill. Sadatpur, Shahdara.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land area 13 bighas 10 biswas Khasra No. 387/2, 389/1, 390, 391/1, Vill. Karawal Nagar, Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date: 31-7-1982

Seal

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION, 1983

New Delhi, the 4th September, 1982

No. 1.14/3/82-FI(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 20th February, 1983 at Agartala, Ahmedabad, Aizwal, Alfahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madrus, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Srinagai and Tryiandrum.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE FXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 20th January, 1983 will not be entertained under any circumstances.

- 2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below:—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service -- **
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service-**
 - (iv) Medical Officers, in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 50 vacancies.⁴

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4. ELIGIBILITY CONDITIONS :--

(a) Nationality

A candidate must be either :-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refuger who came over to India hefore the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Fanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawa, Zame and Ethiopia and Victnam with the interior of permanently setting in India

Provided that a candidate belonging to categories (ii) (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Concernment of India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Timu—Age below 30 years as on 1st January, 1983.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1983 for the examination to be held in 1983.

The upper age limit is further relaxable as follows:-

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a hone fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste of a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a home fide repatriate or a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zauzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Milawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide reportriate of Indua origin and has migrated from Kenya. Uzanda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibur) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malavi Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide rentriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed upon and released as a consequence there of:

- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) upto a maximum of five years in case of exservicemen and commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1983 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1983) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct of inefficiency, of on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.
- (xv) upto a maximum of ten years in case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1983 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1983) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from eistwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE 1 IMIT PRFSCRIBFD CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF
SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE
ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND
NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS

CHANGE WILL BL CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2. -CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT. ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 FEF:

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of SC and ST candidates]. Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

Note s (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1982" wishes to apply for admission to 1983 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 examination, his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1982 Examination in the Employment News

6. HOW TO APPLY:

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House. New Delhi-110011, through the application form published in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News", filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen,

They may also use the application form neatly type-written They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscape size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies, as long as the format is exactly the same as published in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SER-VICES EXAMINATION 1983".

- (a) A candidate must send the following documents with his application :--
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5cm×7cm approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein,
 - (iv) One self-addressed post-card,
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. ×27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form the uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in internation such extraction. interpreting such entries.
- All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial underservice, in Government owned industrial industrial takings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application over if submitted to the application over if submitted to the application over the submitted to the application. cation, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the Examination.

Condidates should note that in case a communication received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates aplying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

APPLICATIONS NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES NOTE: APPLICATIONS

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT AT ONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL OUAL IFICATIONS SCHEDULED CASTES

AND SCHEDULFD TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE FXAMINATION WII I ALSO THEREFORE BF PURFLY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE RE-OUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THI RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DICLARED IN THE MONTH OF MAY, 1983

- 1. CERTIFICATE OF AGE.
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALI-FICATION.
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDUL ED TRIBE, WHERE APPLICABLE
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE FXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE CAMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. JE ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT. THEY MAY RENDER THEMSELVES I LABIF TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW
- 7. A candidate who is or has been declared by the Com mission to be guilty of-
 - (i) obtaining support for his candidature by any means
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by any person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect of false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper mean in connection with his condidature for the evamination, or
 - (vii) using unfair means during the examination of
 - (viii) writing irrelevant matter including obscore language or pornographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) horassing or doing bodily burn to the Staff emplayed by the Commission for the conduct of their examinations, or
 - (xi) violating any of the instructions issued to equilidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :-
 - (a) to be disoudified by the Commission from the examination for which he is a candidate or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specilied period-

- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them:
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd November, 1982 (15th November, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Mampur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 2nd November, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Man'pur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Dvison of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to turnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland Tripura, Sikkim, Lalakh Division of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd November, 1982.

- Note: (1)—Candidates who are from areas entitled (to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of I & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE: (ii) —Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or sent it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

- 9. SCHEME OF EXAMINATION: The examination will comprise:—
- (A) Written Examination—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects:—

Papper I (Code No. 1) Weighting

- (I) General Medicine Cardialogy, 60% Neurology, Dermatology and Psychiatry,
- (II) Surgery including E.N.T., Opthalmology, 40%, Transatology and Orthopaedics.

	Paper II(Cdev No. 2)	
(1)	Pacdiatries	 20%
(H)	Gynaecology and Obstetrics	 40%
(III)	preventive, Social and	
·	Communits Medicine	 40°,

(B) Personality test of candidates, who qualify in the written examination 200 marks

Note P:—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

Note II:—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therfore, bring the same inside the Examination Hall.

10. Condidates who obtain such minimum qualitying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes of Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personalty test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the helds of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be atranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 2/3% and 33 1/3% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes of the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services inrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

- 12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts.
- 14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactority completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government of the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a seribe to write the answers for them.
- 18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19, CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidates does not. ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the results of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the climbility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the carliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLIOWING PARTICULARS:

- I. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. APPLICATION REGISTRATION NO /ROLL NUM-BER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNI-CATED.
- NAME OF CANDIDATE IN FULL, AND IN BLOCK LETTERS.
- POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.

N.B (I) :—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (II) :—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION IIAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

- 20 NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 21. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

VINAY JHA, Joint Secretary

APPENDIX 1

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below.

- 1. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.-
- (a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are:—

1-5 Stages-Rs. 150/- P.M.

6--10 Stages--Rs. 200/- P.M.

11 -15 Stages-Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Govern-

ment if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and there after while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- . (c) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be hable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person -

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (i) Reckoning Service—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway I stablishment Code are applicable, shall be cligible to the benefit of the provisions contained in that rule.
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extent orders as amended/issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
 - (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non practicing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.
 - (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.
 - (m) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practicing allowance of Rs. 500/- p.m.
 - (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are chable for promotion to the

posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(n) Duties and Responsibilities-

Assistant Divisional Medical Officers:

- (1) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (ni) He will look after family planning public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.
- NOIL (1): When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.
- Note (2): ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.
- II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—
- (a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in duc course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates as present are—

1-5 stages Rs. 150/- per month 6-10 stages Rs. 200/- per month 11 stages onward Rs. 250/- per month

- (b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (c) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—
 - (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HFALTH SERVICES.

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

4—5 6—7 8—9	stages stages	Rs. Rs.	300/- 350/-	per per	month month month
		Rs Rs.	400/- 450/-	per per	month month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Supertime Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. 1—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. 1—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

- (g) Nature of duties—(i) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.
 - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patients departments daily and as required,
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in torce.
 - (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
 - (iv) They will look after the Family Welfare, public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
 - (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
 - (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.
- (2) GDO GR. I---ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER
 - (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/ DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
 - (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
 - (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
 - (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
 - (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
 - (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
 - (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
 - (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.
- (3) SUPER-TIME GRADL II -DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER
 - (a) DDHS posted at the Hqus, will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
 - (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
 - (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estis. there.
 - (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of I vs on all medical matters and make recommen dation as considered necessary.

- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.
- (4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTII SERVICES.
 - (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will expected they administrative powers as delegated to him by the DGOF.
 - (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
 - (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
 - (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
 - (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estis.
 - (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMS's.
- III. Junior Scale posts in the Central Health Service:
- (a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.
- (b) The candidates can be posted any where in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Mecruit, etc., Coal Mines/Mica Mines Laboui Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and consultants Practice is prohibited.
 - (c) The following are the rates of pay admissible:

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale: Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

N.P.A.

1 to 5 stages	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100--50-1600.

N.P.A

	IN.F.D.
1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications including post-graduate qualification where necessary.

1.1

Specialists Grade II

Revised Scale: Rs 1100-50--1500--EB-60-1800.

						N.P A
1	to	3	stages	Rs. 300	per	month
4	to	6	stages	Rs. 350	րբո	month
7	to	9	stages	Rs 400	pei	month
10	to	12	stages	Rs. 450	per	month
13	to	14	stages	Rs. 500	per	month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade 1 against 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade I

Revised Scale : Rs. 1800 -100 2000 -125/2--2250 -- Rs. 600 per month

Supertime Grade II

Revised Scale: Rs. 1500-60-1800-100-2000 Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade 1 or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade 1 Level II

Supertime Grade I Level II

Revised Scale: Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I Level I

Revised Scale: Rs. 2500 125/2-2750-Rs. 600 per month.

Vacancies in Superting rade I Level I shall be filled from amongst officers in Supermae Grade I Level II with 2 years'

service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years service in either grade.

IV. MLDICAL OFFICER IN THE MUNICIPAL CORPORATION OF DELHI.

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:

1= 5 stage	Rs.	150	per	month
6-10 stages	Rs.	200	рег	month
11 stage and onwards	Rs.	250	рет	month

- (ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (iii) The candidate can be posted anywhere within the jurisdittion of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc. etc.
 - (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one months notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one months pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations,

		7